॥ त्वं ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसि ॥

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर

चित्र श्रेय : विद्या सर्वेश्वरन

॥ त्वं ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसि ॥

okf”kZd izfrosnu

2016-17

Hkkjrh; izkS|ksfxdh laLFkku tks/kiqj

राष्ट्रीय राजमार्ग 65, नागौर रोड, करवड़, जोधपुर 342037

l|iknd eMy

nhid d|ekj Q|yokuh] समन्वयक (संकाय)
vr|y d|ekj] समन्वयक (शैक्षणिक)
oh- ukjk;.ku] समन्वयक (अनुसंधान एवं विकास)
lh- oh- vkj. मूर्ति, समन्वयक (छात्र)
vejnhi 'kek] उप कुलसचिव (आयोजन)
{kek i|dk'k] उप पुस्तकालयाध्यक्ष

l|iknd

क्षेमा प्रकाश, उप पुस्तकालयाध्यक्ष, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, राष्ट्रीय राजमार्ग 65, नागौर रोड, करवड़, जोधपुर 342037
ईमेलः **publications@iitj.ac.in**
वेबसाइटः www.iitj.ac.in

प्रतिलिप्याधिकार © 2017, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर (www.iitj.ac.in)। सर्वाधिकार सुरक्षित।

विषय–वस्तु

प्रस्तावना	i
दृष्टिकोण, लक्ष्य एवं प्रमुख मूल्य	ii
संगठन	
संगठनात्मक ढांचा	1
शासी बोर्ड	2
वित्त समिति	3
सीनेट	4
भवन एवं निर्माण समिति	5
प्रमुख पदाधिकारी	6
विभाग और सम्बद्ध संकाय सदस्य	8
कर्मचारी सदस्य	20
शैक्षिक	
शैक्षिक कार्यक्रम	22
शिक्षा जगत के साथ सहयोग	23
उद्योग जगत के साथ सहयोग	24
शोध	
शोध एवं विकास परियोजनाएं	26
पेटेंट और प्रकाशन	31
पुरस्कार एवं सम्मान	42
बाह्य गतिविधियां	46
वृत्तांत	
राष्ट्रीय उत्सवों का आयोजन तथा राष्ट्रीय महत्व के दिवसों का पालन	47
संस्थान के वृत्तांत	52
संस्थान के आगंतुक	53
इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट	54
सुविधाएं	
वर्तमान परिसर	55
स्थायी परिसर	57
कंप्यूटर केंद्र	59
पुस्तकालय	60

प्रयोगशालाएं	63
स्वास्थ्य केंद्र	81
खेल सुविधाएं	81
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ	81
महिला प्रकोष्ठ	82
छात्र गतिविधियां	
छात्र जिमखाना	83
छात्र उत्सव एवं वृत्तांत	87
परामर्श सेवाएं	91
छात्र प्लेसमेंट सेल	92
पूर्व छात्र सम्बन्ध	94
भा.प्रौ.सं. जोधपुर में पंजीकृत छात्र	95
वित्तीय स्थिति	115

प्रस्तावना

अपने अस्तित्व के आठवें वर्ष में संस्थान ने तीन नए विभागों के गठन के द्वारा एक और कदम आगे बढ़ाया है। वे विभाग केमिकल इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग और मैटेरियल्स इंजीनियरिंग हैं। इन नए विभागों के लिए संकाय सदस्यों का चयन प्रकिया चल रही है। साथ ही, संस्थान के दृष्टिकोण के अनुसार जीवविज्ञान विभाग का नाम जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग के रूप में परिवर्तित किया गया है।

शैक्षिक मामले में, संस्थान चार स्तरों पर अपने शिक्षा कार्यक्रमों अर्थात् बी.टेक., एम.एससी., एम.टेक. और पीएच.डी. कार्यक्रम के साथ लगातार आगे बढ़ता जा रहा है। इस साल तीन नए विभागों के गठन के साथ आने वाले वर्षों में इन विषयों में भी बी.टेक., एम.टेक. और पीएच.डी. कार्यक्रम प्रारंभ करने की उम्मीद है। और इस वर्ष अनुसंधान के मोर्चे पर प्रायोजित परियोजनाओं की संख्या 47 से 53 तक बढ़ी है। शोध प्रकाशनों की कुल संख्या में भी वृद्धि हुई है, जो कि पिछले वर्ष 112 थे, इस वर्ष बढ़कर 124 हुये हैं, और पत्रिकाओं के लेख 75 से बढ़कर 89 हो गए हैं। इस वर्ष की घटनाओं के शिखर पर, 8 दिसंबर 2016 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के तीसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कुल 157 छात्रों ने, उनकी कड़ी मेहनत व समर्पण और उनके माता–पिता के त्याग के बदौलत बी.टेक., एम.टेक. और पीएच.डी. स्तर की उपाधियाँ प्राप्त कीं। प्रमुख आयोजन जिस पर समस्त भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर समुदाय की आंखें स्थिर हैं और उम्मीदें जुड़ी हुयी हैं, वो है स्थायी परिसर में हमारा स्थानांतरण। अधिकांश भवनों में प्रथम चरण के निर्माण का कार्य समापन की ओर बढ़ रहा है। जुलाई–अगस्त 2017 के दौरान प्रथम स्थानांतरण होने की संभावना है।

वर्ष के दौरान 11 नए संकाय सदस्य और 9 नए कर्मचारी सदस्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर समुदाय में शामिल हुए। इस नई ऊर्जा के साथ, उम्मीद की जाती है कि संस्थान गहन अर्थ में नए शैक्षिक पहल की ओर कदम बढ़ायेगा...

lh- oh- vkj- efrl

Hkk-iks-l- tks/kiqj
–f"Vdks.k] y{; ,o çeq[k eY;

दृष्टिकोण

संस्थान

(1) कार्य के माध्यम से प्रौद्योगिकी का संवर्धन करेगा और

(2) राष्ट्र की प्रौद्योगिकी सम्बंधी चुनौतियों को हल करने के लिए आवश्यक तकनीकी मानव संसाधन तैयार करेगा।

लक्ष्य

संस्थान

(1) ऐसा गतिशील प्रौद्योगिकी संस्थान तैयार करेगा जिसमें अधिगम, शोध, आविष्कार और अंततः नवाचार समाहित होगा और वह उसका संवर्धन करेगा; तथा

(2) प्रत्येक प्राथमिक प्रतिभागी को संस्थान के प्रमुख मूल्यों का अनुपालन करना जारी रखते हुए उनके धर्म के प्रति तैयार करेगा –

(क) छात्र – भारत की बड़ी चुनौतियों को पूरा करने के लिए सक्षम प्रौद्योगिकी स्नातक तैयार करेगा;

(ख) कर्मचारी सदस्य – एक प्रक्रिया संचालित व्यावसायिक संस्थान के रूप में सक्रिय कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेगा;

(ग) संकाय सदस्य – एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी शैक्षिक संस्थान के निर्माताओं को सुकर बनाएगा; और

(घ) उद्योग – आर्थिक मूल्य सर्जन हेतु यथा संभव उद्योगों के लिए एक बल के रूप में प्रौद्योगिकीय नवाचार प्रदान करेगा।

प्रमुख मूल्य

संस्थान ऐसे प्रमुख मूल्य निर्धारित करता है जिसमें भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय का प्रत्येक सदस्य

(1) मानवीय निष्ठा और सम्मान के सर्वोच्च स्तर को बनाए रखेगा;

(2) संस्थान के किसी भी प्रतिभागी से कोई अनुचित लाभ नहीं उठाएगा;

(3) छात्रों, उद्योग जगत और समाज के हितों की रक्षा करने के लिए अत्यधिक प्रशंसित प्रौद्योगिकी संस्थान के निर्माण के लिए कार्य करेगा;

(4) प्रौद्योगिकी विचारों और कार्य के माध्यम से भारत के आर्थिक विकास के प्रति वचनबद्ध होगा;

(5) सभी लेन–देन में नैतिक, गंभीर और खुला होगा; और

(6) किसी भी संपर्क से होने वाली सभी सूचना और घटनाक्रमों की सर्वाधिक गोपनीयता बनाए रखने के लिए निरंतर जिम्मेदार होगा।

l xBu

l xBukRed <kpk

भा.प्रौ.सं. परिषद के तत्वाधान में भा.प्रौ.सं. जोधपुर निम्नलिखित सांविधिक निकायों के मार्गदर्शन में कार्य करता है:

(1) शासी बोर्ड;

(2) वित्तीय समिति;

(3) सीनेट; और

(4) भवन एवं कार्य समिति

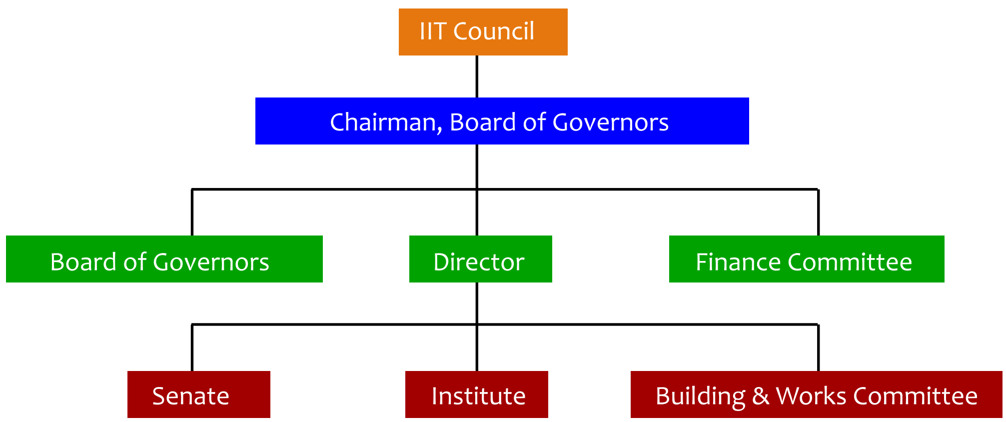

इन सांविधिक निकायों के सदस्यों का विवरण अगले पृष्ठों में दिया गया है।

शासी बोर्ड

v/;{k

1- çkQslj lh- oh- vkj- efrZ
   निदेशक
   भा.प्रौ.सं. जोधपुर
   ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा, जोधपुर 342011

2- funs'kd ¼inu½
   प्रोफेसर सी. वी. आर. मूर्ति
   निदेशक
   भा.प्रौ.सं. जोधपुर
   ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा, जोधपुर 342011

lnL; & Hkk-iks-l- ifj"kn }kjk euksuhr

1- çkQslj iadt pUæk
   पूर्व निदेशक
   भारतीय प्रबंध संस्थान, बंगलौर 560076

2- çk- ,u- ,l- 0;kl
   अध्यक्ष, भारतीय रेल प्रौद्योगिकी मिशन, रेल मंत्रालय
   भारत सरकार, नई दिल्ली–110001

3- Jh fdj.k dkf.kd
   पूर्व अध्यक्ष, नेसकॉम, एस–315 पंचशील पार्क
   नई दिल्ली 110017

4- Jh Mh- vkj- egrk
   संस्थापक एवं मुख्य संरक्षक
   भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, 13ए–गुरूनानक पथ
   मुख्य मालवीय नगर, जयपुर 302017

jkT; ljdkj dk ukfefr

1- çeq[k lfpo
   उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, मुख्य भवन सचिवालय, राजस्थान सरकार, जयपुर 302005

वित्त समिति

v/;{k

çkQslj lh- oh- vkj- efrl

निदेशक

भा.प्रौ.सं. जोधपुर

ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा, जोधपुर 342011

lnL;

1- çkQslj lh- oh- vkj- efrl

निदेशक

भा.प्रौ.सं. जोधपुर

ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा, जोधपुर 342011

2- vij lfpo ¼rduhdh f'k{kk½

उच्चतर शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली –110001

3- foRrh; lykgdkj

उच्चतर शिक्षा विभाग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार

शास्त्री भवन, नई दिल्ली –110001

4- Jh th- ,l- lsn ¼Hkk-j-y-l-½

1090, सेक्टर 29

फ़रीदाबाद 121008

5- lh, ,l- ,l- HkaMkjh

निदेशक, बोर्ड के गैर–कार्यकारी निदेशक

बैंक ऑफ बड़ौदा

पी–7, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर 302005

6- Mk- xkjo gfjr

सहायक प्रोफेसर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, जोधपुर 342011

सीनेट

ikQslj lh- oh- vkj- efrZ
अध्यक्ष

ikQslj çrki Hkkuq egrk
सदस्य (शासी बोर्ड के नामिती)

ikQslj ,p-ih- f[kUpk
सदस्य (शासी बोर्ड के नामिती)

ikQslj lqtho feJk
सदस्य (शासी बोर्ड के नामिती)

lnL;

समन्वयक (संकाय)

समन्वयक (अनुसन्धान एवं विकास)

समन्वयक (शैक्षिक)

समन्वयक (छात्र)

विभागाध्यक्ष, जैवविज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष, गणित विभाग

विभागाध्यक्ष, यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग

अध्यक्ष, वार्डन समिति

अध्यक्ष, पुस्तकालय समिति

प्रयोगशाला प्रभारी, कार्यशाला

भवन एवं निर्माण समिति

v/;{k

1- çkQlj lh- oh- vkj- efr
निदेशक
भा.प्रौ.सं. जोधपुर
ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रातानाड़ा, जोधपुर 342011

lnL;

1- l|Jh Å"kk dlkuk
मुख्य वास्तुकार,
लोक निर्माण विभाग, राजस्थान सरकार, जेकब रोड, सिविल लाइंस, जयपुर 302006

2- Jh vkj- d- xkfoy
अतिरिक्त महानिदेशक सिविल (सेवानिवृत्त), सीपीडब्ल्यूडी
26, अंकुर अपार्टमेंट, 7, आई.पी. एक्सटेंशन, दिल्ली 110092

3- Jh oh- d- cly
मुख्य अभियंता विद्युत (सेवानिवृत्त), सीपीडब्ल्यूडी
721 स्काई लार्क अपार्टमेंट, सेक्टर–6, प्लॉट संख्या–35, द्वारका, नई दिल्ली 110075

4- Mk- ch- johUæ
एसोशिएट प्रोफेसर
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर, जोधपुर 342011

प्रमुख पदाधिकारी

संस्थान ने अपनी गतिविधियां विभिन्न प्रमुख पदाधिकारियों के माध्यम से संगठित की है, जैसे कि नीचे रेखाचित्र में दिया गया है।

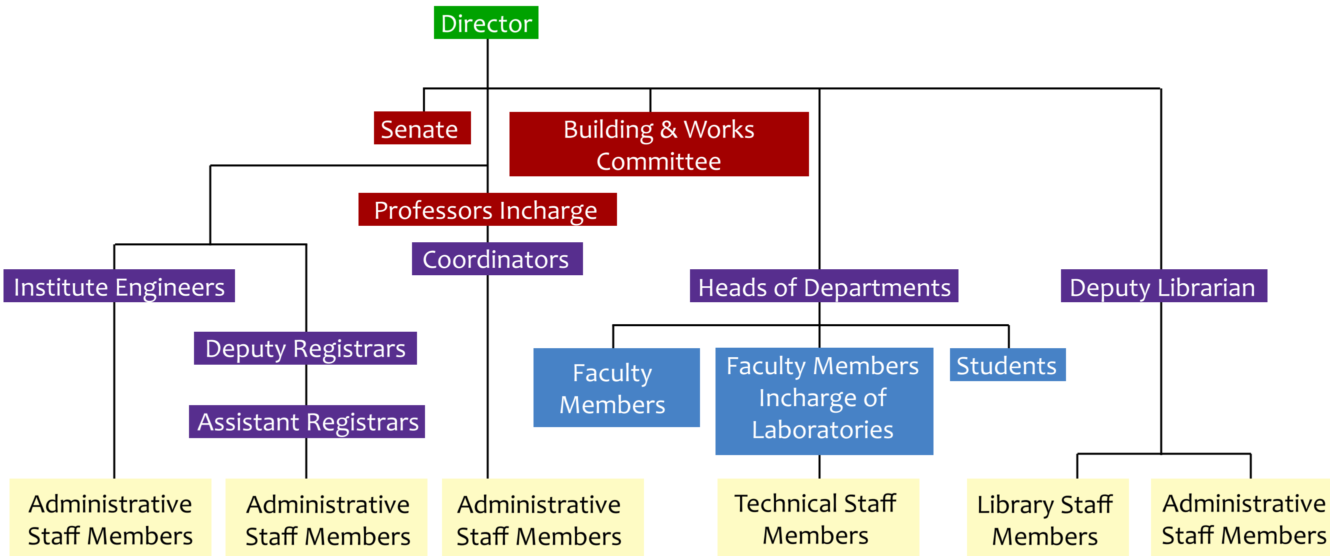

संस्थान के विभिन्न पदाधिकारियों के विवरण नीचे दिये गये हैं:

funs'kd

सी. वी. आर. मूर्ति

lelo;d

nhid dqekj ,e- Qqyokuh] संकाय

oh- ukjk;.ku] शोध एवं विकास

vrqy dqekj] शैक्षिक

lh- oh- vkj- efrZ, छात्र

dk'kydqekj ,- nzlkb] प्रयोगशाला

foHkkxk/;{k

oqdV je.k cknjyk] कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी

vfuy d- frokjh] विद्युतीय अभियांत्रिकी

ch- johUæ] यांत्रिक अभियांत्रिकी

lqf"erk >k] जैवविज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी विभाग

jkds'k dqekj 'kekZ] रसायन शास्त्र

fdj.kdqekj vkj- gfjjekB] गणित

lHkk"kh'k cuthZ] भौतिकी

fo|k lqo'oju] मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान

Lkk;kstd & dfnzr leg

lqf"erk >k] जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान

oh- oh- ,e- 'kekZ pUæekSyh] प्रणाली विज्ञान

ikQlj iHkkjh

vk'kh"k xx] संकाय

Ukojru ey HkMkjh] अनुसंधान एवं विकास

v/;{k

lefUork iky] वार्डन समिति

Ikh- ekf.kdMu] छात्र प्लेसमेंट समिति

lR;thr lkg] चिकित्सा सेवा समिति

lR;thr lkg] पुस्तकालय समिति

oh- oh- ,e- 'kek pæekyh] संभार तंत्रीय समिति

oh- oh- ,e- 'kek pæekyh] छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार समिति

vkun —".ku IykiYyh] पूर्व छात्र संबंध समिति

vfdrk 'kek] परामर्श सेवा समिति

vf/kdkjh

xkjo gfjr] मुख्य सतर्कता अधिकारी

xkjo HkVukxj] पारदर्शिता अधिकारी

iuhr 'kek] हिंदी अधिकारी

egu'k dekj] ग्रीन इनिशिएटिव ऑफिसर

lR;thr lkg] ओबीसी, पीडब्ल्यूडी, और अल्पसंख्यकों के लिए नोडल अधिकारी

c#u çfrgj] अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए नोडल अधिकारी

{kek çdk'k] महिला प्रकोष्ठ अधिकारी

vejnhi 'kek] जन संपर्क अधिकारी

ltho e[kth] आधार संरचना इंजीनियर

vejnhi 'kek] आधार संरचना प्रबंधक

v'kkd dekj [k.MMh] केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी

'kf{kd lfefr

अध्यक्ष, समन्वयक (शैक्षिक)

lnL;

विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष, विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष, जैवविज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष, गणित विभाग

विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग

विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

संयोजक (जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान केंद्रित समूह)

संयोजक (प्रणाली विज्ञान केंद्रित समूह)

संपर्क अधिकारी (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ)

Nk= çfrfuf/k

सचिव, ए.आर.ए. परिषद, छात्र जिमखाना

ए.आर.ए. परिषद, छात्र जिमखाना के तीन छात्र प्रतिनिधि

(बी.टेक., एम.टेक. और पीएच.डी. कार्यक्रम, प्रत्येक में से एक)

विभाग और सम्बद्ध संकाय सदस्य

संस्थान ने अपनी शैक्षिक गतिविधियां आठ विभागों और दो केंद्रित समूहों के माध्यम से संचालित की हैं। ये हैं–

I. foHkkx

1. जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी (भूतपूर्व जीव विज्ञान विभाग),
2. रसायन शास्त्र,
3. कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी,
4. विद्युतीय अभियांत्रिकी,
5. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान,
6. गणित,
7. यांत्रिक अभियांत्रिकी, और
8. भौतिकी

II- dfær leg

1. जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान, और
2. प्रणाली विज्ञान

विभागों और सम्बद्ध संकाय सदस्यों का विवरण अगले पृष्ठों में दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, इस वर्ष संस्थान में तीन नए विभाग बनाए गए हैं, नामतः

(1) केमिकल इंजीनियरिंग विभाग,

(2) सिविल इंजीनियरिंग विभाग, और

(3) मैटेरियल्स इंजीनियरिंग विभाग

इसके अलावा, जीवविज्ञान विभाग का नाम जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग के रूप में बदल दिया गया है। नए विभागों के लिए संकाय सदस्यों की भर्ती चल रही है।

जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग

नए विभाग जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी (पूर्व में जीवविज्ञान विभाग) को भा.प्रौ.सं. जोधपुर में जैविक विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान और प्रौद्योगिकी का केंद्र बनाने की योजना है। इसका लक्ष्य राष्ट्रीय स्तर की जरूरतों को पूरा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और अनुसंधान करना है (विशेषकर वो जिससे चिकित्सा पेशेवरों द्वारा निदान और उपचार के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास हो)। जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग उन संकाय सदस्यों की तलाश में है, जो कि राष्ट्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु विस्तृत ज्ञानक्षेत्र पर हो।

विभाग बीटेक (जैव प्रौद्योगिकी), एम.टेक(जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी) और जैविक विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और उनके अंतर्फलक में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तावित करने की योजना बना रहा है। विभाग बताये गए ज्ञानक्षेत्र में आधारभूत स्तर से उन्नत स्तर तक विस्तृत श्रेणी के पाठ्यक्रम प्रस्तावित करेगा। अत्याधुनिक केंद्रीकृत अनुसंधान सुविधाओं का उपयोग करके प्रायोगिक प्रशिक्षण पर बल दिया जाएगा।

जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग अनुसंधान क्षमता और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए संस्थान के भीतर और बाहर दोनों सहभागिता पर ध्यान देगा। विशेष रूप से, चिकित्सा व्यवसाय द्वारा आवश्यक प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), जोधपुर के संकाय सदस्यों के साथ मिलकर विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

विभाग के साथ निम्नलिखित संकाय सदस्य जुड़े हैं :–

uke	‘kks/k {ks=
 सुष्मिता झा *विभागाध्यक्ष*	सेल्युलर और मॉलीक्यूलर एंड न्यूरोसाइंस, सेल एंड मॉलीक्यूलर फ़िजियोलॉजी
 अमित कुमार मिश्रा	सेल्युलर और मॉलीक्यूलर एंड न्यूरोसाइंस, सेल साइकिल रेगुलेशन एंड कैंसर
 मीनू छाबड़ा	बायोलॉजिकल साइंस एंड बायोइंजीनियरिंगरू रिन्यूएबल बायोएनर्जी बायो रीमेडीएशन
 सुष्मिता पॉल	कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी एंड बायोइन्फार्मेटिक्स

रसायन शास्त्र विभाग

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में रसायन शास्त्र ऐसे स्थान पर है जहां रसायन शास्त्र को प्रौद्योगिकी के दृष्टिकोण से देखा जाता है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर में रसायन शास्त्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग में एक विविध दृष्टिकोण को अपनाया जाता है। यह विभाग ऊर्जा समाधान, उत्प्रेरकों और जल के लिए नई सामग्रियों के प्रौद्योगिकीय योगदान प्रदान कर रहा है। मूल रूप से कैमिकल डायनामिक्स, जैविक प्रक्रिया, न्यूक्लियर मैगनेटिक रेजोनेंस और क्वांटम कैमिस्ट्री की मूल समझ में वृद्धि हो रही है। रसायन शास्त्र विभाग का दृष्टिकोण शिक्षण, शोध और बाह्यगतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। विभाग के साथ निम्नलिखित संकाय सदस्य जुड़े हैं :–

uke	‘kk/k {k=
राकेश कुमार शर्मा *विभागाध्यक्ष*	कैटेलाइसिस फॉर एनर्जी एंड स्टीरियोकण्ट्रोल, फीडस्टॉक केमिस्ट्री, फ्यूल एंड लुब्रिकेंट्स, एनर्जी स्टोरेज एंड वाटर ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजी
अनन्या देबनाथ	थ्योरेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री
अतुल कुमार	थ्योरेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री
मणिकंडन परंज्योति	थ्योरेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल केमिस्ट्री, केमिकल रिएक्शन डायनामिक्स
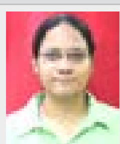 रितु गुप्ता	नैनोमटेरियल एंड नैनोडीवाईसेस फॉर वाटर, एनर्जी एंड हेल्थकेयर
समन्विता पाल	सोल्यूशन एंड सॉलिड स्टेट एनएमआर एंड एनक्यूआर स्पेक्ट्रोमेट्री
रमेश के. मेत्रे	मेन–ग्रुप ओर्गेनोमैटेलिक केमिस्ट्री, कोआर्डिनेशन पोलिमेर्स, इनोर्गेनिक–आर्गेनिक हाइब्रिड मैटेरियल्स एंड मेटल फोस्फोनेट एंड फोस्फेट केमिस्ट्री

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

संस्थान बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) और कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। इसमें अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और शोध सुविधाएं मौजूद

विभाग के साथ निम्नलिखित संकाय सदस्य जुड़े हैं :–

uke	‘kk/k {k=
वेंकट रमण बादरला *विभागाध्यक्ष*	वायरलेस नेटवर्क्स एंड क्लाउड कंप्यूटिंग
गौरव हरित	इमेज एंड विडियो एनालिसिस
चिरंजोय चट्टोपाध्याय	कंप्यूटर विजन
अरित्र बनिक	कम्प्यूटेशनल ज्योमेट्री
मानस खटुआ	वायरलेस नेटवर्क्स

गणित विज्ञान संस्थान, चेन्नई के प्रोफेसर वेंकेटेश रमन एक सम्बद्ध संकाय सदस्य के रूप में इस विभाग से जुड़े हैं।

विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग

यह विभाग बी.टेक. (विद्युतीय अभियांत्रिकी), एम.टेक. (विद्युतीय अभियांत्रिकी) और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। इसमें कुछ अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और शोध सुविधाएं मौजूद है।

विभाग के साथ निम्नलिखित संकाय सदस्य जुड़े हैं :–

uke	‘kk/k {k=
अनिल कुमार तिवारी *विभागाध्यक्ष*	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंगः इमेज प्रोसेसिंग, वीडियो प्रोसेसिंग एंड सिग्नल प्रोसेसिंग एप्लीकेशन इन बॉयो मेडिकल
अब्दुल गफूर शेख	प्रोटेक्शन ऑफ वेरियस कंपोनेंट्स ऑफ पॉवर सिस्टम, प्रोटेक्शन ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क विथ DG पेनीट्रेशन, पॉवर क्वालिटी असेस्मेंट एंड मिटिगेशन इन डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क्स विथ रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स पेनीट्रेशन
अरुण कुमार सिंह	कम्युनिकेशन थ्योरी, वायरलेस एंड मोबाइल कम्युनिकेशन्स, सेटलाइट बेस्ड नेविगेशन सिस्टम्स, स्प्रेड स्पेक्ट्रम सिस्टम्स
दीपककुमार एम. फुलवानी	कण्ट्रोल एंड स्टेट एस्टीमेशन ऑफ अनसर्टेन सिस्टम्स, पॉवर सिस्टम्स, कण्ट्रोल इश्यूज इन विंड एनर्जी कन्वर्शन सिस्टम
महेश कुमार	ग्रुप III-V क्वांटम स्ट्रक्चर्स बाय MBE, ग्रोथ ऑफ थिन फिल्म्स एंड नेनो स्ट्रक्चर्स, ग्रुप III–नाइट्राइड अलॉयज फॉर LEDs, HEMTs एंड फोटोवोल्टेक एप्लीकेशन्स, इनोर्गनिक–इनोर्गनिक हाइब्रिड स्ट्रक्चर्स विथ स्पेशल अटेंशन टू बैंड गैप इंजीनियरिंग, Si एंड वाइड बैंड गैप सेमीकंडक्टर्स फॉर डम्डै, माइक्रो एंड नेनो डिवाइस फेब्रिकेशंस
संदीप कुमार यादव	सिग्नल प्रोसेसिंग, कंडीशन मॉनीटरिंग, इमेज प्रोसेसिंग, डाटा कम्प्रेशन, ब्लाइंड सोर्स सेपरेशन, आर्टिफीशियल न्यूरल नेटवर्क

uke	‘kk/k {k=
श्रीप्रकाश तिवारी	माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स एंड वीएलएसआई टेक्नोलॉजी, माइक्रोफैब्रीकेशन, आर्गेनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, डिवाइस फिजिक्स एंड कैरेक्टराइजेशन, न्यू डिवाइस स्ट्रक्चर्स
राजलक्ष्मी चौहान	इमेज प्रोसेसिंग, नॉइज–एडिड इमेज प्रोसेसिंग यूजिंग स्टोकास्टिक रेजोनेंस, इमेज एनहांसमेंट, डिजिटल वाटरमार्किंग, इमेज क्वालिटी असेस्मेंट
महिमा अरावतिया	ऐन्टेना डिजाईन, माइक्रोवेव सर्किट्स एंड RFIC डिजाईन
सौमव मुखर्जी	माइक्रोवेव कम्युनिकेशन

टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, मुम्बई के वरिष्ठ प्रोफ़ेसर एवं जे. सी. बोस नेशनल फ़ैलो प्रोफेसर आर. के. श्याम सुंदर, इस विभाग से स्कॉलर–इन–रेजीडेंस के रूप में जुड़े हैं।

आईबीएम इंडिया, बंगलौर के सेमीकंडक्टर शोध एवं विकास केंद्र के मुख्य प्रौद्योगिकीविद कोटा वी. मुरली भी इस विभाग से एक सम्बद्ध संकाय सदस्य के रूप में जुड़े हैं।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग ऐसे स्थान से संचालन करता है जो अनुभवी और प्रयोगात्मक ज्ञान प्रणालियों के बीच एक संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करने का अवसर प्रदान करता है। युवा इंजीनियरों की शैक्षिक पाठ्यचर्या में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए हम स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल स्तरों पर कोर तथा इलेक्टिव दोनों पाठ्यक्रम प्रदान करते है। मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान की भावना के विशिष्ट उद्देश्य के लिए उपकरणों और कौशल प्रदान करने की योग्यता में सुविधा कारकों के रूप में कार्य करने वाले व्यक्तियों को संवेदी बनाना शामिल होता है, अतः, हम छात्रों के साथ अर्थपूर्ण संपर्क करते है तथा उन्हें प्रौद्योगिकी, समाज और मानवता के बीच समझ, अध्ययन और कार्य करने में सहायता करते है। यह कार्य एक ऐसे शैक्षिक संदर्भ में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है जहां भारत के सर्वोत्तम युवा इकट्ठे कार्य करते है।

ऐसे संकाय सदस्य जिन्होंने विविध विषय जैसे दर्शनशास्त्र, अर्थव्यवस्था, मनोविज्ञान और साहित्य आदि में विशेषज्ञता प्राप्त किया है, तथा बृहत पृष्ठभूमि वाले छात्रों के साथ यह विभाग एक सघन मंच प्रदान करता है जहां तकनीक और शिक्षा को मानव और सामाजिक समझ के साथ अनुपूरित किया जा सके।

विभाग के साथ निम्नलिखित संकाय सदस्य जुड़े हैं :–

uke	‘kk/k {k=
विद्या सर्वेश्वरन *विभागाध्यक्ष*	अंग्रेजी – लिटरेचर एंड एनवायरनमेंट (इकोक्रिटिसिज्म), फिल्म एंड लिटरेचर, लिटरेचर्स ऑफ द ग्लोबल साउथ, रीजनल लिटरेचर्स इन ट्रांसलेशंस, अमेरिकन लिटरेचर
अंकिता शर्मा	मनोविज्ञान – गेरोंटोलॉजी, क्लिनिकल एंड पॉजिटिव साइकोलॉजी
के. जे. जॉर्ज	दर्शनशास्त्र – एप्लाइड एथिक्स, एथिक्स ऑफ टेक्नोलॉजी, बायोएथिक्स
रीजो एम. जॉन	अर्थशास्त्र – हेल्थ इकोनॉमिक्स, हेल्थ पालिसी, एप्लाइड इकोनॉमेट्रिक्स, डेवलपमेंट स्टडीज
वी. हरि नारायणन्	दर्शनशास्त्र– कोगनिटिव स्टडीज, एवोल्युशनरी थ्योरी, एनालिटिक फिलोसोफी एंड माइंडफुलनेस
मयूराक्षी चौधरी	सामाजिक–सांस्कृतिक मानवविज्ञान – जेंडर स्टडीज, पोस्टकोलोनियल साउथ एशिया, इंटरनेशनल एंड ट्रांसनेशनल माइग्रेशन, क्वालिटेटिव रिसर्च

गणित विभाग

गणित के कई विषयों का मूल आधार होने के नाते यह एक ऐसा विषय है जो समय के साथ तैयार होता है और आज की चुनौतीपूर्ण समस्याओं को हल करने के लिए नई थ्योरी और मॉडल तैयार करता है। शुरूआत से ही यह विभाग ऐसी पद्धतियों और मॉडल तैयार करने में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है जिन्हें कंप्यूटर विज्ञान, अभियांत्रिकी और बेसिक विज्ञान के विविध क्षेत्रों में प्रयोग किया जा सके। विभाग में मैथेमेटिकल फ़िजिक्स, साइंटिफिक कंप्यूटेशन, न्यूमेरिकल एनालिसिस, डिफरेंशियल इक्वेशन्स, टोपोलोजिकल डायनामिक्स, लो–डाइमेंशनल केओस, डायनामिकल सिस्टम, रिनार्मलाइजेशन इन लो–डायमेंशनल डायनामिक्स, वेवलेट एनालिसिस, फ्रेक्शनल ट्रांसफोर्म थ्योरी, इमेज प्रोसेसिंग, वित्तीय जोखिम विश्लेषण और श्रेणी आंकड़ा विश्लेषण के क्षेत्रों में शोध रूचिपूर्ण संकाय है।

यह विभाग अवर स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के कार्यक्रम प्रदान करता है। यह प्रणाली विज्ञान में चार वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम, और गणित के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करता है। विभाग के साथ निम्नलिखित संकाय सदस्य जुड़े हैं :–

uke	‘kk/k {k=
किरणकुमार आर. हीरेमाठ *विभागाध्यक्ष*	थ्योरेटिकल, मैथमेटिकल एंड कम्प्यूटेशनल एस्पेक्ट्स ऑफ वेव–मेटर इंटरेक्शन
गौरव भटनागर	वेवलेट एनालिसिस, फ्रेक्शनल ट्रांसफोर्म थ्योरी, मल्टीमीडिया सिक्यूरिटी, इमेज प्रोसेसिंग, इनफार्मेशन फ़्यूजन
पुनीत शर्मा	टोपोलोजिकल डायनामिक्स, लो डाइमेन्शनल केओस
वी. वी. एम. शर्मा चंद्रमौली	स्मूथ डायनैमिकल सिस्टम्स, रिनोर्मलाइजेशन ऑफ यूनीमॉडल मैप्स एंड हेनान–लाइक मैप्स
विवेक विजय	फाइनेंसियल रिस्क एनालिसिस, केटेगरीकल डाटा एनालिसिस, रिग्रेशन

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

राष्ट्र तथा विश्व की चिंताओं जैसे कि सौर मिशन एवं मौसम परिवर्तन में योगदान देने की इच्छा यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में संचालित की जाने वाली शैक्षिक गतिविधियों का केंद्र है। यांत्रिक अभियांत्रिकी में रुचि के कई क्षेत्र (जैसे कि सौर ऊर्जा, ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी तथा स्वास्थ्य) छात्रों, कर्मचारी सदस्यों और संकाय सदस्यों को प्रेरित करते हैं।

यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी.टेक. कार्यक्रम संस्थान के आरंभ से ही वर्ष 2008 में शुरू हुआ। तब से तीन बैच स्नातक हो चुके है और अधिकांश पूर्व छात्र उद्योग जगत में सफल कैरियर प्राप्त कर रहे हैं। उनमें से कुछ को भारत, यूरोप और संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में उच्च अध्ययन के लिए चुना गया है। विगत 6 वर्षों के दौरान यांत्रिक अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शोध एवं विकास का संचालन करने के लिए भारत में कई उद्योगों और शोध प्रयोगशालाओं (जैसे कि थर्मेक्स, सनबोर्न, एरिवा, स्टेग, भेल, आईओसीएल, ओएनजीसी, बीएआरसी और एन.एफ.टी.डी.सी.) में विभिन्न सहयोगी परियोजनाएं आरंभ की गई हैं।

छात्रों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यांत्रिक अभियांत्रिकी में बृहत आधारित स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं जिनमें छात्रों को अंतर–विषयक और साथ–साथ यांत्रिक अभियांत्रिकी के उप–क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की संभावना होती है। विभाग में एक डॉक्टरल कार्यक्रम चल रहा है। वर्तमान में, दस पीएच.डी. छात्र यांत्रिक अभियांत्रिकी के थर्मल, डिजाइन और विनिर्माण विषयों में अध्ययन कर रहे है। शैक्षिक कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र को वैश्विक जगत में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए आवश्यक क्षमता का निर्माण करना है। साथ ही, छात्रों को पेटेंट योग्य नवाचार करने, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण संबंधी कार्य करने और उद्योग भागीदारों के साथ सक्रिय सहयोग करने जैसे व्यावसायिक कौशलों के प्रति भी जागरूक बनाया जा रहा है।

विभाग के साथ निम्नलिखित संकाय सदस्य जुड़े हैं :–

uke	‘kk/k {k=
बी. रवीन्द्र *विभागाध्यक्ष*	डिज़ाइन, डायनामिक्स, वाइब्रेशन एंड कंट्रोल
अक्षय प्रकाश	कंप्यूटेशनल फ़्लूइड डायनामिक्स
आनंद कृष्णन प्लापल्ली	वाटर, वाटर मैनेजमेंट एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ इंजीनियर्ड मैटेरियल्स
बरुण प्रतिहर	डायनामिक्स ऑफ मशींस एंड स्ट्रक्चर, फ़्लैक्सिबल रोबोट, एमईएमएस, रोटर डायनामिक्स, नॉन–लीनियर ऑसीलेशंस

uke	'kks/k {k=
कौशल कुमार ए. देसाई	मॉडलिंग ऑफ मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेसेज, सीएडी/सीएएम, सीएनसी मशीनिंग, एरर कंपनसेशन
लालटू चंद्रा	सोलर थर्मल सब–सिस्टम्स (ओपन वॉल्यूमैट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल एनर्जी स्टोरेज, एयर–वाटर हीट एक्सचेंजर), थर्मल हाइड्रोलिक्स, टर्बूलेंस सिमूलेशन (DNS/LES/HYBRID/RANS) एंड मॉडल डेवेलोपमेंट, कंप्यूटेशनल फ़्लूइड डायनामिक्स
प्रोद्युत आर चक्रवर्ती	हीट एंड मास ट्रांसफर, लेटेंट हीट बेस्ड स्टोरेज डिवाइस फॉर हाई टेम्परेचर एप्लीकेशंस, एलॉय सॉलिडीफ़िकेशन प्रोसेस, एक्टिव एंड पेसिव सोलर कूलिंग सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक कूलिंग
राहुल छिब्बर	वेल्डिंग एंड जॉइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग एंड मैटेरियल्स प्रोसेसिंग, मैकेनिकल बिहेवियर ऑफ मैटेरियल्स
सुरील वी. शाह	रोबोटिक्स, मल्टीबॉडी डायनामिक्स एंड कंट्रोल
श्रीराम जी. श्रीनिवासन	डेवेलपमेंट एंड एप्लीकेशन ऑफ रिएक्टिव फोर्स फील्ड्स (ReaxFF), डेंसिटी फंक्शनल थ्योरी (DFT), एंड टाइट बाइंडिंग (DFTB) मेथड्स फॉर स्टडिंग कोम्ब्युशन, सॉलिड–लिक्विड इंटरफेसेस, सरफेस केमिस्ट्री एंड कैटेलिस्ट्स
सुदिप्तो मुखोपाध्याय	एनर्जी टेक्नोलॉजी, कोंब्युशन टेक्नोलॉजी, कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स, टर्बुलेंट फ्लोस, स्प्रेस

भौतिकी विभाग

प्रयोग के साथ मूल भौतिकी में दृष्टिजन्य शोध भा.प्रौ.सं. जोधपुर में भौतिकी विभाग का मुख्य विषय है। संकाय सदस्य एस्ट्रोफिजिक्स, कंडेंस्ड मेटर फिजिक्स एवं मेटीरियल साइंस, पार्टिकल फिजिक्स, प्रयोगात्मक एवं सैद्धांतिक मात्रात्मक ऑप्टिक्स, मात्रात्मक सूचना और मात्रात्मक यांत्रिकी की नींव के क्षेत्रों में शोध करते है। विभाग में उपलब्ध शोध सुविधाओं में एसक्यूयूआईडी मैगनोमीटर, फिजिक्स प्रोपर्टी मेजरमेंट सिस्टम (पीपीएमएस), रमन स्पेक्ट्रोमीटर तथा स्केनिंग टनलिंग माइक्रो स्कोप (एसटीएम) शामिल है।

विभाग के साथ निम्नलिखित संकाय सदस्य जुड़े हैं :–

uke	‘kk/k {k=
 सुभाशीष बनर्जी *विभागाध्यक्ष*	ओपन क्वांटम सिस्टम्सय क्वांटम इनफार्मेशनय नॉन–एकुइलिब्रियम स्टैटिस्टिकल मैकेनिक्सय क्वांटम ऑप्टिक्स
 अम्बेश दीक्षित	सेमीकंडक्टर, मल्टीफ़ंक्शनल फेरोइक एंड मैटेरियल्स फॉर एनर्जी–फ़ेब्रीकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन, फोटोवोल्टिक मैटेरियल्स एंड डिवाइसेस एब इनीशियो डी.एफ़.टी. स्टडी एंड डिवाइस सिम्युलेशन
 आशुतोष कुमार आलोक	पार्टिकल फिजिक्स एंड कॉस्मोलोजी
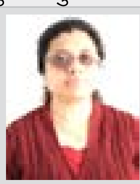 मोनिका सिन्हा	एस्ट्रोफ़िजिक्स, एस्ट्रोपार्टिकल फ़िजिक्स
 सत्यजीत साहू	इनफार्मेशन प्रोसेसिंग इन बायोलॉजिकल सिस्टम्स
 वी. नारायणन	ऑप्टिक्स एंड सोलर फील्ड डिजाईन, प्लास्मोनिक्स, लेजर प्रोड्यूस्ड प्लास्मास (LPP), पल्स्ड डीपोजिशन (PLD), प्लाज्मा डायग्नोस्टिक्स (इंटरफेरोमेट्री) एंड ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोमेट्री (OES), लेजर मेटर इंटरेक्शन एंड लेजर क्लस्टर इंटरेक्शन

uke	'kks/k {ks=
सोमनाथ घोष	लाइट इन डिस आर्डर्ड एंड काम्प्लेक्स सिस्टम्स, मिड–आईआर फोटोनिक्स एंड अन्कोन्वेंशनल डिवाइसेस

भा.प्रौ.सं. दिल्ली की थिन फिल्म लेबोरेटरी के सलाहकार प्रोफेसर के. एल. चोपड़ा, इस विभाग से स्कॉलर–इन–रेज़ीडेंस के रूप में जुड़े हैं।

केंद्रित समूह

tSfod :i ls çsfjr ç.kkyh foKku ¼ch-vkbZ-,l-,l-½

जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बी.आई.एस.एस.) जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली एवं प्रक्रिया द्वारा आदर्श, अनुकूल एवं सतत् प्रौद्योगिकीय हल तैयार करने के बृहत उद्देश्य के साथ आरंभ किया गया एक विषय है। संस्थान एक सृजनात्मक – उन्मुखी गुणवत्ता बहु–विषयक शिक्षा के प्रति एक परीक्षण–उन्मुखी एकल शिक्षा की आवश्यकता को मान्यता प्रदान करता है, जिससे जीव–विज्ञान और अभियांत्रिकी के बीच मौजूदा सीमाएं धूमिल होती है। जैविक रूप से प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बी.आई.एस.एस.) में बी.टेक. कार्यक्रम का संचालन जीव विज्ञान विभाग के सहयोग से इस केंद्रित समूह द्वारा किया जाता है।

ç.kkyh foKku ¼,l-,l-½

प्रणाली विज्ञान विषय एक समग्र प्रणाली वैचारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए अंतर–विषयक शिक्षा और शोध के संवर्धन तथा क्रियान्वयन हेतु 2011 में आरंभ किया गया था। इसका दृष्टिकोण छात्रों को इंजीनियर्ड प्रणाली, प्राकृतिक प्रणाली और वित्तीय प्रणालियों के विविध क्षेत्रों में प्रणाली विचारों की भावना के साथ प्रशिक्षित स्नातकों में परिवर्तित करना है। यह केंद्रित समूह गणित विभाग के सहयोग से प्रणाली विज्ञान (एस.एस.) में अवर स्नातक कार्यक्रम बी.टेक. का संचालन करता है।

कर्मचारी सदस्य

संस्थान के विभिन्न कार्यालयों एवं विभागों में निम्नलिखित कर्मचारी सदस्य कार्यरत हैं।

ç’kklfud vkj vdknfed depkjh lnL;

‘kf{kd dk;ky;

v’kkd dekj [k.MMh] उपकुलसचिव
xkjo fuxe] अधीक्षक
vHk; dekj voLFkh] कनिष्ठ सहायक
jf’e /;kuh] कनिष्ठ सहायक

y[kk ,o vkrfjd y[kk ijh{kk dk;ky;

euh”k dekj Hkkfe;k] सहायक कुलसचिव
vk’kh”k dNkokgk] अधीक्षक
uj’k pkgku, कनिष्ठ अधीक्षक
jkd’k dekj] कनिष्ठ सहायक
fc’othr çekf.kd] कनिष्ठ सहायक
liuk lk[kyk] कनिष्ठ सहायक

ç’kklfud dk;ky;

vejnhi ‘kek] उप कुलसचिव
lnhi flg pny] अधीक्षक
uhjt dekj] कनिष्ठ सहायक

ioNk= lc/k vkj Nk= Iy lekV dk;ky;

vejnhi ‘kek] उप कुलसचिव
xkjo fuxe] अधीक्षक
Xkq#çhr dkj ohjnh] सहायक

fun’kd dk;ky;

n’k dekj [kVokuh] सहायक
Vh- ek/koh yrk] आशुलिपिक (भा.प्रौ.सं. तिरुपति में प्रतिनियुक्ति पर)

LFkkiuk dk;ky;

vejnhi ‘kek] उप कुलसचिव
lnhi flg pny] अधीक्षक
‘kjn JhokLro] वरिष्ठ सहायक
vt; dekj flg] कनिष्ठ सहायक
ukjk;.k n/khp] कनिष्ठ सहायक

volajpuk vfHk;kf=dh dk;ky;

lthc e[kth] कार्यपालक अभियंता (सिविल)
fou; dekj] सहायक अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
pæ’k ikjhd] कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
/khjt mik/;k;] कनिष्ठ सहायक

volajpuk çc/ku dk;ky;

‘k’kkd pk/kjh] कनिष्ठ सहायक

iLrdky; dk;ky;

{kek çdk’k] उप पुस्तकालयाध्यक्ष

vfer dqekj lksuh] वरिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक
pUnzh NVokuh] वरिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक
deys'kdqekj tSu- iVsy] वरिष्ठ पुस्तकालय एवं सूचना सहायक

;kstuk dk;kZy;

vejnhi 'kek] उप कुलसचिव (योजना)
f=ykrek flag] कनिष्ठ सहायक

Hkrh dk;kZy;

lnhi ikjhd] कनिष्ठ अधीक्षक
vfpUrk e.My] कनिष्ठ सहायक

Nk= dk;kZy;

v'kksd dqekj [k.MsMh] उपकुलसचिव
xkSjo fuxe] अधीक्षक
/kuh jke pkS/kjh] आशुलिपिक
Lokfr dq'kokgk] कनिष्ठ सहायक
jkefuokl /k;ky] कनिष्ठ सहायक

HkkMkj ,oa Ø; dk;kZy;

'kjHk ç/kku] कनिष्ठ अधीक्षक
lqjs'k pUæ Qqykjk] कनिष्ठ सहायक

rduhdh deZpkjh lnL;

dEI;wVj foKku ,oa vfHk;kaf=dh foHkkx

fjiqa'k dfV;kj] तकनीकी अधीक्षक
/khjUæ dqekj ;kno] कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
fjrs'k dqekj eaxy] कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
iwue pan lk[kyk] कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
jke flag jkuk] टेक्नीशियन
fooasd oekZ] कनिष्ठ टेक्नीशियन

fo|qrh; vfHk;kaf=dh foHkkx

Hkkuçdk'k xkLokeh] कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
xtjkt 'kekZ] कनिष्ठ टेक्नीशियन
gejkt nk/khor] कनिष्ठ टेक्नीशियन
dSyk'k pnj] कनिष्ठ टेक्नीशियन

;kaf=d vfHk;kaf=dh foHkkx

iznh.k lqFkkj] कनिष्ठ टेक्नीशियन
HkkX; o/kZu] कनिष्ठ टेक्नीशियन
jkechj flag] कनिष्ठ टेक्नीशियन

tSofoKku ,oa tSovfHk;kaf=dh foHkkx

Hkkjr ikjhd] कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक
iwue] कनिष्ठ टेक्नीशियन

jlk;u 'kkL= foHkkx

x.kir pkS/kjh] कनिष्ठ टेक्नीशियन
'kHkke ik.Ms;] कनिष्ठ टेक्नीशियन

HkkSfrdh foHkkx

ujUæ dqekj flag] तकनीकी अधीक्षक

‘kf{kd

शैक्षिक कार्यक्रम

वर्तमान में संस्थान निम्नलिखित चार कार्यक्रम प्रदान करता है।

1. प्रौद्योगिकी स्नातक कार्यक्रम
    1. बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)
    2. बी.टेक. (विद्युतीय अभियांत्रिकी)
    3. बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)
2. विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम
    1. एम.एससी. (रसायन शास्त्र)
    2. एम.एससी. (गणित), तथा
    3. एम.एससी. (भौतिकी)
3. प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर कार्यक्रम
    1. एम.टेक. (विद्युतीय अभियांत्रिकी)
    2. एम.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)
4. डॉक्टर ऑफ फ़िलोसफी कार्यक्रम
    1. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    2. विद्युतीय अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    3. यांत्रिक अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    4. जीव–विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    5. रसायन शास्त्र में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    6. गणित में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    7. भौतिकी में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.
    8. मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ पीएच.डी.

‘kks/k çcU/k

इस वर्ष निम्न पीएच.डी. छात्रों ने सफ़लतापूर्वक अपने शोध प्रबंध की प्रतिरक्षा की।

Ø-l-	Nk= dk uke	'kks/k çcU/k dk 'kh"kZd	i;Zos{kd	foHkkx	çfrj{kk dh frfFk
1.	अभय सामंत	Reconfigurable Architecture for Cross Layer Design Optimization and its Applications	संदीप यादव और वेंकट रमण बादरला	विद्युतीय अभियांत्रिकी	25 अप्रैल 2016
2.	सुरेश सिंह	Mitigation of Negative Impedance Instabilities in DC/DC Converters and DC Microgrids using Nonlinear Control	दीपककुमार एम. फुलवानी	विद्युतीय अभियांत्रिकी	3 मई 2016
3.	बेलाल उसमानी	Development of Spectrally Selective Absorber Materials and Coatings for Photothermal Applications	अम्बेश दीक्षित	भौतिकी	6 मार्च 2017

शिक्षा जगत के साथ सहयोग

संस्थान ने विशिष्ट उद्देश्यों के लिए सहयोग को आगे बढ़ाने हेतु छः अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों, दो अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों, तीन राष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों तथा एक राष्ट्रीय एजेंसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौता ज्ञापन निम्न है।

(क) अंतर्राष्ट्रीय संस्थान और विश्वविद्यालय

1. यूनिवर्सिटी ऑफ वैस्टर्न ओंटारियो, कनाडा (9 अगस्त 2010)

शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान में सहयोग की संभावनाएं तलाशना तथा परिसरों में पारस्परिक वास्तविक उपस्थिति, प्रत्यक्ष संपर्क तथा संकाय सदस्यों, विभागों और शोध केन्द्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना।

2. यूनिवर्सिटाट् रोविरा आई वरजिली, तरागोना, स्पेन (29 अगस्त 2010)

पारस्परिक रूप से लाभप्रद शैक्षिक कार्यक्रमों का विकास, शिक्षण, शोध और प्रशिक्षण के प्रयोजन से शैक्षिक कर्मचारी मोबिलिटी का समन्वय, अध्ययन और अनुसंधान, शोध, प्रकाशन एवं सिंपोजिया जैसे संयुक्त शैक्षिक कार्यकलापों के लिए छात्र मोबिलिटी कार्यक्रम में सहयोग, पारस्परिक हित के क्षेत्रों में प्रलेखन तथा शोध सामग्री के आदान–प्रदान में कई कानूनी अड़चन न हो, और दोनों संस्थाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय मास्टर और डॉक्टोरल कार्यक्रम में सहयोग हेतु।

3. यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू, कनाड़ा (25 नवंबर 2010)

पारस्परिकता, पारस्परिक लाभ, नियमित संपर्क और स्नातक कार्यक्रमों में छात्रों के आदान–प्रदान के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय अनुभव को बढ़ाने और ज्ञान का विकास करने के सहयोगात्मक उपाय हेतु।

4. यूनिवर्सिटी ऑफ मानिटोबा, कनाड़ा (9 दिसंबर 2010)

छात्रों के ज्ञान तथा अंतर्राष्ट्रीय अनुभव की उन्नति के लिए अवसर प्रदान करने हेतु इंटर्नशिप और स्नातक अध्ययन के लिए परस्पर लाभकारी कार्यक्रम विकसित करने के लिए।

5. यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, मरसीड (26 अप्रैल 2011)

शैक्षिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देने वाले पारस्परिक लाभप्रद संबंध बनाना, शिक्षण, अनुसंधान और कार्यक्रम विकास के लिए प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों, स्नातक छात्रों तथा शोध कार्मिकों का आदान–प्रदान। इसके अलावा, परिचालन के लिए उपलब्ध प्रकाशनों, वैज्ञानिक सामग्री, अध्येता शोध–पत्रों और शोध जानकारी का आदान–प्रदान संबंधी संस्थाओं के लाइसेंसिंग करारों द्वारा यथाअनुमत्य पुस्तकालय सामग्री तक पहुंच प्रदान करने हेतु।

6. शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर, भारत (15 अगस्त 2011)

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में एक चुनी हुई साईट के लिए शहरी वन्य मॉडल के रूप में छाया बेल्ट रोपण का विकास हेतु।

7. विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, नारा, जापान (28 फ़रवरी 2012)

उन क्षेत्रों जिनमें प्रत्येक पक्ष को अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में वृद्धि करने की आवश्यकता है में शैक्षिक आदान–प्रदान का संवर्धन करना – शैक्षिक आदान–प्रदान में सहयोगी शोध का कार्यान्वयन, संयुक्त सिम्पोजिया, लैक्चर और शिक्षा तथा विद्वानों, शोधकर्ताओं और प्रशासनिक कर्मचारी के आदान–प्रदान, उन क्षेत्रों में सूचना का आदान–प्रदान जो दोनों पक्षों की रूचि की हो और दोनों पक्षों के हित के क्षेत्र में स्नातक छात्रों का आदान–प्रदान शामिल होगा।

¼[k½ vrjk”Vh; lLFkk;

1. दी कमिसरियेट आ ला एनर्जी एटोमीक एट ऑक्स एनर्जीज़ अल्टरनेटिव्ज़, फ्रांस (22 नवंबर 2010)

सौर ऊर्जा अनुसंधान में क्षेत्रों में सहयोग, जैसे संकेन्द्रित सौर ऊर्जा और संकेद्रित फोटोवोल्टिक, सौर ऊर्जा के उपयोग से जल उत्पादन; नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण तथा स्मार्ट प्रबंधन, सौर ऊर्जा का समेकन और भवन में ऊर्जा कार्यक्षमता हेतु।

2. भारत में फ्रांस का दूतावास (28 मार्च 2011)

छात्रों के लिए भविष्यलक्षी क्षेत्रों की तलाश करना और छात्रों की प्रभावशाली ढंग से फ्रेंच भाषा सीखने में सहायता करने हेतु।

(ग) राष्ट्रीय संस्थान और विश्वविद्यालय
1. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर विशेषज्ञता के क्षेत्रों में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में सहयोग हेतु।
2. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, जोधपुर विशेषज्ञता के क्षेत्रों में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में सहयोग हेतु।
3. सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा और आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर (12 जून 2013) ऐसे क्षेत्रों में शैक्षिक आदान–प्रदान का संवर्धन करना शामिल है जिनमें प्रत्येक पक्ष को अपने शैक्षिक एवं शैक्षिक कार्यक्रमों में वृद्धि करने की आवश्यकता है।

उद्योग जगत के साथ सहयोग

भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने अपने छात्रों के अधिगम अनुभव में वृद्धि करने और संकाय सदस्यों के लिए सहयोगी अवसर प्रदान करने के लिए उद्योग जगत के साथ सहयोग आरंभ किया है। इनमें शामिल हैं–

1. वैनगार्ड व्याख्यान; और
2. इंडस्ट्री इमरशन प्रोग्राम

oSuxkMZ O;k[;ku

वैनगार्ड व्याख्यान श्रृंखला मिश्रित बी.टेक. का एक अभिन्न हिस्सा है। इस कार्यक्रम से छात्रों को उद्योग और शिक्षा के विशेषज्ञों की प्रेरणादायक वार्ता को सुनने का अवसर मिलता है और विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी विकास और उभरती प्रवृत्तियों का समग्र दृष्टिकोण मिलता है।

वर्ष 2016–17 में, जुलाई 2016 से दो और वैनगार्ड व्याख्यान की श्रृंखलाऐं आयोजित की गयी हैं, नामतः

(1) श्रृंखला 5: जुलाई 2016, और

(2) श्रृंखला 4: जनवरी 2017

इन दो श्रृंखलाओं में शामिल वक्ताओं और शीर्षकों का विवरण निम्नलिखित हैं।

Ø-la-	oDrk rFkk fo"k;
	Js[kyk 5 % tqykbZ 2016
1.	एस. देवराजन सीनियर वाईस प्रेसिडेंट टीवीएस मोटर्स "Future of Manufacturing Technologies" 28 जुलाई 2016
2.	अरुण टी. रामचंदानी वाईस प्रेसिडेंट लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड, मुंबई "Defence Technologies and Products" 29 जुलाई 2016
3.	ए.के. जिंदल हेड इंजीनियरिंग कमर्शियल व्हीकल्स टाटा मोटर्स इंडिया "Automotive Technologies" 01 अगस्त 2016
4.	प्रकाश राव् मलाथकर एसोसिएट चीफ इंजीनियर महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड "Global Technological Advancement Trends of Automotive Passenger Car Powertrains" 05 अगस्त 2016

Ø-l-	oDrk rFkk fo"k;
5.	लिपिका डे प्रिंसिपल साइंटिस्ट टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज "Real Time Contextual Intelligence for Enterprises" 08 अगस्त 2016
6.	अशोक कुमार पांडा हेड, कोर टेक्नोलॉजी टाटा पॉवर कंपनी लिमिटेड "Overview of Challenges in Thermal Power & The Role of C&I in Power Industry" 09 अगस्त 2016
	श्रृंखला 6 जनवरी 2017
1.	शंकर अय्यर कंसल्टिंग मेम्बर ओरेकल इंडिया "Distributed Computing + Databases = Distributed Databases" 10 जनवरी 2017
2.	प्रोफेसर एन. रामकृष्णन प्रोफेसर भा.प्रौ.सं. गांधीनगर "Innovation, Design & Product Development" 20 जनवरी 2017
3.	प्रोफेसर सुबीर कुमार साहा प्रोफेसर एंड हेड, डिपार्टमेंट ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग भा.प्रौ.सं. दिल्ली "R2: Robotics to Rural" 1 फरवरी 2017

bMLVh bej'ku çkxke

जुलाई 2014 में, जब संस्थान ने बी.टेक. स्तर पर मिश्रित तकनीकी शिक्षा मॉडल लांच किया, तब इसका उद्देश्य छात्रों में प्रौद्योगिकी के प्रति जुनून पैदा करके भारतीय उद्योग की विकट प्रौद्योगिकी चुनौतियों का समाधान करना था। इस मॉडल का एक तत्व है कि कोर्स से पहले उद्योग के सफल उद्यमी क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी, उद्योग की जरूरत और अनुसंधान के अवसरों की बड़ी तस्वीर देने के लिए व्याख्यान देकर आधारशिला रखें। इस मॉडल को "वैनगार्ड व्याख्यान श्रृंखला" से रफ्तार मिली, और अब यह इस संस्थान के बी टेक कार्यक्रम के "मिश्रित तकनीकी शिक्षा मॉडल" की एक विशिष्ट विशेषता बन गया है। यह जनवरी–मार्च के दौरान हर साल "बड़ी प्रौद्योगिकी परियोजनाओं की प्रतियोगिता" आयोजित की जाती है। अब अधिकांश छात्र अपने बी टेक प्रोजेक्टों को बड़ी प्रौद्योगिकी परियोजनाओं में परिवर्तित होने में लाभ देख रहे हैं।

वर्तमान में, बी.टेक. स्तर पर इंडस्ट्री इमरशन प्रोग्राम में पाँच उद्योगों ने भागीदारी की है, जो कि निम्न हैं :

(1) महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, मुंबई;
(2) लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, मुंबई;
(3) टाटा मोटर्स लिमिटेड, मुंबई;
(4) टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड, चेन्नई; तथा
(5) टाटा पावर लिमिटेड, मुंबई।

‘kks/k

शोध एवं विकास परियोजनाएं

वर्तमान में संस्थान के संकाय सदस्य 53 प्रायोजित शोध परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। उनका विवरण इस प्रकार है :

क्र.सं.	परियोजना शीर्षक
	t ofoKku ,o t o vfHk;kf=dh foHkkx
1.	**Identification, assessment and characterization of E3 ubiquitin ligases implicated in the neurodegenerative diseases** जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार पीआई : अमित मिश्रा 74.5 लाख रूपए
2.	**Understanding the molecular function of MGRN1 in Chaperone Mediated Autophagy** जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार पीआई : अमित मिश्रा 41.19 लाख रूपए
3.	**How AMFR gene regulates cell division and cancer after stress exposure?** परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार पीआई : अमित मिश्रा 23.9 लाख रूपए
4.	**How LRASM1 gene regulates cellular protein quality control functions? Implications in neurodegeneration and ageing** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : अमित मिश्रा 23.10 लाख रूपए
5.	**Bioremediation of low level wastes including denitrification using microbial fuel cells** परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार, पीआई : मीनू छाबड़ाय सह–पीआईरू अतुल कुमार 23.73 लाख रूपए
6.	**Development of low cost Microbial Carbon capture (MCC) cells for algae cultivation and powers generation** जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार पीआई : मीनू छाबड़ा 172 लाख रूपए
7.	**Deposition of particulate matter in lungs** परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार पीआई : सुष्मिता झा 24.79 लाख रूपए
8.	**Role of the inflammasome associated proteins in glioma** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : सुष्मिता झा 22.30 लाख रूपए

9.	**Integrative Approach for Identification of Disease Genes of Type II Diabetes** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : सुष्मिता पॉल 26.76 लाख रूपए
jlk;u 'kkL= foHkkx	
10.	**Dual scale simulations of surfactant, co-surfactant water system** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : अनन्या देबनाथ 21.7 लाख रूपए
11.	**Chemical Dynamics Simulations of Complex Organic Reactions** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : मणिकंडन परंज्योति 18.7 लाख रूपए
12.	**Catalytic Upgrading of Bio-Oil to Transport Fuel** जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार पीआई : राकेश कुमार शर्मा 94.79 लाख रूपए
13.	**Development of electrochemical energy storage from carbon rich waste** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : रितु गुप्ता 37.17 लाख रूपए
dEI;Vj foKku ,oa vfHk;kaf=dh foHkkx	
14.	**Design of efficient algorirthms for multiple choice resource allocation problem** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : अरित्र बनिक 9.78 लाख रूपए
15.	**Development of Multimodal Search Framework For Architeetural Floor Plan** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : चिरन्जॉय चट्टोपाध्याय 24.5 लाख रूपए
16.	**Energy Efficient Technologies for Smart Buildings** भारत–अमेरिका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ)ए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : वेंकट रमण बादरला 1.3 करोड़ रूपए
fo|qrh; vfHk;kaf=dh foHkkx	
17.	**Enabling Technologies for Intelligent Wireless Sensor Network for Health and Environment Monitoring** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : अनिल कुमार तिवारी 75 लाख रूपए
18.	**Visveswaraya Ph.D. Scholarship scheme for Electronics & IT** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाइ), भारत सरकार पीआई : अनिल कुमार तिवारी 16.25 लाख रूपए
19.	**Computationally efficient fixed complexity sphere decodes for multiuser MIMO communications** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार पीआई : अरुण कुमार सिंह 22.82 लाख रूपए

20.	**Development of Programmable Emulator for Photovoltaic Plant to Facilitate Complex Testing Requirements** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : दीपक कुमार एम. फुलवानी 9.48 लाख रूपए
21.	**Development of Metal Doped TiO2 Low Dimension Structures by Sputtering for Gas Sensing Applications** परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार पीआई : महेश कुमार 17.46 लाख रूपए
22.	**Ion-Beam Synthesis and Characterization of Gallium Nitride Based Nanocrystals embedded in Si based Matrices for New-Generation Photodetector and Light-Emitter Applications** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : महेश कुमार 55.72 लाख रूपए
23.	**Development of mems based gas sensors using RF sputtered transition metal doped ZnO Nanostructures** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : महेश कुमार 24.17 लाख रूपए
24.	**Development of Tunable RF Filter Based on Ferroelectric Thin Film by Sputtering** भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी पीआई : महेश कुमार 5 लाख रूपए
25.	**Noise-enhanced Edge-preserving Image Denoising using Stochastic Resonance** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : राजलक्ष्मी चौहान 26.64 लाख रूपए
26.	**Algorithms for Blind Signal Detection and Demodulation** रक्षा विकास एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जोधपुर, भारत सरकार पीआई : संदीप कुमार यादव 55.24 लाख रूपए
27.	**Developing Dielectric Semiconductor Combinations and Processes for Flexible, Organic Electronics** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : श्रीप्रकाश तिवारी 12.84 लाख रूपए
28.	**Design of a sensor signal conditioning system(I) & multiprocessor Scheduling Algorithms using control theoretic Approach(II)** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (डीईआईटीवाइ), भारत सरकार पीआई : श्रीप्रकाश तिवारी 99.72 लाख रूपए
29.	**Encapsulation of Organic devices by atomic layer deposition(DRDO CAR Proposal)** रक्षा विकास एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जोधपुर, भारत सरकार पीआई : श्रीप्रकाश तिवारी 9.96 लाख रूपए
ekufodh ,o lkekf t d foKku foHkkx	
30.	**Wisdom as cognitive and motivational-emotional heuristics in ecologically rational decision making** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : अंकिता शर्मा 22.3 लाख रूपए

31.	**Where the Bougainvillea Blooms: Stories of Place from a Resilient Landscape** एमआरएआर शैक्षिक फाउंडेशन पीआई : विद्या सर्वेश्वरन 0.5 लाख रूपए
xf.kr foHkkx	
32.	**Multimedia security based on biometrics for copyright protection and authentication** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, डीएसटी, भारत सरकार पीआई : गौरव भटनागर 22 लाख रूपए
33.	**Automorphism Groups of Induced Symbolic Systems** नेशनल बोर्ड फॉर हायर मैथमेटिक्स (एनबीएचएम), परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार, पीआई : पुनीत शर्मा 3.32 लाख रूपए
;kf=d vfHk;kf=dh foHkkx	
34.	**Local Composite geotextile mats for soil and water conservation in western Rajasthan** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : आनंद कृष्णन प्लाप्पल्ली 21.5 लाख रूपए
35.	**Unnat Bharat Abhiyan** मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार पीआई : आनंद कृष्णन प्लाप्पल्ली 3.77 लाख रूपए
36.	**Bifurcation and Stability Assessment of a Highly Lightweight Rotor-Bearing System with Moving Platform** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार पीआई : बरुण प्रतिहर 21.8 लाख रूपए
37.	**Minimizing deflection induced surface errors in end milling of thin walled components** विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : कौशलकुमार ए. देसाई 15.3 लाख रूपए
38.	**Establishment of the Centre of Excellence in Solar Thermal Research and Education** नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार पीआई : लालटू चंद्रा 40 करोड़ रूपए
39.	**IOC-BHEL-IITJ CSP Plant** इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड पीआई : लालटू चंद्रा 60 लाख रूपए
40.	**Thermal Design of PCM Cool and Warm Vest** रक्षा विकास एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जोधपुर, भारत सरकार पीआई : प्रोद्युत रंजन चक्रवर्ती 9.96 लाख रूपए
41.	**Hybrid reactionless manipulation and visual serving of a satellite mounted robot for autonomous on orbit services** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : सुरील विजयकुमार शाह 35 लाख रूपए

42.	**Singularity free reactionless manipulation of a satellite mounted dual-arm robot for capture of tumbling orbiting object** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : सुरील विजयकुमार शाह 24.77 लाख रूपए
Hkkfrdh foHkkx	
43.	**Development of III-Nitrides thin film(s) for high frequency saw device applications** अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार पीआई : अम्बेश दीक्षित 22.62 लाख रूपए
44.	**Development of Ferroelectric and their composite with hexaferrites for microwave absorption applications** रक्षा विकास एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), जोधपुर, भारत सरकार पीआई : अम्बेश दीक्षित 9.55 लाख रूपए
45.	**Investigation of Magnetoelectric coupling in Cu1-xTMxO Multiferroic System** परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस), डीईए, भारत सरकार पीआई : अम्बेश दीक्षित 23.42 लाख रूपए
46.	**Development of plasmonic metal hybrid electrode system for II-VI quantum dot sensitized solar cells (QDSSCs) realization of carrier multiplication for better efficiency** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : अम्बेश दीक्षित 32.87 लाख रूपए
47.	**Design and development of high capacity and low cost Li2TMSio4(TM=transition metals) silicate materials for future rechargeable lithium ion battery** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : अम्बेश दीक्षित 23.88 लाख रूपए
48.	**Probing Magnetic Structures and Spin Flop transition in bulk and nanostructured FeVo4 Multiferroic System** यूजीसी–डीएई, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : अम्बेश दीक्षित
49.	**Devolopment of nanostructured Cu2ZnSn(S/Se)4 thin films and their electronic properties for next genration solar photovoltaic applications** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : अम्बेश दीक्षित 37.22 लाख रूपए
50.	**Hunting of New Physics Through b-> S Transitions** वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारत सरकार पीआई : आशुतोष के. आलोक सह–पीआई : सुभाशीष बनर्जी 11.92 लाख रूपए
51.	**Synchrony Based Evolution of Various Biological and Artificial Systems to Understand Complex Computational Aspects** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : सत्यजीत साहू 35 लाख रूपए
52.	**Application specialty optical fibres and towards 1D random lasers in disordered lattices** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : सोमनाथ घोष 35 लाख रूपए

53.	**Graph Theoretical Aspects in Quantum Information Processing** वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारत सरकार पीआई : सुभाशीष बनर्जी 9.92 लाख रूपए
54.	**A Study of quantum correlations : Squeezing and its various facets** वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), भारत सरकार पीआई : सुभाशीष बनर्जी 5.10 लाख रूपए
55.	**Probing the Foundations of Quantum Mechanics in Neutrino Oscillations** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार पीआई : सुभाशीष बनर्जी 10.08 लाख रूपए

पेटेंट और प्रकाशन

वित्तीय वर्ष 2016–17 में, हमारे संकाय सदस्यों ने 2 पेटेंट दायर किये, 89 शोध पत्र और लेख विद्वत पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किये हैं; उनके 20 कार्य सम्मेलन प्रस्तुतियों और सम्मेलन की कार्यवाही में शामिल किये गए हैं; तथा 12 प्रीप्रिंट 1 लेखक और और 4 पुस्तक–अध्यायों का योगदान दिया है।

विभाग	दायर किये गए पेटेंट	शोध पत्र	सम्मेलन लेख	प्रीप्रिंट	पुस्तक	पुस्तक–अध्याय	कुल
जीव विज्ञान		12				2	14
रसायन शास्त्र	2	15					17
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी		3	6	1			10
विद्युतीय अभियांत्रिकी		19	8		1		28
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान		4					4
गणित		3		2		1	6
यांत्रिक अभियांत्रिकी		15	3	1			19
भौतिकी		18	3	8			29
कुल	2	89	20	12	1	3	124

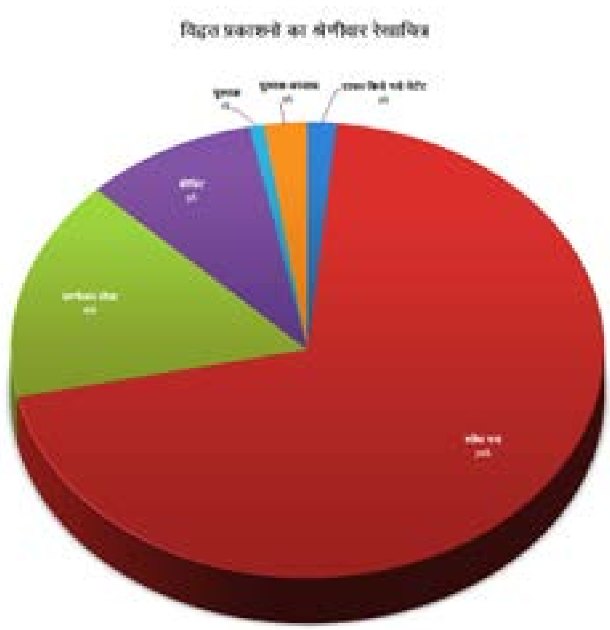

इन पेटेंट और प्रकाशनों की विभागवार सूची निम्नानुसार है :

	tlofoKku ,oa tho vfHk;kaf=dh foHkkx
'kks/k i=	
1.	Amanullah, A., Upadhyay, A., Chhangani, D., Joshi, V., Mishra, R., Yamanaka, K., & **Mishra, A.** (2016). *Proteasomal Dysfunction Induced by Diclofenac Engenders Apoptosis through Mitochondrial Pathway.* Journal of Cellular Biochemistry. ISSN: 1097-4644. http://doi.org/10.1002/jcb.25666
2.	Anand, B. G., Dubey, K., Shekhawat, D. S., & **Kar, K.** (2016). *Capsaicin-coated silver nanoparticles inhibit amyloid fibril formation of serum albumin. Biochemistry.* ISSN: 0006-2960. http://doi.org/10.1021/acs.biochem.6b00418
3.	Arora, N., Tripathi, S., Sao, R., Mondal, P., **Mishra, A. K.**, & Prasad, A. (2017). *Molecular Neuro-Pathomechanism of Neurocysticercosis: How Host Genetic Factors Influence Disease Susceptibility.* Molecular Neurobiology, 1–7. ISSN: 1559-1182. https://doi.org/10.1007/s12035-016-0373-6
4.	Harinipriya, S., Kalra, A., & **Mishra, A. K.** (2016). *Physiochemical Characterization of tubulin from Arachis hypogaea.* Synthetic Metals, 220, 86–94. ISSN: 0379-6779. http://doi.org/10.1016/j.synthmet.2016.04.021
5.	Hoop, C. L., Lin, H.-K., **Kar, K.**, Magyarfalvi, G., Lamley, J. M., Boatz, J. C., Mandal, A., Lewandowski, J. R., Wetzel, R. & Van der Wel, P. C. A. (2016). *Huntingtin exon 1 fibrils feature an interdigitated β-hairpin–based polyglutamine core.* Proceedings of the National Academy of Sciences, 113(6), 1546–1551. ISSN: 1091-6490. https://doi.org/10.1073/pnas.1521933113
6.	**Jha, S.,** Brickey, W. J., & Ting, J. P.-Y. (2017). *Inflammasomes in Myeloid Cells: Warriors Within.* Microbiology Spectrum, 5(1). ISSN: 2165-0497. https://doi.org/10.1128/microbiolspec.MCHD-0049-2016
7.	Joshi, V., Amanullah, A., Upadhyay, A., Mishra, R., Kumar, A., & **Mishra, A.** (2016). *A Decade of Boon or Burden: What Has the CHIP Ever Done for Cellular Protein Quality Control Mechanism Implicated in Neurodegeneration and Aging?* Frontiers in Molecular Neuroscience, 93. ISSN: 1662-5099. https://doi.org/10.3389/fnmol.2016.00093
8.	**Paul, S.,** Lakatos, P., Hartmann, A., Schneider-Stock, R., & Vera, J. (2017). *Identification of miRNA-mRNA Modules in Colorectal Cancer Using Rough Hypercuboid Based Supervised Clustering.* Scientific Reports, 7, 42809. ISSN: 2045-2322. https://doi.org/10.1038/srep42809
9.	Saxena, S., & **Jha, S.** (2017). *Role of NOD- like Receptors in Glioma Angiogenesis: Insights into future therapeutic interventions.* Cytokine & Growth Factor Reviews. ISSN: 1359-6101. https://doi.org/10.1016/j.cytogfr.2017.02.001
10.	Sharma, N., Suresh, S., **Debnath, A., & Jha, S.** (2017). *Trigonella seed extract ameliorates inflammation via regulation of the inflammasome adaptor protein, ASC.* Frontiers in Bioscience (Elite Edition), 9, 246–257. ISSN: 1945-0508. https://www.bioscience.org/2017/v9e/af/799/fulltext.htm
11.	Upadhyay, A., Amanullah, A., Mishra, R., Kumar, A., & **Mishra, A. K.** (2017). *Lanosterol Suppresses the Aggregation and Cytotoxicity of Misfolded Proteins Linked with Neurodegenerative Diseases.* Molecular Neurobiology, 1–14. ISSN: 1559-1182. https://doi.org/10.1007/s12035-016-0377-2
12.	Vyas, S., & **Chhabra, M.** (2017). Isolation, *identification and characterization of Cystobasidium oligophagum JRC1: A cellulase and lipase producing oleaginous yeast.* Bioresource Technology, 223, 250–258. ISSN: 0960-8524. https://doi.org/10.1016/j.biortech.2016.10.039
iqLrd&v/;k;	
1.	Maji, P., & Paul, S. (2016). Fundamentals of Rough-Fuzzy Clustering and Its Application in Bioinformatics. In Pattern Recognition and Big Data (Vols. 1–0, pp. 513–543). World Scientific. ISBN: 978-981-314-454-5. https://doi.org/10.1142/9789813144552_0015
2.	Upadhyay, A., Amanullah, A., Joshi, V., Mishra, R., & Mishra, A. K. (2016). Molecular and Cellular Insights: Neuroinflammation and Amyotrophic Lateral Sclerosis. In N. Jana, A. Basu, & P. N. Tandon (Eds.), Inflammation: the Common Link in Brain Pathologies (pp. 209–230). Springer Singapore. ISBN: 978-981-10-1711-7. http://link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-10-1711-7_8

jlk;u 'kkL= foHkkx

nk;j fd;s x;s iSVsV

1.	Title "Sub-zero Temperature process for production of high surface area, phase and dimensionally controlled nano-titania for solar cell and water treatment application thereof"	
	Inventors	Rakesh K. Sharma & Kiran Prakash Shejale
	Patent Application Number	201611022531
	Date	08 June 2016
2.	Title "Facet controlled preparation of metal hexagonal nano crystal/carbon materials catalyst and application thereof"	
	Inventors	Rakesh K. Sharma & Poonam Darshana Sharma
	Patent Application Number	201611022543
	Date	08 June 2016

'kks/k i=

1.	Gupta, N., Rao, K. D. M., **Gupta, R.,** Krebs, F. C., & Kulkarni, G. U. (2017). *Highly Conformal Ni Micromesh as a Current Collecting Front Electrode for Reduced Cost Si Solar Cell.* ACS Applied Materials & Interfaces, 9(10), 8634–8640. ISSN: 1944-8252. https://doi.org/10.1021/acsami.6b12588
2.	**Gupta, R.,** & Fisher, T. S. (2016). *Scalable Coating of Single Source Ni Hexadecanethiolate Precursor on 3D-Graphitic Petals for Asymmetric Supercapacitor. Energy Technology.* ISSN: 2194-4296. http://doi.org/10.1002/ente.201600475
3.	**Gupta, R.,** Kumar, A., Sadasivam, S., Walia, S., Kulkarni, G. U., Fisher, T. S., & Marconnet, A. M. (2017). *Microscopic Evaluation of Electrical and Thermal Conduction in Random Metal Wire Networks.* ACS Applied Materials & Interfaces. ISSN: 1944-8252. https://doi.org/10.1021/acsami.7b00342
4.	**Gupta, R.,** Rao, K. D. M., Kiruthika, S., & Kulkarni, G. U. (2016). *Visibly Transparent Heaters*. ACS Applied Materials & Interfaces, 8(20), 12559–12575. ISSN: 1944-8244. http://doi.org/10.1021/acsami.5b11026
5.	Laishram, D., Shejale, K. P., **Sharma, R. K., & Gupta,** R. (2016). *HfO2 nanodots incorporated in TiO2 and its hydrogenation for high performance dye sensitized solar cells.* RSC Advances, 6(82), 78768–78773. ISSN: 2046-2069. http://doi.org/10.1039/C6RA13776H
6.	Lunkad, R., Srivastava, A., & **Debnath, A.** (2017). *Influence of water concentrations on the phase transformation of a model surfactant/co-surfactant/water system.* Chemical Physics, 483–484, 103–111. https://doi.org/10.1016/j.chemphys.2016.11.014
7.	Pandey, S., Soni, V. K., Choudhary, G., Sharma, P. R., & **Sharma, R. K.** (2016). *Understanding Behaviour of Vitamin-C Guest Binding with the Cucurbit[6]uril host.* Supramolecular Chemistry, 29(5), 387-394. ISSN: 1061-0278. https://doi.org/10.1080/10610278.2016.1243791
8.	Ram, P., Gören, A., Ferdov, S., Silva, M. M., Singhal, R., Costa, C. M., **Sharma, R. K.** & Lanceros-Méndez, S. (2016). *Improved performance of rare earth doped LiMn2O4 cathodes for lithium-ion battery applications.* New Journal of Chemistry. ISSN: 1369-9261. http://doi.org/10.1039/C6NJ00198J

9.	RRam, P., Gören, A., Ferdov, S., Silva, M. M., Choudhary, G., Singhal, R., Costa, C. M., **Sharma, R. K.** & Lanceros-Méndez, S. (2017) (2017). *Synthesis and improved electrochemical performance of LiMn2 – xGdxO4 based cathodes.* Solid State Ionics, 300, 18–25. ISSN: 0167-2738. https://doi.org/10.1016/j.ssi.2016.11.026
10.	Sharma, P., & **Sharma, R. K.** (2016). *Asymmetric Hydrogenation of α-ketoesters on Pt(111) Surface.* New Journal of Chemistry. ISSN: 1369-9261. https://doi.org/10.1039/C6NJ02405Jb
11.	Sharma, P., & **Sharma, R. K.** (2017). *Platinum functionalized Chiral Polyamides: Efficient Heterogeneous Catalyst for Solvent Free Asymmetric Hydrogenation of Ethyl 2-oxo-4-phenylbutanoate.* ChemistrySelect, 2(1), 513–520. ISSN: 2365-6549. https://doi.org/10.1002/slct.201601538
12.	Shejale, K. P., Laishram, D., **Gupta, R., & Sharma, R. K.** (2016). *Zinc Oxide–Titania Heterojunction-based Solid Nanospheres as Photoanodes for Electron-Trapping in Dye-Sensitized Solar Cells.* Energy Technology. ISSN: 2194-4296. http://doi.org/10.1002/ente.201600357
13.	Singh, P., Adhikari, S., & **Kumar, A.** (2016.). *Usefulness of Multiqubit w-type States in Quantum Information Processing.* Journal of Experimental and Theoretical Physics, 150 (4), 666-676. http://www.jetp.ac.ru/cgi-bin/e/index/forthcoming/60557?a=list
14.	Soni, V. K., & **Sharma, R. K.** (2016). *Palladium-Nanoparticles-Intercalated Montmorillonite Clay: A Green Catalyst for the Solvent-Free Chemoselective Hydrogenation of Squalene.* ChemCatChem. http://doi.org/10.1002/cctc.201600210
15.	Walia, S., **Gupta, R.,** Rao, K. D. M., & Kulkarni, G. U. (2016). *Transparent Pd Wire Network-Based Areal Hydrogen Sensor with Inherent Joule Heater.* ACS Applied Materials & Interfaces, 8(35), 23419–23424.http://doi.org/10.1021/acsami.6b08275

dI;Vj foKku ,oa vfHk;kaf=dh foHkkx

‘kks/k i=

1.	Amayri, M., Arora, A., Ploix, S., Bandhyopadyay, S., Ngo, Q.-D., & **Badarla, V. R.** (2016). *Estimating Occupancy in Heterogeneous Sensor Environment.* Energy and Buildings, 129, 46–58. ISSN: 0378-7788. https://doi.org/10.1016/j.enbuild.2016.07.026
2.	Kalshetti, P., Bundele, M., Rahangdale, P., Jangra, D., **Chattopadhyay, C., Harit, G.,** & Elhence, A. (2017). *An interactive medical image segmentation framework using iterative refinement.* Computers in Biology and Medicine, 83, 22–33. ISSN: 0010-4825. https://doi.org/10.1016/j.compbiomed.2017.02.002
3.	Rathore, H., **Badarla, V. R.,** & Shit, S. (2016). *Consensus-Aware Sociopsychological Trust Model for Wireless Sensor Networks.* ACM Trans. Sen. Netw., 12(3), 21:1–21:27. ISSN: 1550-4867. http://doi.org/10.1145/2903721

lEesyu y[k

1.	Bandyapadhyay, S., & **Banik, A.** (2017). *Polynomial Time Algorithms for Bichromatic Problems.* In Algorithms and Discrete Applied Mathematics (pp. 12–23). Springer, Cham. ISBN: 978-3-319-53007-9. https://doi.org/10.1007/978-3-319-53007-9_2
2.	**Banik, A.,** Panolan, F., **Badarla, V. R.,** & Sahlot, V. (2016). *Fréchet Distance Between a Line and Avatar Point Set.* In A. Lal, S. Akshay, S. Saurabh, & S. Sen (Eds.), 36th IARCS Annual Conference on Foundations of Software Technology and Theoretical Computer Science (FSTTCS 2016) (Vol. 65, p. 32:1–32:14). Dagstuhl, Germany: Schloss Dagstuhl–Leibniz-Zentrum fuer Informatik. https://doi.org/http://dx.doi.org/10.4230/LIPIcs.FSTTCS.2016.32
3.	Dey, A. U., & **Harit, G.** (2016). *Generating Synthetic Handwriting Using N-gram Letter Glyphs.* In Ahuja, Narendra & Bora, Prabin K. (Eds.), Proceedings of the Tenth Indian Conference on Computer Vision, Graphics and Image Processing (p. 49:1–49:8). New York, USA: Association for Computing Machinery. ISBN: 978-1-4503-4753-2. https://doi.org/10.1145/3009977.3010042

4.	Jain, H., & **Harit, G.** (2016). *A Framework to Assess Sun Salutation Videos.* In In Ahuja, Narendra & Bora, Prabin K. (Eds.), Proceedings of the Tenth Indian Conference on Computer Vision, Graphics and Image Processing (p. 29:1–29:8). New York, USA: Association for Computing Machinery. ISBN: 978-1-4503-4753-2. https://doi.org/10.1145/3009977.3010045
5.	Sharma, D., **Chattopadhyay, C., & Harit, G.** (2016). *A unified framework for semantic matching of architectural floorplans.* In 2016 23rd International Conference on Pattern Recognition (ICPR) (pp. 2422–2427). ISBN: 978-1-5090-4847-2. https://doi.org/10.1109/ICPR.2016.7899999
6.	Sharma, K., & **Badarla, V.** (2016). FlowFurl: *A flow-level routing for faulty data center networks.* In 2016 IEEE International Conference on Advanced Networks and Telecommunications Systems (ANTS) (pp. 1–6). ISBN: 978-1-5090-2193-2. https://doi.org/10.1109/ANTS.2016.7947837

çhfçV

1.	Bansal, A., Roy, S. D., & **Harit, G.** (2016). *Extraction of Layout Entities and Sub-layout Query-based Retrieval of Document Images.* arXiv:1609.02687 [Cs]. http://arxiv.org/abs/1609.02687

fo|rh; vfHk;kf=dh foHkkx

‘kks/k i=

1.	Barala, S. S., Banerjee, N., & **Kumar, M.** (2016). *Effect of Gamma Ray Irradiation on Epitaxial Pb(Zr,Ti)O3 /SrRuO3 Tunable Varactor Devices.* Journal of Electronic Materials, 45(8), 4122–4128. ISSN: 0361-5235. http://doi.org/10.1007/s11664-016-4655-6
2.	Barala, S. S., Roul, B., Banerjee, N., & **Kumar, M.** (2016). *Modulation of Pb Chemical state of epitaxial lead zirconate titanate thin films under high energy irradiation.* Journal of Applied Physics, 120(11), 115305. ISSN: 1089-7550. https://doi.org/10.1063/1.4962860
3.	Bharti, D., & **Tiwari, S. P.** (2016). *Phase separation induced high mobility and electrical stability in organic field-effect transistors.* Synthetic Metals. 221, 186-191. ISSN: 0379-6779. http://doi.org/10.1016/j.synthmet.2016.09.002
4.	Bharti, D., Raghuwanshi, V., Varun, I., Mahato, A. K., & **Tiwari, S. P.** (2016). *High Performance and Electro-Mechanical Stability in Small Molecule: Polymer Blend Flexible Organic Field-Effect Transistors.* IEEE Electron Device Letters, PP(99), 1–1. http://doi.org/10.1109/LED.2016.2592943
5.	Dokania, V., Islam, A., Dixit, V., & **Tiwari, S. P.** (2016). *Analytical Modeling of Wrap-Gate Carbon Nanotube FET With Parasitic Capacitances and Density of States.* IEEE Transactions on Electron Devices, PP(99), 1–6. ISSN: 0018-9383. http://doi.org/10.1109/TED.2016.2581119
6.	Joshi, V., Soni, A., **Tiwari, S. P.,** & Shrivastava, M. (2016). *A Comprehensive Computational Modeling Approach and Device Design Guidelines for AlGaN/GaN HEMTs: Part I.* IEEE Transactions on Nanotechnology, 1–1. ISSN: 1941-0085. https://doi.org/10.1109/TNANO.2016.2615645
7.	Korolev, D. S., Mikhaylov, A. N., Belov, A. I., Konakov, A. A., Vasiliev, V. K., Nikolitchev, D. E., Surodin, S. I., Tetelbaum, D. I. & **Kumar, M.** (2017). *Composition and luminescence of Si and SiO2 layers co-implanted with Ga and N ions.* International Journal of Nanotechnology, 14(7–8), 637–645. ISSN: 1475-7435. https://doi.org/10.1504/IJNT.2017.083438
8.	Kumar, M., Bhati, V. S., Ranwa, S., Singh, J., & **Kumar, M.** (2017). *Pd/ZnO nanorods based sensor for highly selective detection of extremely low concentration hydrogen.* Scientific Reports, 7(1), 236. ISSN: 2045-2322. https://doi.org/10.1038/s41598-017-00362-x

9.	Lu, H. f, Elia, P., & **Singh, A. K.** (2016). *Performance-Complexity Analysis for MAC ML-Based Decoding With User Selection.* IEEE Transactions on Signal Processing, 64(7), 1867–1880. ISSN: 1053-587X. http://doi.org/10.1109/TSP.2015.2508788
10.	Mahela, O. P., & **Shaik, A. G.** (2016). *Power quality improvement in distribution network using DSTATCOM with battery energy storage system.* International Journal of Electrical Power & Energy Systems, 83, 229–240. http://doi.org/10.1016/j.ijepes.2016.04.011
11.	Mahela, O. P., & **Shaik, A. G.** (2017). *Comprehensive overview of grid interfaced solar photovoltaic systems.* Renewable and Sustainable Energy Reviews, 68, Part 1, 316–332. ISSN: 1364-0321. https://doi.org/10.1016/j.rser.2016.09.096
12.	Mahela, O. P., & **Shaik, A. G.** (2017). *Power quality recognition in distribution system with solar energy penetration using S-transform and Fuzzy C-means clustering.* Renewable Energy, 106, 37-51. ISSN: 1879-0682. https://doi.org/10.1016/j.renene.2016.12.098
13.	Meng, L., Shafiee, Q., Trecate, G. F., Karimi, H., **Fulwani, D. M.,** Lu, X., & Guerrero, J. M. (2017). *Review on Control of DC Microgrids.* IEEE Journal of Emerging and Selected Topics in Power Electronics, PP(99), 1–1. ISSN: 2168-6777. https://doi.org/10.1109/JESTPE.2017.2690219
14.	Raghuwanshi, V., Bharti, D., Varun, I., Mahato, A. K., & **Tiwari, S. P.** (2016). *Performance enhancement in mechanically stable flexible organic-field effect transistors with TIPS-pentacene:* polymer blend. Organic Electronics, 34, 284–288. ISSN: 1566-1199. http://doi.org/10.1016/j.orgel.2016.04.039
15.	Ranwa, S., Barala, S. S., Fanetti, M., & **Kumar, M.** (2016). *Effect of gamma irradiation on Schottky-contacted vertically aligned ZnO nanorod-based hydrogen sensor.* Nanotechnology, 27(34), 345502. ISSN: 1361-6528. http://doi.org/10.1088/0957-4484/27/34/345502
16.	Rathore, B., & **Shaik, A. G.** (2017). *Wavelet-alienation based transmission line protection scheme.* IET Generation, Transmission & Distribution, 11(4), 995–1003. ISSN: 1751-8695. https://doi.org/10.1049/iet-gtd.2016.1022
17.	Shetty, A., **Kumar, M.,** Roul, B., Vinoy, K. J., & Krupanidhi, S. B. (2016). *InN Quantum Dot Based Infra-Red Photodetectors.* Journal of Nanoscience and Nanotechnology, 16(1), 709–714. ISSN: 1533-4880. http://doi.org/10.1166/jnn.2016.10679
18.	Singh, S., Gautam, A. R., & **Fulwani, D. M.** (2017). *Constant power loads and their effects in DC distributed power systems: A review.* Renewable and Sustainable Energy Reviews, 72, 407–421. ISSN: 1364-0321. https://doi.org/10.1016/j.rser.2017.01.027
19.	Tripathi, S., Mohan, A., & **Yadav, S. K.** (2016). *A Compact UWB Koch Fractal Antenna for UWB Antenna Array Applications.* Wireless Personal Communications, 1–20. ISSN: 0929-6212. http://doi.org/10.1007/s11277-016-3613-1
lEeyu y[k	
1.	Bhandari, M., **Fulwani, D. M.,** & Gupta, R. (2017). *Event triggered control of two time scale system.* In 2017 Indian Control Conference (ICC) (pp. 309–314). ISBN: 978-1-5090-1795-9.https://doi.org/10.1109/INDIANCC.2017.7846493
2.	Bhandari, M., **Fulwani, D. M.,** & Gupta, R. (2017). *Event triggered control of singularly perturbec linear system based on its slow and fast model.* In 2017 IEEE International Conference on Industrial Technology (ICIT) (pp. 791–796). Toronto, ON, Canada. ISBN: 978-1-5090-5320-9. https://doi.org/10.1109/ICIT.2017.7915460
3.	Gautam, A. R., **Fulwani, D. M.** & Guerrero, J. (2016). *A comprehensive study and analysis of second order harmonic ripple in DC microgrid feeding single phase PWM inverter loads.* In IECON 2016 - 42nd Annual Conference of the IEEE Industrial Electronics Society (pp. 3648–3653). ISBN: 978-1-5090-3474-1. https://doi.org/10.1109/IECON.2016.7793830
4.	Mahela, O. P., & **Shaik, A. G.** (2016). *Recognition of power quality disturbances using S-transform and Fuzzy C-means clustering.* In 2016 International Conference on Cogeneration, Small Power Plants and District Energy (ICUE) (pp. 1–6). ISBN: 978-9-7482-5792-1. https://doi.org/10.1109/COGEN.2016.7728955

5.	Mahia, R. N., & **Fulwani, D. M.** (2017). *Selection of optimal set of driver nodes based on networked sensitivity in complex networked systems.* In 2017 Indian Control Conference (ICC) (pp. 332–337). ISBN: 978-1-5090-1795-9. https://doi.org/10.1109/INDIANCC.2017.7846497
6.	Rathore, N., & **Fulwani, D. M.** (2016). *Event triggered control scheme for power converters.* In IECON 2016 - 42nd Annual Conference of the IEEE Industrial Electronics Society (pp. 1342–1347). ISBN: 978-1-5090-3474-1. https://doi.org/10.1109/IECON.2016.7794129
7.	Singh, M., & **Shaik, A. G.** (2016). *Bearing fault diagnosis of a three phase induction motor using stockwell transform.* In 2016 IEEE Annual India Conference (INDICON) (pp. 1–6). ISBN: 978-1-5090-3646-2. https://doi.org/10.1109/INDICON.2016.7838972
8.	Sree, Y. M., Kumar, G. R., & **Shaik, A. G.** (2016). *Multi-terminal transmission line protection using wavelet based digital relay in the presence of wind energy source.* In 2016 International Conference on Electrical, Electronics, and Optimization Techniques (ICEEOT) (pp. 4124–4128). ISBN: 978-1-4673-9939-5. https://doi.org/10.1109/ICEEOT.2016.7755492
iLrd	
1.	**Fulwani, D. M.,** & Singh, S. (2017). *Mitigation of Negative Impedance Instabilities in DC Distribution Systems.* Singapore: Springer Singapore. ISBN: 978-981-10-2071-1. http://link.springer.com/10.1007/978-981-10-2071-1
	ekufodh ,oa lkekftd foKku foHkkx
'kks/k i=	
1.	**Narayanan, V. H.** (2016). *Voice in the Head: The Road Ahead.* Journal of Indian Council of Philosophical Research, 1–16.ISSN: 0970-7794. http://doi.org/10.1007/s40961-016-0057-7
2.	Owusu, D., Mamudu, H. M., **John, R. M.,** Ibrahim, A., Ouma, A. E. O., & Veeranki, S. P. (2016). *Never-Smoking Adolescents' Exposure to Secondhand Smoke in Africa.* American Journal of Preventive Medicine, 51(6), 983–998. ISSN: 0749-3797. https://doi.org/10.1016/j.amepre.2016.08.040
3.	Thimm, V., **Chaudhuri, M.,** & Mahler, S. J. (2017). *Enhancing Intersectional Analyses with Polyvocality: Making and Illustrating the Model.* Social Sciences, 6(2), 37. ISSN: 2076-0760. https://doi.org/10.3390/socsci6020037
4.	Veeranki, S. P., **John, R. M.,** Ibrahim, A., Pillendla, D., Thrasher, J. F., Owusu, D., Ouma, A. E. O., and Mamudu, H. M. (2016). *Age of smoking initiation among adolescents in Africa.* International Journal of Public Health, 1–10. ISSN: 1661-8564. http://doi.org/10.1007/s00038-016-0888-7
	xf.kr foHkkx
'kks/k i=	
1.	**Bhatnagar, G.** (2016). *Robust covert communication using high capacity watermarking.* Multimedia Tools and Applications, 1–25. ISSN: 1573-7721. https://doi.org/10.1007/s11042-016-3978-x
2.	Chakrawarty, P., & **Bhatnagar, G.** (2016). *Image thresholding based on local activity feature matrix.* Optik - International Journal for Light and Electron Optics, 127(20), 9037–9045. ISSN: 0030-4026. http://doi.org/10.1016/j.ijleo.2016.06.114
3.	Li, H., **Hiremath, K. R.,** Rieder, A., & Freude, W. (2017). *Adaptive wavelet collocation method for simulation of a 2D micro-ring resonator.* Optik - International Journal for Light and Electron Optics, 131, 655–670. ISSN: 0030-4026. https://doi.org/10.1016/j.ijleo.2016.11.154
iLrd&v/;k;	
1.	Singh, S. P., & **Bhatnagar, G.** (2017). *A Novel Chaos Based Robust Watermarking Framework.* In B. Raman, S. Kumar, P. P. Roy, & D. Sen (Eds.), Proceedings of International Conference on Computer Vision and Image Processing (pp. 439–447). Springer Singapore. ISBN: 978-981-10-2107-7. https://doi.org/10.1007/978-981-10-2107-7_40

çhfçV	
1.	**Sharma, P.** (2017). *Induced Dynamics of Non-Autonomous Discrete Dynamical Systems.* arXiv:1703.05897 [Math]. http://arxiv.org/abs/1703.05897
2.	**Sharma, P.,** & Raghav, M. (2017). *On Dynamics Generated by a Uniformly Convergent Sequence of Maps.* arXiv:1703.06640 [Math]. http://arxiv.org/abs/1703.06640

;kf=d vfHk;kf=dh foHkkx

'kks/k i=	
1.	Aggarwal, H. K., **Chhibber, R.,** Arora, N., & Mehta, R. (2017). *Experimental Analysis of Thermal Fatigue in Bimetallic Welds.* Materials Science Forum, 880, 124–127. ISSN: 1662-9752. https://doi.org/10.4028/www.scientific.net/MSF.880.124
2.	Bhandari, D., **Chhibber, R.,** Arora, N., & Mehta, R. (2016). *Investigation of TiO2–SiO2–CaO–CaF2 based electrode coatings on weld metal chemistry and mechanical behaviour of bimetallic welds.* Journal of Manufacturing Processes, 23, 61–74. ISSN: 1526-6125. http://doi.org/10.1016/j.jmapro.2016.05.013
3.	**Chakraborty, P. R.** (2017). *Enthalpy porosity model for melting and solidification of pure-substances with large difference in phase specific heats.* International Communications in Heat and Mass Transfer, 81,183-189. ISSN: 0735-1933. https://doi.org/10.1016/j.icheatmasstransfer.2016.12.023
4.	**Chakraborty, P. R., Hiremath, K. R.,** & Sharma, M. (2016, in press). *Evaluation of evaporation coefficient for micro-droplets exposed to low pressure: A semi-analytical approach.* Physics Letters A. ISSN: 0375-9601. https://doi.org/10.1016/j.physleta.2016.11.036
5.	Hafez, A. H. A., Mithun, P., Anurag, V. V., **Shah, S. V.,** & Krishna, K. M. (2017). *Reactionless visual servoing of a multi-arm space robot combined with other manipulation tasks.* Robotics and Autonomous Systems, 91, 1-10. ISSN: 0921-8890. https://doi.org/10.1016/j.robot.2016.12.010
6.	Harsha, C. S., Prasanth, C. S. R., & **Pratiher, B.** (2016). *Effect of Squeeze Film Damping and AC Actuation Voltage on Pull-in Phenomenon of Electrostatically Actuated Microswitch.* Procedia Engineering, 144, 891–899. ISSN: 1877-7058. http://doi.org/10.1016/j.proeng.2016.05.108
7.	Harsha, C. S., Prasanth, C. S., & **Pratiher, B.** (2016). *Prediction of pull-in phenomena and structural stability analysis of an electrostatically actuated microswitch.* Acta Mechanica, 1–18. ISSN: 1619-6937. http://doi.org/10.1007/s00707-016-1633-2
8.	James, F., **Shah, S. V.,** Singh, A. K., Krishna, K. M., & Misra, A. K. (2016). *Reactionless Maneuvering of a Space Robot in Precapture Phase.* Journal of Guidance, Control, and Dynamics, 0(0), 1–7. ISSN: 1533-3884. http://doi.org/10.2514/1.G001828
9.	Moges, T. M., **Desai, K. A.,** & Rao, P. V. M. (2016). *Improved Process Geometry Model with Cutter Runout and Elastic Recovery in Micro-end Milling.* Procedia Manufacturing, 5, 478–494. ISSN: 2351-9789. https://doi.org/10.1016/j.promfg.2016.08.040
10.	Phadatare, H. P., & **Pratiher, B.** (2016). *Nonlinear Frequencies and Unbalanced Response Analysis of High Speed Rotor-Bearing Systems.* Procedia Engineering, 144, 801–809. ISSN: 1877-7058. http://doi.org/10.1016/j.proeng.2016.05.089
11.	Rajpurohit, D. S. & **Chhibber, R.** (2016). *Design Optimization of Two Input Multimode Applicator for Efficient Microwave Heating.* International Journal of Advances in Microwave Technology, 1 (3). ISSN: 2456-4346. http://ijamt.com/abstract.php?article_id=1676
12.	Rao, S. S., **Chhibber, R.,** Arora, K. S., & Shome, M. (2017; In press). *Resistance spot welding of galvannealed high strength interstitial free steel.* Journal of Materials Processing Technology. ISSN: 0924-0136. https://doi.org/10.1016/j.jmatprotec.2017.03.027

13.	Saha, A. K., Kumar, R., Usmani, B., **Chandra, L., & Dixit, A.** (2016). *Development Of Nickel Modified Fe 3 O 4 Solar Selective Coatings for Solar Absorber Applications.* Advanced Materials Proceedings, 1(2), 140–145. ISSN: 2002-4428. https://doi.org/10.5185/amp.2016/205
14.	Saini, A., **Chhibber, R.,** & Chattopadhyay, A. (2016). *Effect of combined fatigue and hygrothermal loading on structural properties of E-glass/polymers.* Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part C: Journal of Mechanical Engineering Science. ISSN: 0954-4062. http://doi.org/10.1177/0954406216644268
15.	Sharma, B., **Chhibber, R.,** & Mehta, R. (2017). *Curing studies and mechanical properties of glass fiber reinforced composites based on silanized clay minerals.* Applied Clay Science, 138, 89–99. ISSN: 0169-1317. https://doi.org/10.1016/j.clay.2016.12.038
lEesyu ys[k	
1.	Agarwal, A., & **Prakash, A.** (2016). *Validation of LBM based on BGK on Poiseuille's Flow and Vortex Street in a Channel Flow.* In Fourth International Conference On Advances in Civil, Structural and Mechanical Engineering (pp. 14–18). USA: Institute of Research
2.	Salunkhe, D. H., Sharma, S., Topno, S. A., Darapaneni, C., Kankane, A., & **Shah, S. V.** (2016). *Design, trajectory generation and control of quadrotor research platform.* In 2016 International Conference on Robotics and Automation for Humanitarian Applications (RAHA) (pp. 1–7). ISBN: 978-1-5090-5203-5. https://doi.org/10.1109/RAHA.2016.7931876
3.	Teja, H., & **Shah, S. V.** (2016). *Learning inverse kinematic solutions of redundant manipulators using multiple internal models.* In 2016 6th IEEE International Conference on Biomedical Robotics and Biomechatronics (BioRob) (pp. 1371–1371). ISBN: 978-1-5090-3287-7. http://doi.org/10.1109/BIOROB.2016.7523824
çhfçV	
1.	Bhole, A., Turlapati, S. H., Rajashekhar, V. S., Dixit, J., **Shah, S. V.,** & Krishna,K. M. (2016). *Design of a Robust Stair Climbing Compliant Modular Robot to Tackle Overhang on Stairs.* arXiv:1607.03077 [Cs]. http://arxiv.org/abs/1607.03077
	Hkkfrdh foHkkx
'kks/k i=	
1.	Adhikari, B., **Banerjee, S.,** Adhikari, S., & **Kumar, A.** (2017). *Laplacian matrices of weighted digraphs represented as quantum states.* Quantum Information Processing, 16(3), 79. ISSN: 1573-1332. https://doi.org/10.1007/s11128-017-1530-1
2.	**Alok, A. K., Banerjee, S.,** & Uma Sankar, S. (2016). *Quantum correlations in terms of neutrino oscillation probabilities.* Nuclear Physics B, 909, 65–72. ISSN: 0550-3213. http://doi.org/10.1016/j.nuclphysb.2016.05.001
3.	**Banerjee, S., Alok, A. K.,** & Omkar, S. (2016). *Quantum Fisher and skew information for Unruh accelerated Dirac qubit.* The European Physical Journal C, 76(8). ISSN: 1434-6052. http://doi.org/10.1140/epjc/s10052-016-4290-7
4.	**Banerjee, S., Alok, A. K.,** Omkar, S., & Srikanth, R. (2017). *Characterization of Unruh channel in the context of open quantum systems.* Journal of High Energy Physics, 2017(2), 82. ISSN: 1029-8479. https://doi.org/10.1007/JHEP02(2017)082
5.	Dutta, S., Adhikari, B., **Banerjee, S.,** & Srikanth, R. (2016). *Bipartite separability and nonlocal quantum operations on graphs.* Physical Review A, 94(1), 12306. ISSN: 2469-9934. ttp://doi.org/10.1103/PhysRevA.94.012306
6.	Ghosh, S., **Sahu, S.,** Agrawal, L., Shiga, T., & Bandyopadhyay, A. (2017). *Inventing a co-axial atomic resolution patch clamp to study a single resonating protein complex and ultra-low power communication deep inside a living neuron cell.* Journal of Integrative Neuroscience, 1–31. ISSN: 0219-6352. https://doi.org/10.1142/S0219635216500321

7.	Gupta, G. K., & **Dixit, A.** (2017). *Effect of precursor and composition on the physical properties of the low-cost solution processed Cu2ZnSnS4 thin film for solar photovoltaic application.* Journal of Renewable and Sustainable Energy, 9(1), 013502-1- 013502-10. ISSN: 1941-7012. https://doi.org/10.1063/1.4974341
8.	Laha, A., & **Ghosh, S.** (2017). *Connected hidden singularities and toward successive state flipping in degenerate optical microcavities.* Journal of the Optical Society of America B, 34(2), 238–244. ISSN: 1520-8540. https://doi.org/10.1364/JOSAB.34.000238
9.	Laha, S. S., Abdelhamid, E., Arachchige, M. P., Kumar, A., & **Dixit, A.** (2017). *Ferroic ordering and charge-spin-lattice order coupling in Gd-doped Fe3O4 nanoparticles relaxor multiferroic system.* Journal of the American Ceramic Society, n/a-n/a. ISSN: 1551-2916. https://doi.org/10.1111/jace.14739
10.	Omkar, S., Srikanth, R., **Banerjee, S.,** & Shaji, A. (2016). *The two-qubit amplitude damping channel: Characterization using quantum stabilizer codes.* Annals of Physics, 373, 145–162. ISSN: 0003-4916. http://doi.org/10.1016/j.aop.2016.06.024
11.	Saini, L., Janu, Y., Patra, M. K., Jani, R. K., Gupta, G. K., **Dixit, A.,** & Vadera, S. R. (2016). *Dual Band Resonance in Tetragonal BaTiO3/NBR Composites for Microwave Absorption Applications.* Journal of the American Ceramic Society, n/a-n/a. ISSN: 1551-2916. http://doi.org/10.1111/jace.14284
12.	Saini, L., Patra, M. K., Jani, R. K., Gupta, G. K., **Dixit, A.,** & Vadera, S. R. (2017). *Tunable Twin Matching Frequency (fm1/fm2) Behavior of Ni1−xZnxFe2O4/NBR Composites over 2–12.4 GHz: A Strategic Material System for Stealth Applications.* Scientific Reports, 7, 44457. ISSN: 2045-2322. https://doi.org/10.1038/srep44457
13.	Sharma, V., Thapliyal, K., Pathak, A., & **Banerjee, S.** (2016). *A comparative study of protocols for secure quantum communication under noisy environment: single-qubit-based protocols versus entangled-state-based protocols.* Quantum Information Processing, 1–30. http://doi.org/10.1007/s11128-016-1396-7
14.	Tripathi, B., Tripathi, G., **Dixit, A.,** Saxena, N., Sharma, K. B., & Katiyar, R. S. (2016). *Study of Hydrogen Adsorption on GO/PS Based Flexible Nanocomposites at Room Temperature.* Advanced Science Letters, 22(11), 3768–3772. ISSN: 1936-6612. https://doi.org/10.1166/asl.2016.8056
15.	Usmani, B., & **Dixit, A.** (2016). *Impact of corrosion on microstructure and mechanical properties of ZrOx/ZrC-ZrN/Zr absorber–reflector tandem solar selective structures.* Solar Energy Materials and Solar Cells, 157, 733–741. ISSN: 0927-0248. http://doi.org/10.1016/j.solmat.2016.07.019
16.	Usmani, B., & **Dixit, A.** (2016). *Spectrally selective response of ZrOx/ZrC–ZrN/Zr absorber–reflector tandem structures on stainless steel and copper substrates for high temperature solar thermal applications.* Solar Energy, 134, 353–365. ISSN: 0038-092X. http://doi.org/10.1016/j.solener.2016.05.014
17.	Usmani, B., **Vijay, V., Chhibber, R., & Dixit, A.** (2016). *Investigation of ZrOx/ZrC–ZrN/Zr thin-film structural evolution and their degradation using X-ray diffraction and Raman spectrometry.* Applied Physics A, 122(11), 992. ISSN: 1432-0630. https://doi.org/10.1007/s00339-016-0523-8
18.	Vyas, G., Dagar, P., & **Sahu, S.** (2016). *A complementary switching mechanism for organic memory devices to regulate the conductance of binary states.* Applied Physics Letters, 108(23), 233301. ISSN: 1077-3118. http://doi.org/10.1063/1.4953197
lEeyu y[k	
1.	Gupta, G. K., & **Dixit, A.** (2016). *Room temperature electrical properties of solution derived p-type Cu2ZnSnS4 thin films.* In AIP Conference Proceedings (Vol. 1728, p. 20678). AIP Publishing. ISBN: 978-0-7354-1375-7. http://doi.org/10.1063/1.4946729

2.	Kumar, R., Kumar, R., & **Dixit, A.** (2016). *Thermal phase diagram of acetamide-benzoic acid and benzoic acid-phthalimide binary systems for solar thermal applications.* In AIP Conference Proceedings (Vol. 1728, p. 20687). AIP Publishing. ISSN: 978-0-7354-1375-7. http://doi.org/10.1063/1.4946738
3.	Kumar, R., Vyas, S., Kumar, R., & **Dixit, A.** (2016). *Charging studies of heat packs using parabolic dish solar energy concentrator for extreme conditions.* In V. Rajpaul & C. Richter (ed.), 21st SolarPACES International Conference (SolarPACES 2015) (Vol. 1734, p. 50027). American Institute of Physics, Cape Town, South Africa. ISBN: 978-0-7354-1386-3. http://doi.org/10.1063/1.4949125
çhfçV	
1.	**Alok, A. K.,** Bhattacharya, B., Kumar, D., Kumar, J., London, D., & Sankar, S. U. (2017). *New Physics in $b \to s\mu^+\mu^-$: Distinguishing Models through CP-Violating Effects.* arXiv:1703.09247 [Hep-Ph]. http://arxiv.org/abs/1703.09247
2.	**Alok, A. K.,** Kumar, D., Kumbhakar, S., & Sankar, S. U. (2016). *D* polarization as a probe to discriminate new physics in B --> D* tau nubar.* arXiv:1606.03164 [Hep-Ex, Physics:hep-Ph]. http://arxiv.org/abs/1606.03164
3.	**Banerjee, S.,** Kumar, N. P., Srikanth, R., Jagadish, V., & Petruccione, F. (2017). *Non-Markovian Dynamics of Discrete-Time Quantum Walks.* arXiv:1703.08004 [Quant-Ph]. http://arxiv.org/abs/1703.08004
4.	Dixit, K., **Alok, A. K., Banerjee, S.,** & Kumar, D. (2017). *Geometric phase and neutrino mass hierarchy problem.* arXiv:1703.09894 [Hep-Ph, Physics:quant-Ph]. http://arxiv.org/abs/1703.09894
5.	Dutta, S., Adhikari, B., & **Banerjee, S.** (2016). *Seidel switching for weighted multi-digraphs and its quantum perspective.* arXiv:1608.07830 [Math-Ph, Physics:quant-Ph]. http://arxiv.org/abs/1608.07830
6.	Goyal, R., Jha, R., Tiwari, B., **Dixit, A.,** & Awana, V. P. S. (2016). *Influence of Ni doping on critical parameters of PdTe superconductor.* arXiv:1605.04647 [Cond-Mat]. http://arxiv.org/abs/1605.04647
7.	Sedrakian, A., Huang, X.-G., **Sinha, M.,** & Clark, J. W. (2017). *From microphysics to dynamics of magnetars.* arXiv:1701.00895 [Astro-Ph, Physics:nucl-Th]. http://arxiv.org/abs/1701.00895
8.	Thapliyal, K., Pathak, A., & **Banerjee, S.** (2016). *Quantum cryptography over non-Markovian channels.* arXiv:1608.06071 [Quant-Ph].http://arxiv.org/abs/1608.06071

पुरस्कार एवं सम्मान

जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग

1. सहायक प्राध्यापक अमित कुमार मिश्रा ने जैविक विज्ञान के क्षेत्र में सीएसआईआर–सीडीआरआई औषधीय और प्रक्रिया रसायन विज्ञान प्रभाग की इंडियन सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्स एंड बायोलॉजिस्ट्स का वर्ष 2017 का "आईएससीबी यंग साइंटिस्ट अवार्ड" जीता है। पुरस्कार में 5000/– रुपये नकद, और एक उद्धरण जिसे 8–10 फरवरी 2017 के दौरान तमिलनाडु के एसआरएम विश्वविद्यालय के एक समारोह में प्रदान किया गया।

2. सुष्मिता झा के शोध को मई 2016 के सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर लाइफ साइंसेज के आवरण पर प्रकाशित किया गया।

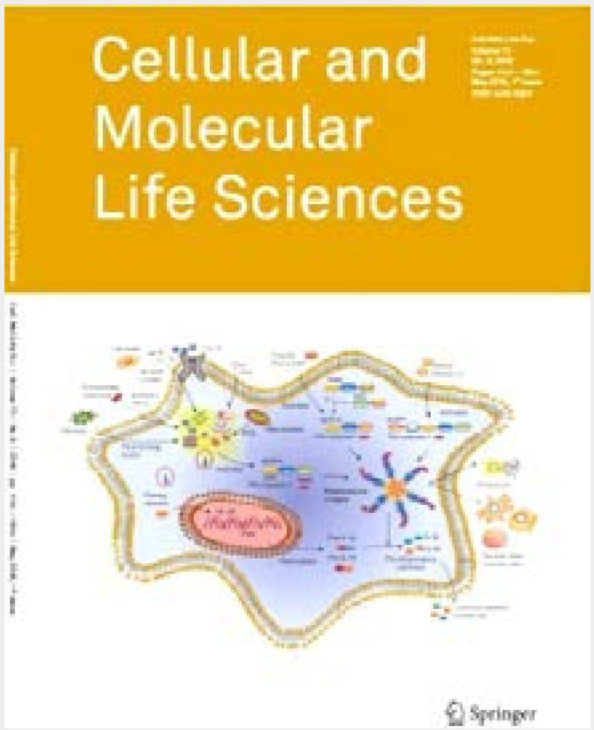

शोध पत्र "NLR-regulated pathways in cancer: opportunities and obstacles for therapeutic interventions", जीवविज्ञान विभाग की सहायक प्रोफेसर सुष्मिता झा, और विभाग की पीएच.डी. छात्रा निधि शर्मा द्वारा लिखा गया था, जो स्प्रिंगर वेरलाग द्वारा प्रकाशित सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर लाइफ साइंसेस के मई 2016 के अंक में प्रकाशित हुआ है "Summary of NLR inflammasome complex formation (Fig. 2)" को दर्शाते हुए पत्रिका के अंक पर आवरण कला के रूप में रखा गया है। एनएलआर (nucleotide-binding domain, समनबपदम.rich repeat containing receptors) अंतर्जात और बहिर्जात रोगजनक और क्षति सम्बद्ध मॉलिक्यूलर पैटर्न (क्रमशः PAMPs और DAMPs) के जवाब में प्रतिरक्षा और सूजन से संबंधित है जो कि पैटर्न रिकग्निशन रिसेप्टर्स हैं। Dysregulated NLR का कार्य कैंसर, चयापचय रोगों, ऑटोइम्यून विकार और ऑटोइंफ्लेमेटरी सिंड्रोम सहित कई रोगों से जुड़ा हुआ है। पिछले दशक में एनएलआर के लिए भिन्न सेल और अंग विशिष्ट भूमिकाओं को पहचान लिया गया है यथापि कैंसर की शुरुआत, विकास और प्रगति में उनकी भूमिका विवादित रही है। यह समीक्षा कैंसर में एनएलआर की उभरती भूमिका और उनके संभावित भविष्य में कैंसर चिकित्सा विज्ञान के लक्ष्य के रूप में सारांशित करती है। पूर्ण लेख को doi:10.1007/s00018-015-2123-8 में पढ़ा जा सकता है।

रसायनशास्त्र विभाग

1. राकेश कु. शर्मा के शोध को मई 2016 के कैमकैटकैम के आवरण पर प्रकाशित किया गया।

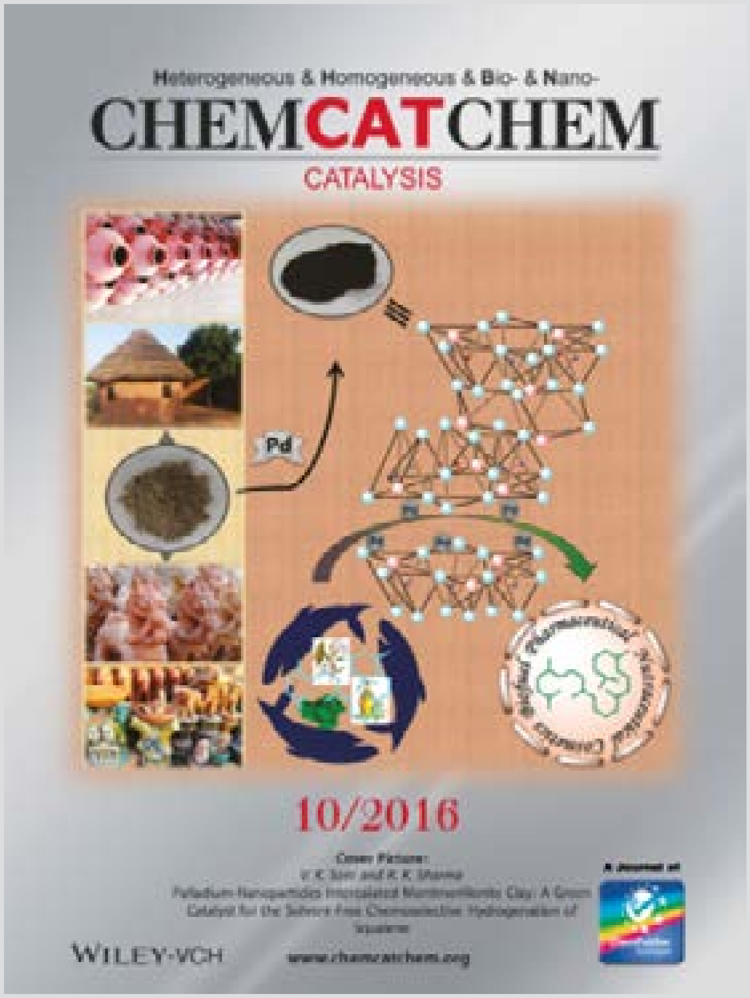

यह आवरण मिट्टी के पारंपरिक और वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के बीच इंटरफेस को दिखाता है। अपने सम्प्रेषण में, वी.के. सोनी और आर.के. शर्मा विलायक मुक्त परिस्थितियों के तहत स्क्वालेन में स्क्वॉलेन के चयनात्मक हाइड्रोजनीकरण के लिए नैनोमेटल अंतरण द्वारा एक विषम उत्प्रेरक के रूप में मिट्टी का स्मार्ट उपयोग दिखाते हैं। स्कुआलेन कॉस्मेटिक, न्यूट्रास्युटिकल, और दवा उद्योगों में एक महत्वपूर्ण घटक है। इसके अलावा, यह कच्चे तेल और माइक्रोएल्गी तेल के हाइड्रोक्रैकिंग के लिए एक मॉडल यौगिक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। इस प्रकार, हरित उत्प्रेरक की एक श्रृंखला तैयार की गई। एक हावी Pd(111) पहलू के साथ पीडी–नैनोकणों–अंतरित मिट्टी की उच्चतम प्रतिक्रिया और चयनात्मकता दर्शाती है। उत्प्रेरक बहुत कम च्क समंबीपदह के साथ स्थिर है, और किसी भी महत्वपूर्ण उत्प्रेरक गतिविधि को खोने के बिना पुनरू प्रयोज्य है। आठवें खंड के दसवें अंक (DOI:10.1002/cctc.201600210) में पेज 1763 पर वी.के. सोनी और आर.के. शर्मा के सम्प्रेषण के बारे में अधिक जानकारी मिल सकती है।

2\. बायोमास फीडस्टॉक्स से ईंधन और मूल्यवर्धित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्राकृतिक राजस्थानी मिट्टी (जोधपुर)

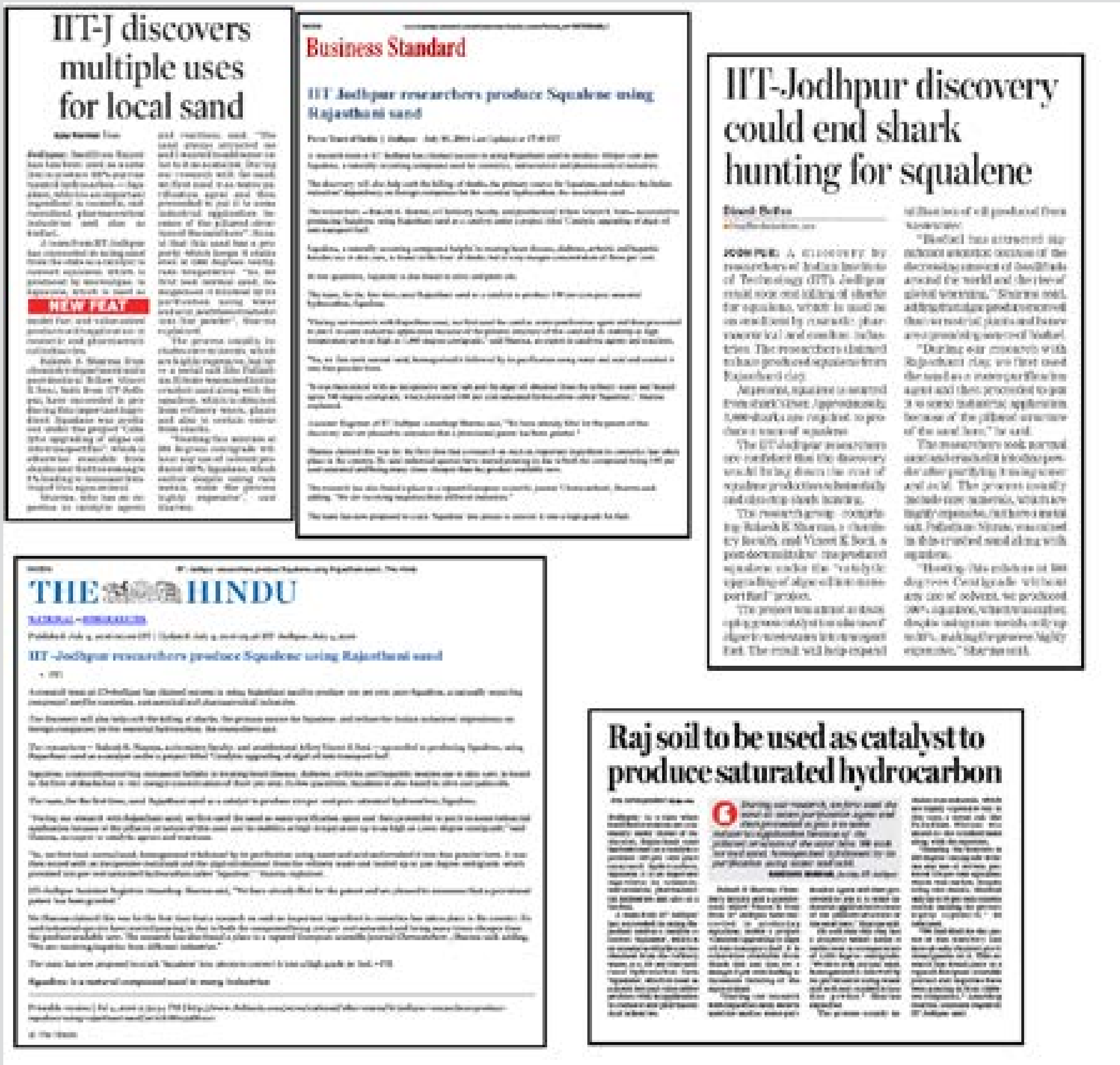
IIT-J discovers multiple uses for local sand

NEW FEAT

Business Standard

IIT Jodhpur researchers produce Squalene using Rajasthani sand

IIT-Jodhpur discovery could end shark hunting for squalene

THE HINDU

IIT-Jodhpur researchers produce Squalene using Rajasthani sand

Raj soil to be used as catalyst to produce saturated hydrocarbon

बायोमास उन्नयन के लिए कम लागत और हरित उत्प्रेरक प्रणालियों के विकास हेतु हाल ही में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष राकेश कु. शर्मा, और पोस्टडॉक्टोरल सदस्य विनीत कुमार सोनी ने विलायक मुक्त परिस्थितियों के तहत स्क्वालेन में स्क्वॉलेन के चयनात्मक हाइड्रोजनीकरण के लिए नैनोमेटल अंतरण द्वारा एक विषम उत्प्रेरक के रूप में मिट्टी का उपयोग किया। स्कुआलेन कॉस्मेटिक, न्यूट्रास्युटिकल, और दवा उद्योगों में एक महत्वपूर्ण घटक है। इसके अलावा, यह कच्चे तेल और माइक्रोएल्गी तेल के हाइड्रोक्रैकिंग के लिए एक मॉडल यौगिक के रूप में इस्तेमाल किया गया है। इस प्रकार, हरित उत्प्रेरक की एक श्रृंखला तैयार की गई। एक प्रभावी Pd(111) पहलू के साथ पीडी–नैनोकणों–अंतरित मिट्टी की उच्चतम प्रतिक्रिया और चयनात्मकता देती है। ये उत्प्रेरक, प्रस्तावित प्रतिक्रिया में स्थायी और पुनः प्रयोज्य होते हैं। यह समूह अब वनस्पति तेल, शैवाल तेल और संबंधित यौगिकों से ईंधन ग्रेड हाइड्रोकार्बन के उत्पादन के लिए नए मिट्टी आधारित उत्प्रेरक की खोज करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	
1.	श्री प्रकाश तिवारी, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग को सेवा में योगदान के लिए सम्मान स्वरुप इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (MIEEE) के वरिष्ठ सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया है।
2.	महेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग को सेवा में योगदान के लिए सम्मान स्वरुप इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (MIEEE) के वरिष्ठ सदस्य के रूप में पदोन्नत किया गया है।
3.	सहायक प्राध्यापक महेश कुमार को विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए बोर्ड ऑफ रिसर्च इन नुक्लेअर साइंसेज (बीआरएनएस), परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई), भारत सरकार ने 30 दिसंबर 2016 को केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 61वें सॉलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम द्वारा यंग अचीवर पुरस्कार से सुसज्जित किया गया है।
4.	भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान युवा (INYAS) ने सहायक प्राध्यापक महेश कुमार को अकादमी के कोर समिति सदस्य के रूप में चुना है। INYAS की स्थापना दिसंबर 2014 में भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी द्वारा की गई और मई 2015 में आईएनएसए परिषद द्वारा अपने 20 संस्थापक सदस्यों के चयन के साथ अस्तित्व में आई। वर्तमान में पूरे देश में युवा वैज्ञानिकों की आवाज बनने हेतु, INYAS के 52 सदस्य और 7 चुने हुए कोर समिति के सदस्य हैं।
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग	
1.	सहायक प्राध्यापक विद्या सर्वेश्वरन को लुशविग मैक्सिमिलियन यूनिवर्सिटी, म्यूनिख में रशेल कार्सन सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एंड सोसाइटी द्वारा 2016 रशेल कार्सन फैलोशिप से सम्मानित किया गया। यह अनुसंधान फैलोशिप डचेस म्यूजियम और जर्मनी सरकार द्वारा समर्थित है।
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	
1.	सहायक प्राध्यापक राहुल छिब्बर द्वारा 14–18 जुलाई के दौरान कुआलालंपुर में आयोजित चौथे एशिया कांफ्रेंस ऑन मैकेनिकल एंड मटेरियल्स इंजीनियरिंग (एसीएमएमई 2016) में दी गयी प्रस्तुति को उत्कृष्ट मौखिक प्रस्तुति प्रमाण पत्र के साथ सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुतियों में से एक के रूप में चुना गया।

बाह्य गतिविधियां

वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान भा.प्रौ.सं. जोधपुर में संकाय सदस्यों द्वारा निम्नलिखित बाह्य गतिविधियां शुरू की गयी हैं।

voj Lukrd ‘kk/k igy

छात्रों के बीच अनुसंधान और नवोन्मेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने 2011 में अवर स्नातक शोध पहल (UGRI) कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम को हर ग्रीष्मकाल में आयोजित किया जाता है। यह प्रतिभागी छात्रों को अपने व्यावसायिक ज्ञान और कौशल के सुधार में मदद करता है। देश भर के छात्रों को अवर स्नातक शोध पहल कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। 23 छात्रों ने अवर स्नातक शोध पहल कार्यक्रम 2015 में भाग लिया। छात्रों को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों और उनके द्वारा प्रस्तुत शोध प्रस्ताव की गुणता जैसे विश्लेषणात्मकता या प्रयोगात्मकता के आधार पर चयन किया गया। यह 16 मई 2016 को शुरू हुआ और 15 जुलाई 2016 को समाप्त हुआ। चयनित छात्रों को भा.प्रौ.सं. जोधपुर में छात्रों के छात्रावास में आवास प्रदान किया गया। इस अवधि के दौरान भाग लेने वाले छात्रों को उनके बुनियादी खर्चे पूरा करने के लिए अंशीय वित्तीय सहायता प्रदान की थी। इस 10 सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर के संकाय सदस्यों की प्रतिपालकता में अपनी परियोजनाओं पर काम किया।

यूजीआरआई 2016 के प्रतिभागियों के साथ यूजीआरआई 2016 प्रभारी संकाय सदस्य बरुण प्रतिहर

bZ’kku fodkl dk;Øe

ईशान विकास नाम का विशेष कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक व्यापक योजना के अंतर्गत एक पहल है। इसमें पूर्वोतर राज्यों के चयनित स्कूली छात्र– छात्राओं को उनके अवकाश की अवधि में उनके युवा मन के विस्तार और भविष्य के जिन मार्गों को वे पार करना चाहते हैं उसको एक व्यापक दृष्टिकोण देना है। इनको भारतीय प्रधौगिकी संस्थानों और भारतीय विज्ञान शिक्षा एंव अनुसंधान संस्थानों के साथ निकट संपर्क में लाया जाता है। जिससे उन्हें एक व्यापक परिप्रेक्ष्य मिले और वे समझें कि वे स्वयं अपने भविष्य को आकार देने में कैसे और अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। इसके साथ ही शैक्षणिक गतिविधि के अंतर्गत पूर्वोतर राज्यों के इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न संस्थानों में इंटर्नशिप के लिए प्रोत्साहित करना भी है।

इस वर्ष से भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने सरकार के इस मिशन में भाग लिया और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरे मन से समर्थन दिया। संस्थान में इस साल दो बार गर्मियों और सर्दियों के दौरान यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

4–6 जुलाई 2016 के दौरान 40 विद्यालय छात्रों के साथ 7 शिक्षकों ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर का दौरा किया। इन स्कूली विधार्थियों के लिए एक कार्यक्रम संबंधित विभाग के संकाय सदस्यों की देखरेख और मार्गदर्शन में तैयार किया गया।

ईशान विकास कार्यक्रम के प्रतिभागी

oRrkr

राष्ट्रीय उत्सवों का आयोजन तथा राष्ट्रीय महत्व के दिवसों का अनुपालन

f}rh; varjk"Vh; ;kx fnol

द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून 2016 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर के आवासीय परिसर जीपीआरए में मनाया गया। संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्वास्थ्य सेवा समिति अध्यक्ष ने कार्यक्रम शुरू किया

योग करते हुए भा.प्रौ.सं. जोधपुर के संकाय और कर्मचारी सदस्य

प्रतिभागियों को प्रदर्शित करते योग प्रशिक्षक

भा.प्रौ.सं. जोधपुर जीपीआरए आवासीय परिसर के पोर्टा केबिन में प्रतिभागी और प्रशिक्षक

70oka Lora=rk fnol lekjksg

15 अगस्त 2016 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय के सदस्यों द्वारा अस्थाई शैक्षणिक परिसर में देश का 70 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण तथा उपस्थित सदस्यों द्वारा राष्ट्रगान गाने के बाद छात्रों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम संगम (छात्रों के संगीत बैंड) द्वारा संगीत प्रदर्शन और नुक्कड़ नाटक (छात्रों का नाटक समूह) प्रस्तुत किया।

15 अगस्त 2016 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर छात्र जिमखाना के म्यूजिक बैंड "संगम" द्वारा संगीत कार्यक्रम

15 अगस्त 2016 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

15 अगस्त 2016 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

15 अगस्त 2016 को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेते दर्शक

Hkk-çkS-l- tks/kiqj dh LFkk;h ifjlj esa o`{kkjksi.k

15 अगस्त 2016 को 70वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर करवड़ में भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्थायी परिसर में वृक्षारोपण किया गया। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर में वर्तमान न्यायाधीश माननीय न्यायाधीश संदीप मेहता की उपस्थिति में भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय के सदस्यों और राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता एमएस सिंघवी के नेतृत्व में जोधपुर वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण समिति, द्वारा संयुक्त रूप से कई नीम के पौधे लगाए गए।

15 अगस्त 2016 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्थायी परिसर में वृक्षारोपण

"मरु धरा में हरियाली लाने की ओर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के शिशु कदम", आज़ादी के 70वे शुभ पर्व पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्थाई परिसर में सघन वृक्षारोपण, 15 अगस्त 2016

Hkk-çkS-l- tks/kiqj esa Lora=rk i[kokM+k lekjksg

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत सरकार ने 14 दिन का समारोह घोषित किया। भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने इस अवसर पर सकारात्मक पहल की है और इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस समारोह के दौरान छात्र जिमखाना द्वारा आयोजित गतिविधियों में से एक स्केचिंग प्रतियोगिता था। संस्थान ने प्रतियोगिता में बहुत रुचि दिखाई और सक्रिय रूप से इसमें भाग लिया। छात्रों को सकारात्मक पहलुओं और देश की महान उपलब्धियों के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'अतुल्य भारत' विषय को प्रतियोगिता के लिए चुना गया था। यह 'भारत का भविष्य' में देशभक्ति की भावना और गर्व पैदा करता है। छात्रों द्वारा अभिदत्त कुछ रेखाचित्रों को निम्न प्रदर्शित किया गया है।,

14–18 अगस्त 2016 के दौरान छात्र जिमखाना की तकनीकी सोसायटी द्वारा आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में 70 वें स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए रूबे गोल्डबर्ग मशीन का उपयोग करने का कार्य था। परियोजनाओं का मूल्यांकन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रोफेसरों राजलक्ष्मी चौहान और महिमा अरावतिया द्वारा किया गया था। निम्नलिखित चित्रों में रूबे गोल्डबर्ग मशीन के उपयोग को दर्शाया गया हैं।

jk"Vªh; [ksy fnol

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में जीपीआरए आवासीय परिसर में 29 अगस्त 2016 को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। उत्सव के कुछ चित्र निम्न हैं

खोखो के खेल का आनंद लेते छात्र

खेल दिवस की शुभकामनाएं!!

Hkk-çkS-l- tks/kiqj esa f’k{kd fnol lekjksg

भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने शिक्षक दिवस पर डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में शिक्षक के महत्व को स्वीकार करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

समन्वयक (शैक्षिणक) ने कार्यक्रम का शुभारम्भ निदेशक महोदय, संकाय सदस्यों और छात्रों के अभिनन्दन के साथ किया। प्रोफेसर प्रभारी (संकाय) प्रोफेसर प्रवल सिन्हा ने अतिथि वक्ता प्रोफेसर अमित रे का परिचय दिया, जिन्होंने 1978–2008 तक भा.प्रौ.सं. कानपुर में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्य किया और वर्तमान में शिव नाडर विश्वविद्यालय के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग से जुड़े हुए हैं। प्रोफेसर रे ने 'शैक्षणिक यात्रा में मील के पत्थर और साइनपोस्ट्स' पर सभा को संबोधित किया और अपने शानदार कैरियर से कुछ मूल्यवान अनुभव साझा किए। इसके बाद विभाग के प्रमुखों द्वारा मेधावी छात्रों को शैक्षणिक विशिष्टताओं के प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर एक महान शिक्षक के प्रति सम्मान के भाव से प्रोफेसर रे का सम्मान किया गया। कार्यक्रम समन्वयक (छात्र) द्वारा आभार प्रकट करते हुए समाप्त हुआ।

प्रोफेसर अमित रे भा.प्रौ.सं. जोधपुर समुदाय को संबोधित करते हुए

अकादमिक विशिष्टता के प्रमाणपत्र प्रस्तुत करते हुए

अकादमिक विशिष्टता के प्रमाणपत्र प्रस्तुत करते हुए

प्रोफेसर अमित रे का अभिनन्दन

हिंदी पखवाड़ा

हिंदी भाषा में जागरूकता फैलाने और हिंदी भाषा में आधिकारिक संचार प्रक्रिया में तेजी लाने के एक उद्देश्य से प्रतिवर्ष सितम्बर के दौरान एक पक्ष हिंदी पखवाड़ा के रूप में समर्पित किया है। 14 सितंबर को इस पखवाड़े की शुरुआत में हिंदी दिवस मनाया गया। केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है।

वित्त वर्ष 2016–17 में भा.प्रौ.सं. जोधपुर में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन 14–28 सितंबर 2016 को किया गया था, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे वादविवाद, कविता पाठ, प्रश्नोत्तरी और पत्र लेखन का आयोजन किया गया। भा.प्रौ.सं. जोधपुर के कर्मचारी सदस्यों ने उत्साह से इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। 28 सितंबर 2016 को समापन समारोह के दौरान विजेताओं को पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

हिंदी पखवाडा के दौरान वाद विवाद प्रतियोगिता

निदेशक प्रोफेसर सी. वी. आर. मूर्ति और हिंदी अधिकारी पुनीत शर्मा से प्रशंसा पत्र प्राप्त करते हुए विजेता

68वां गणतंत्र दिवस समारोह

68वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2017 को भा.प्रौ.सं. जोधपुर के सदस्यों द्वारा करवड़ गांव में स्थित स्थायी परिसर के परियोजना कार्यालय भवन में मनाया गया। निदेशक महोदय ने ध्वजारोहण किया और सभी उपस्थित जनो द्वारा पूर्ण देश प्रेम के साथ राष्ट्रगान प्रस्तुत हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों के संगीत बैंड, "संगम" द्वारा एक संगीत प्रदर्शन और छात्रों के नाटक समूह, "नुक्कड़" द्वारा नाटक प्रस्तुत किया गया। फिर भा.प्रौ.सं. जोधपुर छात्र जिमखाना के महासचिव ने आभार प्रकट किया। भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्थायी परिसर में पूरे होने वाले भवनों की यात्रा के लिए व्यवस्था भी की गई। इस कार्यक्रम के पश्चात् दोपहर के भोजन का आयोजन किया गया।

इससे पहले प्रातः काल में तीन अन्य अस्थाई परिसरों शैक्षणिक परिसर, जीपीआरए और बीएसएनएल आवासीय परिसर में ध्वजारोहण किया गया।

68वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते छात्र

संस्थान के वृत्तांत

lLFkku fnol

संस्थान प्रतिवर्ष बीटेक और एमटेक के निर्गामी छात्रों के साथ अब तक के हमारे सम्बन्धों को चिन्हित करने के लिए संस्थान दिवस का आयोजन करता है। इस वर्ष 16 अप्रैल 2016 को, एक छोटा सा समारोह आयोजित किया गया, जिसके पश्चात् रात्रिभोज का भी प्रबंध था। यह क्षण संस्थान के छात्रों के साथ ही संकाय और कर्मचारी सदस्यों के लिये उदासी का था।

बीटेक के निर्गामी छात्र दल

एमटेक के निर्गामी के छात्र दल

निर्गामी छात्र अपने अनुभव साझा करते हुए

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक, संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों के साथ निवर्तमान छात्र

Hkk-çk-l- tk/kiqj dk rhljk nh{kkar lekjksg

भा.प्रौ.सं. जोधपुर का तीसरा दीक्षांत समारोह 08 दिसंबर 2016 को आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर के मुख्य अतिथि नीति आयोग, भारत सरकार के उपाध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया थे। हालांकि डॉ. पनगढ़िया इस मौके पर आखिरी वक्त में एक महत्वपूर्ण और अविलंब्य काम के कारण व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो पाए, लेकिन उन्होंने अपने वीडियो रिकॉर्ड किए गए भाषण को भेजा, जो इस आयोजन के दौरान प्रस्तुत किया गया। कुल 157 छात्रों ने अपनी उपाधियां प्राप्त कीं, जिसमें से 136 बीटेक छात्र, 15 एमटेक छात्र, और 6 पीएचडी छात्र थे। इसके साथ ही इस युवा संस्थान से स्नातक होने वाले छात्रों की कुल संख्या 720 हो गयी है। दीक्षांत समारोह का आयोजन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर के सभागार में आयोजित किया गया था।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक संस्थान की रिपोर्ट को प्रस्तुत करते हुए

सचिन ग्रोवर के माता–पिता राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए

संस्थान के आगंतुक

Hkkjr&vefjdk lac/k

बुधवार 16 नवंबर 2016 को अमेरिकी दूतावास के उत्तर भारत कार्यालय के निदेशक, कार्यक्रम मार्क अजुआ ने 'भारत–अमेरिका संबंधः आगे का मार्ग' पर व्याख्यान दिया। श्री अजुआ ने हाल ही में हुये राष्ट्रपति चुनाव के बाद दोनों देशों और उनके बीच संबंधों की प्रगति के बारे में बात की। संकाय सदस्यों, कर्मचारी सदस्यों, और छात्रों ने व्याख्यान में भाग लिया।

मार्क अजुआ श्रोताओं को संबोधित करते हुए

dUæh; byDV',fuDl vkj lpuk çk|kfxdh vkj dkuu ,o U;k; jkT; e=h dk nkjk

केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी और कानून एवं न्याय राज्य मंत्री श्री पी.पी. चौधरी ने 10 दिसंबर 2016 को भा. प्रौ. सं. जोधपुर का दौरा किया। वृहत जोधपुर–पाली क्षेत्र में एक सूचना प्रौद्योगिकी निवेश क्षेत्र की स्थापना की संभावना के बारे में चर्चा करने के लिए 10 दिसंबर 2016

को 4:30 अपरान्ह में भा.प्रौ.सं. जोधपुर में एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी एवं कानून एवं न्याय केन्द्रीय राज्य मंत्री माननीय श्री पी.पी. चौधरी ने की। सी वी आर मूर्ति (निदेशक, भा. प्रौ. सं. जोधपुर), डॉ. एस. आर. वडेरा (निदेशक, डीआरडीओ रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर), श्री एम. एल. बापना (सलाहकार – उद्योग– अकादमी इंटरफेस, भा.प्रौ.सं. जोधपुर), भा. प्रौ. सं. जोधपुर के तीन संकाय सदस्य (अरुण के. सिंह (ईई), एस पी तिवारी (ईई), और बी. वेंकटरमण (सीएसई), श्री दीपक सिंह (वैज्ञानिक एफ, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार), श्री एन. के.गुप्ता (वैज्ञानिक बी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार) और श्री मुकेश चौधरी (अतिरिक्त निजी सचिव, राज्य मंत्री, भारत सरकार) ने बैठक में भाग लिया।

श्री पी.पी. चौधरी को स्मृति चिन्ह प्रस्तुत करते हुए प्रोफेसर सी.वी.आर. मूर्ति

इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट

Hkk-çkS-l- tks/kiqj dh Hkkxhnkjh

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों ने 23 वें इंटर आईआईटी स्टाफ स्पोर्ट्स मीट में सक्रियता से भाग लिया। भा.प्रौ.सं. कानपुर द्वारा 21–25 दिसंबर 2016 के दौरान यह आयोजन किया गया था। संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों ने क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और एथलेटिक्स में भाग लिया। इसके अलावा, छात्रों ने भी भा.प्रौ.सं. कानपुर में 11–18 दिसंबर 2016 के दौरान आयोजित 45 वें इंटर आईआईटी स्पोर्ट्स मीट में भाग लिया।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर की टुकड़ी

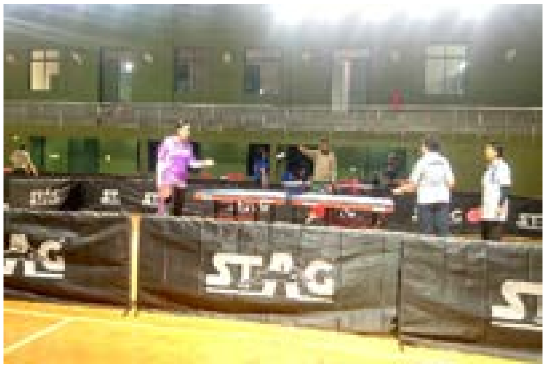

महिला टेबल टेनिस – भा.प्रौ.सं. जोधपुर प्रति भा.प्रौ.सं. दिल्ली

l|fo/kk,a

gekjk ifjlj

वर्तमान परिसर

वर्तमान में भा.प्रौ.सं. जोधपुर दो अस्थायी परिसरों से कार्य कर रहा है, नामतः–

vLFkk;h 'kf{kd ifjlj % यह जोधपुर रेलवे स्टेशन से लगभग 4 किलोमीटर और जोधपुर हवाई अड्डे से 3 किलोमीटर की दूरी पर ओल्ड रेजीडेंसी रोड, रतानाड़ा स्थित एम.बी.एम. इंजीनियरिंग कॉलेज के परिसरों से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है।

vLFkk;h vkoklh; ifjlj % भा.प्रौ.सं. जोधपुर में (1) जी.पी.आर.ए. आवासीय परिसर, न्यू पाली रोड, जोधपुर और (2) बी.एस.एन.एल. आवासीय परिसर, सुभाष नगर, जोधपुर में स्थित दो आवासीय परिसर हैं। जी.पी.आर.ए. परिसर शैक्षिक परिसर से लगभग 17 किलोमीटर की दूरी पर न्यू पाली रोड पर स्थित है और यह लगभग 600 बी.टेक. लड़कों और सभी छात्राओं को आवास प्रदान करता है। साथ ही, यह संकाय सदस्यों, कर्मचारी सदस्यों और उनके परिवार के सदस्यों सहित भा.प्रौ.सं. समुदाय के लगभग 150 अन्य सदस्यों को भी आवास प्रदान करता है। दूसरी ओर बी.एस. एन.एल. परिसर शहर के मध्य में स्थित है और यह लगभग 150 पुरुष एम.टेक. और पीएच.डी. छात्रों को आवास प्रदान करता है। इस परिसर में विवाहित छात्रों के लिए सीमित आवास उपलब्ध हैं।

vLFkk;h 'kf{kd ifjlj

वर्तमान में भा.प्रौ.सं. जोधपुर के शैक्षिक परिसर में तीन ब्लॉक शामिल हैं, नामतः

(i) शैक्षिक ब्लॉक 1: इसमें विभिन्न प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, एक कंप्यूटर केंद्र और कुछ संकाय सदस्यों के कार्यालय है।

(ii) शैक्षिक ब्लॉक 2: इसमें लेक्चर हॉल, शिक्षण, भाषा प्रयोगशाला और मल्टीमीडिया प्रयोगशाला है।

(iii) प्रशासनिक ब्लॉकः इसमें निदेशालय, प्रशासनिक कार्यालय, तकनीकी प्रयोगशालाएं और कुछ संकाय सदस्यों के कार्यालय है।

इसके अतिरिक्त शैक्षिक परिसर में प्रयोगशालाओं और अन्य कार्यालय स्थान जैसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए कुछ अस्थायी अवसंरचना मौजूद है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने शिक्षण तथा शोध के लिए अच्छी शैक्षिक सुविधाएं स्थापित की है। संस्थान में सुसज्जित प्रयोगशालाएं और एक पुस्तकालय है।

ç;ksx'kkyk,a vkSj 'kks/k l|fo/kk,a

भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने आधुनिक शिक्षण एवं शोध प्रयोगशालाओं की स्थापना की है। इन प्रोन्नत प्रयोगशालाओं में अंतर्राष्ट्रीय मानकों की मशीनें और उपकरण है जिनका शोध में सक्रिय रूप से उपयोग किया जाता है। प्रमुख प्रयोगशालाओं में हीट ट्रांसफर, फ्लूइड मैकेनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट प्रयोगशाला, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रोमैकेनिकल एनर्जी कन्वर्जन प्रयोगशाला और सोलर रेडिएशन शामिल है।

iLrdky;

पुस्तकालय में पाठ्य–पुस्तकों, शोध एवं संदर्भ पुस्तकों, मोनोग्राफ इत्यादि को शामिल करते हुए लगभग 12000 पुस्तकों का संग्रह है। इसके अतिरिक्त, यह पुस्तकालय व्यावसायिक एवं विद्वत सोसायटियों तथा प्रकाशकों जैसे कि अमेरिकन सोसायटी फॉर मैकेनिकल इंजीनियर्स, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स संस्थान तथा कंप्यूटिंग मशीनरी संघ इत्यादि से इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की श्रेणी तक पहुंच प्रदान करता है। साथ ही, यह साइफाइंडर, मैथसाइनेट, जेएसटीओआर, प्रोवस और ईबीएससीओ शैक्षिक अनुसंधान जैसे लोकप्रिय वैज्ञानिक, शोध तथा अभिलेखीय आंकड़े भी मंगवाता है।

यह पुस्तकालय स्वाचालित सदस्य एवं परिचालन सेवाओं और डिजीटल पुस्तकालय सेवाओं के साथ एक कंप्यूटीकृत वातावरण में काम करता है। सदस्यता, परिचालन, संदर्भ एवं सूचना सेवा, आंतरिक पुस्तकालय ऋण और दस्तावेज देने संबंधी सेवाएं, वर्तमान जागरूकता सेवा, डिजीटल पुस्तकालय सेवा वर्तमान में प्रदान की जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण सेवाओं में से है।

vLFkk;h vkoklh; ifjlj

th-ih-vkj-,- vkoklh; ifjlj

मुख्य आवासीय क्षेत्र न्यू पाली रोड, विवेक विहार, जोधपुर में रेलवे स्टेशन से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर सुंदर परिसर में स्थित है। यह परिसर पूरी तरह से सुरक्षित है और वाई–फाई, मनोरंजन कक्ष और एक कंप्यूटर केंद्र सहित मूल सुविधाओं से सुसज्जित है। साथ ही, आवासीय परिसर संस्थान के संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों के लिए आवास प्रदान करता है। संस्थान और आवासीय परिसर के बीच परिवहन सुविध ा उपलब्ध है।

ch-,l-,u-,y- vkoklh; ifjlj

दूसरा आवासीय परिसर सुभाष नगर में पाल लिंक रोड पर बी.एस.एन.एल. कॉलोनी में स्थित है। बी.एस.एन.एल. कॉलोनी में आम मौलिक सुविध ाएं उपलब्ध है। संस्थान और बी.एस.एन.एल. परिसर के बीच परिवहन सुविधा उपलब्ध है। सभी पुरुष एम.टेक. और पीएच.डी. के छात्र तथा कुछ विवाहित छात्रों को इस आवासीय परिसर में स्थान दिया गया है।

miyC/k lqfo/kk,a

इन आवासीय परिसर में उपलब्ध कुछ मूल सुविधाएं निम्नलिखित हैं :–

(क) ,Vh,e vkSj cSad% आवासीय क्षेत्र में एसबीआई (भारतीय स्टेट बैंक) की एक शाखा और एसबीआई का एक एटीएम है जो छात्रों के लिए सरल लेन–देन सुकर बनाता है। शैक्षिक क्षेत्र के नजदीक कई अन्य बैंक भी हैं, नामतः, यूको, एचडीएफसी और एसबीबीजे।

(ख) dSaVhu% दो कैंटीन हैं जिनमें से एक आवासीय परिसर में है और दूसरी शैक्षिक परिसर में है। ये छात्रों को स्वच्छ भोजन, ताजे जूस और विभिन्न अन्य स्नेक्स प्रदान करती है।

(ग) ftEuSft;e% आवासीय परिसर में एक सुसज्जित जिम्नेजियम है जो प्रातः 5 बजे से सायं 10 बजे तक खुला होता है। छात्र स्वस्थ रहने और अपने शरीर को बनाए रखने के लिए इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते है।

(घ) Hkkstu lqfo/kk% दो भोजनशाला सुविधाएं हैं, एक आवासीय परिसर में और दूसरी शैक्षिक परिसर में। भोजनशाला अच्छी गुणवत्ता वाला भोजन प्रदान करती है जिनकी स्वच्छता और पोषक मूल्य के लिए वार्डन द्वारा नियमित निगरानी की जाती है और इन्हें वहनीय लागत पर प्रदान किया जाता है।

(ङ) nqdkusa% छात्रों की विभिन्न प्राथमिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शैक्षिक परिसर के नजदीक दुकानें मौजूद हैं। आकस्मिक खरीद के लिए जीपीआरए परिसर के भीतर एक लघु आउटलेट कार्य कर रहा है।

(च) ifjogu lqfo/kk% संस्थान में आवासीय और शैक्षिक परिसर के बीच संस्थान के छात्रों के लिए नियमित अंतराल पर चलने वाली बस सेवा उपलब्ध है।

(छ) euksjatu d{k% प्रत्येक छात्रावास में आंतरिक खेलों (जैसे कि टेबल टेनिस और कैरम) के साथ मनोरंजन सुविधाएं (जैसे कि टीवी कक्ष जहां छात्र मैच का आनंद उठा सकते है और फिल्में देख सकते है) उपलब्ध हैं।

fpfdRlk lsok,a

दोनों आवासीय परिसरों में नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्वास्थ्य केंद्र हैं। दो कैंपस और निवासियों के प्रकार के भौगोलिक स्थानों के कारण जीपीआरए परिसर में स्वास्थ्य केंद्र चौबीस घंटे मरीजों को सेवाएं प्रदान करता है , जबकि बीएसएनएल कैंपस में चिकित्सा सेवाएं शाम में सीमित समय के लिए आमतौर पर 5 बजे से 10 बजे तक उपलब्ध होती हैं। आवासीय परिसरों में चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता के अलावा शैक्षणिक परिसर में भी चिकित्सा सहायता उपलब्ध है। यह सहायता आमतौर पर 3 बजे से शाम 4.30 बजे तक दी जाती है जब प्रयोगशाला सत्र पूरे जोरों पर होते हैं और चिकित्सा सहायता की आवश्यकता हो सकती है। संस्थान की एम्बुलेंस सेवाएं चौबीस घंटे उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य केंद्रों के अलावा संस्थान ने जोधपुर शहर के पांच अस्पतालों में सूची में सम्मिलित किया है। इनमें से दो अस्पतालों ने नेत्र रोग विज्ञान में और एक आर्थोपेडिक में विशेषज्ञ हैं और शेष दो अस्पताल शहर में सबसे प्रसिद्ध सामान्य प्रयोजन अस्पताल हैं। विशेष चिकित्सकीय ध्यान के लिए हमारे स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक मरीजों को इन अस्पतालों में से किसी अस्पताल में रेफर करते हैं। इन पांच अस्पतालों के अलावा शहर में एक मेडिकल कॉलेज और राजस्थान सरकार द्वारा संचालित तीन अस्पताल हैं। शहर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जो जीपीआरए कैंपस से लगभग 12 किलोमीटर और बीएसएनएल कैंपस से लगभग 5 किमी है। इसके अलावा संस्थान ने एक मेडिकल बोर्ड का गठन किया है जिसमें मेडिकल कॉलेज और एम्स से वरिष्ठ डॉक्टर शामिल हैं जिनसे स्वास्थ्य केंद्रों की चिकित्सा सेवाओं में वृद्धि और महत्वपूर्ण चिकित्सा मामलों में सलाह ली जाती है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने जयपुर में दो अस्पतालों को सूची में सम्मिलित किया है। यह दोनों अस्पताल नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स से मान्यता प्राप्त हैं और उपचार की आवश्यकता के अनुसार मरीजों को इन अस्पतालों में भेजा जा सकता है।

स्थायी परिसर

आने वाले वर्षों में भा.प्रौ.सं. जोधपुर, जोधपुर केंद्र से उत्तर–उत्तर–पूर्व नागौर की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर जोधपुर शहर के केंद्र से 24 किलोमीटर दूर स्थित भूमि के 852 एकड़ स्थान पर अत्याधुनिक आवासीय स्थायी परिसर में स्थानांतरित हो जाएगा। स्थायी परिसर में भूमि के तीन टुकड़ें हैं। संस्थान एक सिंचाई प्रौद्योगिकी अपनाने की योजना आरंभ कर रहा है। इस स्थायी परिसर की आयोजना सावधानीपूर्वक तैयार की गई है। शिक्षा इसके परिकल्पना का प्रतीक है, जो – साधारण परंतु गहरा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 65 पर करवड़ गांव में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के स्थायी परिसर का मास्टर प्लान

भारत सरकार के माननीय केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री महोदय डॉ. एम. एम. पल्लम राजू द्वारा दिनांक 16 अप्रैल 2013 को स्थायी परिसर की नींव रखी गई। संस्थान के स्थायी परिसर निर्माण किया जा रहा है। परिसर के चरण–1 का निर्माण कार्य मार्च, 2015 को आरंभ हुआ। पूरा होने पर यह भारत में प्रथम पूर्णतः नियोजित तकनीकी संस्थान परिसर होगा। अधिक महत्वपूर्ण रूप से यह निवल शून्य ऊर्जा, जल एवं अपशिष्ट सुनिश्चित करते हुए नीतियों के साथ निरंतरता का एक अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण होगा। स्थायी परिसर की अन्य प्रमुख विशिष्टताएं निम्न है।

(1) वाकिंग कैम्पस जो कि पैदल पथ उन्मुखी और साइकिल अभिमुखी है;

(2) वायरलेस आईसीटी पृष्ठभूमि (लोचशील, सार्पध्स्थान के साथ मल्टीमीडिया समर्थित अधिगम स्थान) के साथ कहीं भी, किसी भी समय शिक्षण सुविधा उपलब्ध;

(3) जीआरआईएचए 4/5 स्टार अनुकूल भवनों के साथ थर्मल रूप से आरामदायक स्मार्ट भवन और जीआरआईएचए एलडी बैंचमार्क कैम्पस (सघन बालू सेटलमेंट मोर्फोलॉजी, अल्प ऊंचाई भवन (अधिकतम 3 मंजिला तक) लो एम्बोडिड ऊर्जा सामग्रियों तथा वृद्धित स्थानीय और पारंपरिक पद्धतियों के साथ निर्मित);

(4) मूल प्रजातियों के साथ रोपड़, मृदा स्थिरीकरण, समय के साथ इरोजन, रेतीलापन और मृदा अद्रता रोकने हेतु धूल भरी आंधी से सुरक्षा;

(5) वर्षा जल सिंचाई और जल कमी तथा सीवेज रिसाइकलिंग के साथ समय के साथ स्थल को हरित बनाना; और

(6) अपशिष्ट को पृथक करना तथा कस्टोमाइज्ड रिसाइकलिंग

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के स्थायी परिसर की प्रवेश संरचना

परिसर में एक स्कूल (कक्षा–XII तक), बैंक, डाक घर और बाजार के साथ संकाय सदस्यों और कर्मचारी सदस्यों के लिए आवास होंगे। साथ ही इसमें शहर के सर्वोच्च अस्पतालों जैसे कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर तक पहुंच के लिए हॉटलाइन कनेक्शन के साथ एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक पूर्णतः सुसज्जित एम्बूलेंस सेवा होगी। स्थायी परिसर का एक बड़ा भाग (लगभग 182 एकड़) संस्थान–उद्योग संपर्कों को मजबूत बनाने के लिए एक टेक्नोलॉजी पार्क के विकास हेतु रखा गया है।

संकाय सदस्यों और अधिकारियों के आवास

स्थाई परिसर में प्रथम प्रस्थान जुलाई 2017 के आरंभ में होने की संभावना है।

कंप्यूटर केंद्र

संस्थान में एक आधुनिक कंप्यूटर केंद्र है जो वर्तमान में 1जीबीपीएस इंटरनेट बैंडविथ के साथ गीगाबिट लैन पर काम कर रहा है। यह छात्रों, कर्मचारी सदस्यों और संकाय सदस्यों के लिए सभी कंप्यूटिंग गतिविधियों का केंद्र है। परिसर में विंडोज और जीएनयू/लाइनेक्स ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले कई टर्मिनल मेटलेब, मैथेमेटिका, केडेन्स, मेंटर, ग्राफिक, एनसिस, पीएससीएडी और सॉलिड वर्क्स जैसे कई लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर तक पहुंच प्रदान करता है। शैक्षिक और आवासीय क्षेत्रों में एक 80211/बी/जी/एन वाई–फाई सेवा उपलब्ध है। साथ ही, कंप्यूटर केंद्र में वैज्ञानिक शोध के लिए एक उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग कलस्टर भी मौजूद है।

lalk/ku

संस्थान में कंप्यूटर केंद्र में पांच प्रमुख संसाधन है नामतः लाइनेक्स ऑपरेटिंग सिस्टम, सीवीएन सर्वर, जीआईटी सर्वर, ऑनक्लाउड तथा अन्य लाइसेंस प्राप्त एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर है जिनका शैक्षिक तथा शोध उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जाता है, इन्होंने विभिन्न संसाधन और सुविधाएं प्रदान करना संभव बनाया है।

lqfo/kk,a

संस्थान अपने कंप्यूटर केंद्र के माध्यम से तीन सुविधाएं नामतः नेटवर्किंग, कंप्यूटिंग, इंटरनेट एक्सेस, और एलडीएपी और एक्टिव डायरेक्टरी आईडी सुविधाएं प्रदान करता है।

lsok,a

संस्थान इस कंप्यूटर केंद्र के जरिए एफटीपी, एलडीएपी, एचटीसी, वेब हाउसिंग, नेटवर्क कनेक्टिविटी, वीपीएन एडूरोम और न्यूज ग्रुप जैसी सेवाएं प्रदान करता है।

पुस्तकालय

पुस्तकालय ज्ञान संसाधनों के समुपार्जन, संगठन एवं प्रसार को सुगम बनाकर तथा भा.प्रौ.सं. जोधपुर के समुदाय को पुस्तकालय तथा सूचना सेवाएं प्रदान करने के माध्यम से संस्थान के सभी शिक्षण और शोध गतिविधियों का समर्थन करता है। यह भा.प्रौ.सं. जोधपुर के शैक्षिक परिसर के कमरा सं. 1001 और 1011, शैक्षिक ब्लॉक 1 के भूतल में स्थित है। पुस्तकालय संस्थान के पुस्तकालय समिति के निर्देशों के अंतर्गत काम करता है जिसमें सभी विभागों के प्रतिनिधि और छात्र प्रतिनिधि सदस्य हैं।

कमरा संख्या 1001, एबी1 – पुस्तकालय स्टेक्स

परिचालन सेक्शन

iLrdky; lxg

पुस्तकालय में पुस्तकों का 12000 वॉल्यूम का अमूल्य एवं वर्धमान पुस्तक संग्रह है, जिनमें पाठ्य–पुस्तकें, सामान्य और संदर्भ सामग्री तथा एक बुक बैंक संग्रह सम्मिलित हैं। पुस्तकालय संस्थान के शैक्षिक तथा शोध प्रयोजन हेतु विभिन्न स्रोतों से प्रचुर मात्रा में विद्वत पत्रिकायें तथा डाटाबेसेज़ की सदस्यता ली है।

lok, vkj lfo/kk,

पुस्तकालय अपने पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को निम्नलिखित सेवायें तथा सुविधायें प्रदान करता है।

1. सदस्य एवं परिचालन सेवाएं
2. उन्मुखीकरण और उपभोक्ता शिक्षा
3. पुस्तक उधार सुविधा
4. संदर्भ एवं सूचना सेवा
5. आरक्षित पाठ्यक्रम सुविधा
6. वर्तमान जागरूकता सेवा
7. अंतर पुस्तकालय ऋण और दस्तावेज आपूति, और
8. डिजीटल पुस्तकालय सुविधा और सेवाएं

पुस्तकालय के संबंध में सभी अद्यतन सूचना, इसके संग्रह, सेवाओं और सुविधाओं की सूचना समय–समय पर पुस्तकालय की वेबसाइट पर डाली जाती हैं। डिजीटल संसाधनों का अभिगम पुस्तकालय की वेबसाइट के ज़रिए प्राप्त की जा सकती है जो पुस्तकालय द्वारा अनुरक्षित तथा व्यापक साइट है। इसमें पुस्तकालय द्वारा समर्षित संसाधन, ऑनलाइन कैटालॉग, एवं मुक्तक्षेत्र में अभिगम्य उपयोगी, योग्य संसाधनों की सूची तथा पता, जैसे मुक्त अभिगम विद्वत एवं शोध पत्रिकायें, पुस्तकें, रिपोज़िटरी, वीडियो व्याख्यान, मुक्त पाठ्यक्रम शामिल हैं। इन संसाधनों का निरंतर अद्यतन किया जाता है।

संकाय सदस्यों के प्रकाशनों को सूचित करने के लिए पुस्तकालय कर्मचारी़ सदस्यों ने एक पोर्टल को विकसित किया है। पुस्तकालय कर्मचारी़ सदस्यों ने इसके अतिरिक्त एक पाठ्यक्रम दिशा–निर्देश पोर्टल भी तैयार किया गया है, जिसमें संसाधन अर्थात् पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकें, समर्षित पत्रिकायें एवं डेटाबेसेस, मुक्त अभिगम संसाधन, इत्यादि सूचीबद्ध किए गए हैं और पाठ्यक्रम से जोड़े गए हैं। यह मंच छात्रों के लिए विषय क्षेत्र संबंधी और पाठ्यक्रम संबंधी संसाधन ढूंढ़ने में उपयोगी है। यहाँ पुस्तकालय समर्षित विद्वत संसाधनों का परोक्ष अभिगम सेवा और साहित्यिक–चोरी (प्लेगरिज़्म)–रोधी साफ़्टवेयर सेवा भी प्रदान किये जाते हैं।

कक्ष नंबर 1011, एबी 1 – कोर्स रिजर्व और डिजिटल लाइब्रेरी सेक्शन

कक्ष संख्या 1001 एक्सटेंशन, एबी 1 – रीडिंग रूम

वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिये पुस्तकालय के कुछ महत्वपूर्ण आंकड़े नीचे दिये गये हैं।

Ø-la-	fooj.k	vkdM+s
1.	शामिल की गई पुस्तकें	कुल 276
	क. शामिल किए गए शीर्षकों की संख्या	106
	ख. शामिल किए गए वॉल्यूम की संख्या	276
2.	सब्सक्राइब किए गए विद्वत संसाधनों की संख्या	कुल 32
	क. संपूर्ण पाठ संसाधन	25
	ख. शोध डाटाबेस	7
3.	अनुरोध की गई दस्तावेज आपूर्ति और अंतर–पुस्तकालय ऋण सेवा जिसे पूरा किया गया	कुल 399
	क. लेखों और शोध दस्तावेजों की आपूर्ति	390
	ख. आंतरिक पुस्तकालय ऋण पर प्रबंधित की गई पुस्तकें	9
4.	परिचालन लेनदेन	कुल 25,267
	क. चेकआउट की गई पुस्तकों की संख्या	12328
	ख. चेक–इन की गई पुस्तकों की संख्या	12289
	ग. पुस्तक नवीकरणों की संख्या	574
	घ. वापस ली गई पुस्तकों की संख्या	76

b&lalk/kuksa dk fooj.k

पुस्तकालय में शैक्षिक समुदाय के लिए शिक्षण, शोध और निजी अध्ययन के लिए कई इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के लाइसेंस प्राप्त हैं। ये हैं–

d- QqyVsDLV lalk/ku

1. एसोसिएशन ऑफ कंप्यूटिंग मशीनरी डिजिटल लाइब्रेरी
2. अमेरिकल केमिकल सोसाइटी जर्नल्स
3. अमेरिकल इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स जर्नल्स
4. अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी जर्नल्स
5. अमेरिकन सोसाइटी फॉर सिविल इंजीनियर्स
6. अमेरिकन सोसाइटी फॉर मैकेनिकल इंजीनियर्स डिजिटल लाइब्रेरी
7. एएसटीएम स्टैंडर्ड्स एंड इंजीनियर्स डिजिटल लाइब्रेरी
8. एनुअल रिव्यूस
9. एब्सको अकेडमिक सर्च कम्पलीट इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली
10. इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली
11. एमराल्ड इनसाइट
12. ह्यूमन मॉलिक्यूलर जेनेटिक्स जर्नल

13. आईईएल (आईईई) ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी
14. जेस्टोर आर्काइव्ज
15. नेचर जर्नल
16. ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस जर्नल्स
17. प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल अकेडमी ऑफ साइंसेज
18. प्रोजेक्ट म्युज जर्नल्स
19. प्रोक्वेस्ट एबीआई इन्फॉर्म कम्पलीट
20. रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री जर्नल्स
21. साइंस ऑनलाइन
22. एलसेवियर साइंस जर्नल्स
23. सोसाइटी ऑफ इंडस्ट्रियल एंड एप्लाइड मैथमेटिक्स जर्नल्स
24. स्प्रिंगर जर्नल्स
25. वर्ल्ड ईबुक लाइब्रेरी साउथ एशिया आर्काइव्ज

[k- fj l p| M|Vkc| l

1. सीएमआईई प्रोवेस (इकनोमिक टाइम्स)
2. इंडियास्टेट (स्टैटिस्टिकल डेटाबेस)
3. इंस्टिट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (ISID) (इंडेक्सिंग डेटाबेस)
4. मैथसाइनेट (एब्सट्रेक्टिंग एंड इंडेक्सिंग डेटाबेस)
5. साइफाइंडर (रिसर्च डेटाबेस)
6. स्कोपस (साइटेशन एंड इंडेक्सिंग डेटाबेस)
7. वेब ऑफ साइंस (साइटेशन एंड इंडेक्सिंग डेटाबेस)

भा.प्रौ.सं. का पुस्तकालय सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केन्द्र द्वारा संचालित ईशोधसिन्धु–उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के समूह का एक प्रमुख सदस्य भी है, जिसके द्वारा प्रमुख संसाधनों के लिए सदस्यता पूरी हो जाती है । इसके अलावा यह पुस्तकालय डेवेलोपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट), नई दिल्ली का भी एक सदस्य है जिसके माध्यम से यह अपनी मांग को अन्य पुस्तकालयों से पूरा करता है।

पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं के लिए साहित्यि चोरी विरोधी उपकरण और दूरस्थ पहुँच उपकरण सबस्क्राइब करता है । पुस्तकालय कर्मचारी द्वारा नियमित समय पर उन्मुखीकरण सत्र और छात्रों के लिए पुस्तकालय निर्देश सत्र का आयोजन भी करता हैं ।

पुस्तकालय की नियमित सुविधाएँ और सेवाएं प्रदान करने के साथ–साथ, पुस्तकालय के सदस्य संस्थान के प्रकाशन जैसे वार्षिक प्रतिवेदन, संस्थानिक समाचार–पत्र तैयार करने में भी लगे हुए हैं, तथा संस्थान की वेबसाइट और सूचना सम्पति को बनाए रखने में भी पूर्ण रूप से योगदान देते हैं

प्रयोगशालाएं

संस्थान ने अनेक प्रयोगशालाएं और अनुसंधान केन्द्र स्थापित किए हैं जो छात्रों को सीमित शैक्षिक सरोकारों से ऊपर उठा कर वैज्ञानिक परिदृष्य की कौतूहलपूर्ण दुनिया में ले जाएंगे। ये प्रयोगशालाएं और अनुसंधान केन्द्र संकाय और छात्रों को मौजूदा प्रौद्योगिकियों को उनकी दक्षता, सृजनशीलता तथा कल्पना से संपूरित करके बेहतर भविष्य के लिए प्रयोग में लाते हैं। भा.प्रौ.सं. जोधपुर में स्थापित प्रयोगशालाओं की सूची नीचे दी गई हैं और इनका विवरण आगे दिया जाएगा।

क्र.सं.	प्रयोगशाला का नाम
जीव विज्ञान विभाग	
1.	प्रौन्नत बॉयोविज्ञान एवं न्यूरोविज्ञान प्रयोगशाला
2.	रासायनिक जीव–विज्ञान प्रयोगशाला
3.	पर्यावरण बॉयोटेक्नोलॉजी प्रयोगशाला
4.	प्रोटीन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला
रसायन शास्त्र विभाग	
1.	रासायनिक प्रयोगशाला
कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	
1.	मल्टीमीडिया प्रयोगशाला
2.	नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला
विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग	
1.	नियंत्रण / डीएसपी / माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला
2.	इलैक्ट्रानिक सर्किट प्रयोगशाला
3.	यंत्रीकरण और संचार प्रयोगशाला
4.	पावर इलैक्ट्रानिक्स प्रयोगशाला
5.	रोबोटिक्स प्रयोगशाला
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग	
1.	डिजिटल भाषा प्रयोगशाला
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	
1.	प्रौन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला
2.	केंद्रीय कार्यशाला
3.	डायनामिक्स एवं वाइब्रेशन प्रयोगशाला
4.	इलेक्ट्रो मैकेनिकल ऊर्जा संरक्षण प्रयोगशाला
5.	फ़्लूइड मैकेनिक्स एंड हीट ट्रांसफर लेबोरेटरी
6.	उच्च ताप सौर थर्मल प्रयोगशाला
7.	सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला
8.	नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला
9.	सोलर रेडिएशन प्रयोगशाला
भौतिकी विभाग	
1.	बॉयोमॉलीक्यूलर सूचना प्रसंस्करण प्रयोगशाला
2.	मैगनेटिक संपदा माप प्रणाली (एम.पी.एम.एस. / एस.क्यू.यू.आई.डी.)
3.	सामग्री विश्लेषण प्रयोगशाला
4.	भौतिकी प्रयोगशाला

जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए जैवविज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1- ikUur Ckk;ksfoKku ,oa U;wjksfoKku iz;ksx'kkyk

प्रौन्नत बायोविज्ञान एवं न्यूरोविज्ञान प्रयोगशाला जीवविज्ञान प्रेरित प्रणाली विज्ञान (बीआईएसएस) उत्कृष्टता केन्द्र का एक भाग है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य न्यूरोविज्ञान में अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर शिक्षण एवं शोध के लिए सेलूलर और मॉलीक्यूलर निरीक्षण उपकरण प्रदान करना है। हम ज्वलन तथा मरम्मत के लिए मॉलीक्यूलर एवं सेलूलर संबंधों में मॉलीक्यूलर तंत्र को हटाने हेतु जीवविज्ञान, जीव रसायन तथा माइक्रोस्कोपी दृष्टिकोण के साथ प्रकोष्ठ के संस्कृति अध्ययन का प्रयोग करते हैं। ज्वलन अभिज्ञातज, मस्तिष्क चोट, कैंसर, बहु उत्तक–दृढ़न, स्ट्रोक, अस्थमा, पार्किन्सन रोग और अल्जेमर रोग सहित कई रोगों का प्रमुख घटक है। ज्वलन को इनेट इम्यून सेल के संचय और प्रचुरोद्भवन द्वारा वर्गीकृत किया जाता है। इसके पश्चात मॉलीक्यूलर माध्यम का विस्तार जिसे साइटोकिन्स और कीमोकिन्स कहा जाता है, जिससे इम्यून सेल का स्थानांतरण एवं प्रचुरोद्भव हो जाता है तथा सेल मृत भी हो सकती है, के साथ मृत सेल और सेलूलर कचरा साफ होता है। संभावित रोगोपचार लक्ष्य की पहचान के लिए उस तंत्र को समझना आवश्यक है जिससे ज्वलन होता है तथा इस प्रक्रिया मे मॉलीक्यूलर माध्यम शामिल होते हैं।

2- jklk;fud tho&foKku iz;ksx'kkyk

यह प्रयोगशाला कैंसर एवं अन्य स्नायु–घातक बीमारियों के पैथोजीनेसिस का पता लगाने के लिए सेलुलर और मॉलीक्यूलर जैव–रासायनिक उपागम का प्रयोग करता है। न्यूरोनल डैथ में रूचि के चलते, इस बात में कोई आश्चर्य नहीं कि यह प्रयोगशाला दल ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसीस में दिलचस्पी रखता है जो न्यूरोनल सर्वाइवल में गुणवत्ता नियंत्रण घटनाओं के लिए विशेष रूप से आवश्यक है। प्रोटीन यूबीक्यूटिलेशन अत्यधिक वर्सेटाइल और क्रमबद्ध होता है और कोशिका शरीर विज्ञान के अगणित पहलुओं को विनियमित करने वाली मल्टी स्टैप पोस्ट ट्रांसलेशनल मोडिफिकेशन एंजाइमेटिक प्रक्रिया है। इस प्रयोगशाला की तीन प्रोटियोस्टेटिस के अनुरक्षण में ई3 युबीक्यूटिन लिगेज के गुणवत्ता नियंत्रण की भूमिका का पता लगाने के लिए ऐसे ई3 लिगेज की भूमिका का अध्ययन कर रही है और इस प्रकार सेलुलर जीवन और मृत्यु के क्षेत्र में भूमिका निभा रही है। ऐसे महत्वपूर्ण बॉयोकैमिकल निष्कर्ष मिसफोल्डिड प्रोटीन से जुड़े रोगों के लिए नवाचारी थीरेप्टिक पहलुओं में योगदान दे सकती हैं।

सेलुलर स्तर प्रक्रिया में ऑरगेनिजम में एक सुस्थापित प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली होती है जो लैब की टीम वर्तमान में समझने का प्रयास कर रही है। ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसीज की भूमिका अब तक ऐसी प्रणाली में देखी गयी थी। हमारी प्रयोगशाला प्रोटीन गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली के क्षेत्र में गुणात्मक शोध के प्रति समर्पित है। हाल ही में हमने पाया है कि ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसिज ई6–एपी वाला एचईसीटी डोमेन एसओडी आई म्यूटेंट द्वारा तैयार मिसफोल्डिड प्रोटीन एग्रीगेटस के साथ इसके जुड़ने के जरिए अमीट्रोफिक लेटरल सलेरोसिस रोगों में मदद करता है। ऐसे निष्कर्ष इस बात का समर्थन करते हैं कि ई3 लिगेज में मिसफोल्डिड प्रोटीन एग्रीगेशन को हटाने की क्षमता हो सकती है। तथापि, सेलुलर प्रणाली की अप्रत्याशित सक्षमता की प्रशंसा करते हुए हमें चेपरोन्स की महत्वपूर्ण भूमिका को याद रखना चाहिए जिसे मिसफोल्डिड प्रोटीन को वापस लेने और इस प्रकार उन प्रोटीन के परिवर्तन के दौरान प्रयुक्त ऊर्जा के संरक्षण के उद्देश्य से ई3 यूबीक्यूटीन लिगेसिस के तुलना में वरीयता से कार्य करते हुए पाया गया है।

कई उदाहरणों ने हमें यह सोचने पर मजबूर किया कि हम मिसफोल्डिड प्रोटीन को सही करने में चेपरोनस और ई3 यूबीक्यूटिन लिगेसिस दोनों की भूमिका का पता लगा सकते हैं। अतः, अब हम न केवल ई3 यूबीक्यूटिन का कार्य कर रहे हैं अपितु चेपरोन्स पर भी काम कर रहे हैं और सेल के लिए एक सक्षम गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली देने से उनके संचालनात्मक जुड़ाव में भी काम कर रहे हैं।

3- i;kZoj.k c,;kVDukWy,th ç;kx'kkyk

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में पर्यावरण बॉयोटेक्नोलॉजी प्रयोगशाला विभिन्न अवर स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सेवा प्रदान करने के अतिरिक्त बॉयोएनर्जी तथा बॉयोमिडिएशन के क्षेत्रों में शोध कार्य करती है। प्रयोगशाला में शोधकर्ता जल प्रदूषण और ऊर्जा का सतत जैविक हल खोजने के उद्देश्य से ऊर्जा संरक्षण प्रक्रिया तक अवशिष्ट से प्रयोगशाला परीक्षण करते है। वर्तमान में नाइट्रेट और क्रोमियम (VI) संदूषित अवशिष्ट हेतु सफलतापूर्वक बॉयोरिमिडिएशन प्रक्रिया तैयार की गई है। साथ ही, पॉवर जनरेशन तथा एलेग खेती के लिए अल्प लागत माइक्रोबियल कार्बन कैप्चर सेल तैयार की जा रही है। इसके अतिरिक्त, प्रयोगशाला में शोधकर्ता संभावित बॉयोडीजल प्रदान करने वाले नोवेल यीस्ट को पृथक करने में सफल रहे।

4- çkVhu bathfu;fjax ç;kx'kkyk

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में प्रोटीन इंजीनियरिंग प्रयोगशाला कोलाजन जैसे उपयोगी प्रोटीन की संरचना और कार्यात्मक लक्षणों को समझने के संबंध में बॉयो सामग्री तैयार करने में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी शोध कर रही है। इस शोध के निहितार्थ प्रभावी जैव चिकित्सीय उपकरणों इम्प्लांट के विकास के प्रति भी विस्तारित किए जा सकते है।

रसायनशास्त्र विभाग

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए रसायनिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1- jlk;u i;kx'kkyk

भा.प्रौ.सं. जोधपुर की रसायन प्रयोगशाला का मुख्य लक्ष्य मामले की अपनी समझ के मोर्चे पर वास्तविक समस्याओं के समाधान में वैज्ञानिक पद्धति से छात्रों को प्रशिक्षित करना है। यह एक बहु–आयामी प्रयोगशाला है जो अवर स्नातक, स्नातक और पीएच.डी. छात्रों को उनके भविष्य के व्यवसाय की योजना बनाने में सहायता करने के लिए बड़ी संख्या में संसाधन उपलब्ध कराती है।

इस प्रयोगशााला में अधुनातन प्रलेखन का एक व्यापक स्पैक्ट्रम है जिसमें बुनियादी प्रयोगशाला स्थापना (ऑर्गेनिक, इनऑर्गेनिक, आर्गनोमैटालिक एवं सामग्री संश्लेषण), नाइट्रोजन, ऑक्सीजन एवं एलपीजी गैस लाइन, इनर्ट एटमसफीयर बॉक्सेज, वैक्यूम लाइन वर्क, फ्यूम हुड पीएच, कंडक्टिविटी, बीओडी एवं सीओडी मीटर, रोटरी इवेपोरेटर, वैक्यूम पंप, सैंट्रीफ्यूजेज, हाई प्रेशन रिएक्टर सिस्टम, चिलर, हीटर्स, माइक्रोबलेंसेज, ऑर्बिटल शेकर, जीसी, एचपीएलसी और रैडलीज रैडी रिएक्टर शामिल हैं। शैक्षिक वर्ष 2012–13 में प्रयोगशाला ने पोलारीमीटर, मेल्टिंग प्वाइंट इंस्ट्रूमेंट, सोलर साइमुलेटर, डिजिटल टाइट्रेटर, कुगनरोहर, इलैक्ट्रोकेमिकल वर्क स्टेशन, और बेट्री विश्लेषण जैसे उपकरणों का प्रापण किया।

सॉलिड स्टेट प्रोब के साथ एक 500 एमएचजेड एनएमआर स्पैक्ट्रोमीटर एक आवश्यक संसाधन है जिसका मिशन शोधकर्ताओं को उनकी परियोजनाओं के संचालन हेतु एक मंच प्रदान करते हुए अत्याधुनिक उच्च फील्ड एनएमआर तथा पद्धति उपलब्ध करवाना तथा एनएमआर पद्धतियों में नई पद्धतियां विकसित करना है।

निम्नोल्लेखित चित्र रसायन विभाग में स्थापित प्रयोगशालाओं को दर्शाते हैं।

न्यूक्लिअर मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोमीटर (500 डी)

रसायन शास्त्र प्रयोगशाला

पाउडर एक्स–रे डिफरेक्टोमीटर

स्कैनिंग इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोप एंड डिस्पर्शन स्पेक्ट्रोमीटर

सोलर सिम्युलेटर

सरफेस एरिया एनालाइजर

गैस क्रोमेटोग्राफ

रिएक्टर रेडी

एटॉमिक फॉर्स माइक्रोस्कोप

फ्लुओरेसेन्स स्पेक्ट्रोमीटर

ग्लो बॉक्स

हाई प्रेशर रिएक्टर

dI;Vj foKku ,o vfHk;kf=dh foHkkx

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1- eYVhehfM;k i;kx‘kkyk

मल्टीमीडिया प्रयोगशाला ई–लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग और कम्प्यूटर विजन में कार्यक्रमों को सुसाध्य बनाती है। इस प्रयोगशाला में वीडियो/इमेज विषय वस्तु के सीमेंटिक विश्लेषण, वीडियो सर्विलांस, मानव गतिशीलता विश्लेषण, दस्तावेज छाया विश्लेषण और विषय–वस्तु पर आधारिक छाया पुनप्रापण में शोध करने पर विशेष बल दिया जाता है। ई–लर्निंग से संबंधित क्रियाकलापों में वीडियो रिकॉर्डिंग, ऑडियो–वीडियो, डिजिटाइजेशन, वीडियो संपादन इत्यादि शामिल हैं। शैक्षिक वर्ष 2011–12 में काइनेक्ट का प्रयोग करते हुए भारतीय सांकेतिक भाषा की पहचान संबंधी एक शोध आरंभ किया गया है।

miyC/k midj.k &

1. स्केनर्सः बुक ड्राइव मिनि, यूएमएएक्स पावरलुक।
2. कैमरेः सोनी 177 पीडी, सोनी केमकोर्डर, केनन 500डी वीसीआर; सोनी डीएसआर 45एपी
3. ट्राइपोडसः मेनफ्रोटो, आईमेक।

2- uVofdx ik|kfxdh i;kx‘kkyk

नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने शैक्षिक वर्ष 2011–12 से कार्य करना आरंभ किया है। इसका उद्‌देश्य अवर–स्नातक तथा स्नातक छात्रों, जो कम्प्यूटर नेटवर्क के क्षेत्र में अपनी रूची का अध्ययन करते हैं; को कम्प्यूटर नेटवर्क के पहलुओं को समझने तथा एक वास्तविक सेटिंग में नेटवर्किंग उपकरणों के साथ कार्य करने के योग्य बनाना है। इसके अतिरिक्त, इस प्रयोगशाला का उद्‌देश्य प्रौन्नत विषयों, जैसे कि वायरलैस मेस नेटवर्क, सेन्सर नेटवर्क, कम्प्यूटर नेटवर्क से पावर लाइनों पर संचार के लिए आवश्यक अवसंरचना प्रदान करना है। इस प्रयोगशाला में हुई गतिविधियां निम्नानुसार हैं।

1. नेट एफपीजीए का प्रयोग करते हुए नेटवर्किंग हार्डवेयर की प्रोटोटाइपिंग (उदाहरण, इथरनेट स्विच, आईपीवी 4 रूटर इत्यादि)।
2. क्लिक रूटर मॉड्यूलर सॉफ्टवेयर फ्रेसवर्क का प्रयोग करते हुए पैकेट प्रोसेसर का विकास।
3. मिनी–इंटरनेट, सिंग्ल–हूप वायरलैस नेटवर्क, बहु–हूप वायरलैस मेस तथा सेंसर नेटवर्क, पावर लाइन संचार नेटवर्क, गृह दूरभाषा लाइन नेटवर्क के लिए अवसंरचना की स्थापना।
4. भिन्न नेटवर्कों के संबंध में विभिन्न प्रोटोकोल के निष्पादन विश्लेषण से संबंधित अध्ययन।
5. नोवल रूटिंग एलोगरिथम, परिवहन लेयर तंत्र और अगली पीढ़ी के नेटवर्क के लिए सेवाओं का विकास।
6. प्लनेट प्रयोगशाला अवसंरचना की स्थापना (जो 500 से अधिक साइटों को जोड़ते हुए अनिवार्य रूप से इंटरनेट पर सृजित वैश्विक आबंटित कम्प्यूटिंग मंच का भाग बनेगी)। यह छात्रों और शोधकर्ताओं को न केवल इंटरनेट की ट्रैफिक पद्धति को समझने की अनुमति देती है बल्कि आबंटित स्टोरेज, नेटवर्किंग मेपिंग, पीयर–टू–पीयर प्रणाली, घटक वितरण सेवा और कलाउड कम्प्यूटिंग के लिए इंटरनेट पर नई प्रौद्योगिकी प्रयोगों को भी विकसित करेगी।

विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए विद्युतीय अभियांत्रिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1- fu;=.k@Mh,lih@ekbØkçkslslj ç;kx'kkyk

यह प्रयोगशाला नियंत्रण प्रणालियों, माइक्रोप्रोसेसर और डीएसपी में प्रयोग करने के लिए साफ्टवेयर और हार्डवेयर अवसंरचना उपलब्ध कराती है। मौटे तौर पर इसमें निम्नलिखित प्रायोगिक संस्थापनाएं शामिल हैं।

क. नियंत्रक प्रणालियां

1. क्वान्सर से बॉल तथा बीम प्रणाली
2. क्वान्सर मेगनेटिक लेविटेशन प्रणाली
3. क्वानसर इनवर्टिड पेंडुलम प्रणाली
4. स्किलेब/मेटलेब सहित सॉफ्टवेयर

   क. डीएसपी प्रयोगशाला उपकरण

   ख. माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला

3- bylDVkfud lfdlV i;kx'kkyk

इस प्रयोगशाला में एनालॉग तथा डिजिटल सर्किट का डायोड, ट्रांजिस्टर, ओपाम्पस तथा क्लॉक जैसे सभी प्रकार के सर्किट उपकरणों का प्रयोग करते हुए निरीक्षण किया जा सकता है। प्रयोगशाला में निम्नलिखित उपकरण हैं :

1. एजिलेंट से आर्बिट्रेरी फंक्शन जेनरेटर
2. एजिलेंट से डिजिटल आक्सीलोस्कोप
3. प्रोग्रामेबल पावर आपूर्ति
4. एजिलेंट से 6 1/2 बीआईटी डीएमएम

4- ;=hdj.k vkSj lapkj iz;ksx'kkyk

यंत्रीकरण और संचार प्रयोगशाला का मिशन अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधान और मापन तथा स्वचालन प्रौद्योगिकी में पठन और शोध का संश्लेषण करना है। इस प्रयोगशाला में स्थित अत्याधुनिक सुविधाएं संचार के खगोलीय पर्यावरण और वास्तविक समय मापन तथा वास्तविक समय मापन प्रौद्योगिकी में नवीन शोध के अवसर प्रदान करती हैं। अनुभवी प्रयोगशाला दल छात्रों की शोध में प्रतिभा का पोषण करती है और जटिल मापन विकसित करने, परीक्षण करने, नियंत्रण प्रणाली, डाटा विश्लेषण प्रणाली और अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकी विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

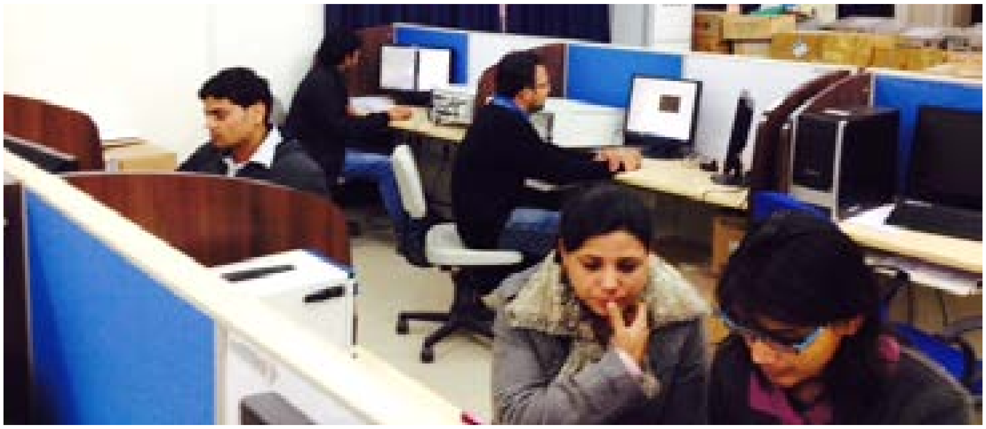

छात्र (1) बेसबेंड संचार सर्किट बनाने (2) एन.आई. लैबव्यू ग्राफिक प्रोग्रामिंग साफ्टवेयर के प्रयोग (3) पी.एक्स.आई. आधारित एन.आई. आर. एफ./वायरलैस मापन स्टैंड (4) एन.आई. डब्ल्यू.एस.एन. और लैबव्यू साफ्टवेयर का मूल्यांकन, साफ्टवेयर परिभाषित रेडियो प्रणाली समायोजित करने, अध्ययन किए गए एंटिनाओं के प्राचलों की मात्रा निर्धारित करने (5) एनालॉग मॉड्यूलेशन योजनाओं का संचार करने से संबंधित सिद्धांतिक और प्रायोगिक दोनों ही ज्ञान विकसित करते हैं। एनआई–लैब में ऐसी साफ्टवेयर और हार्डवेयर उप–प्रणाली हैं जो रेपिड प्रोटोटाइपिंग तथा विभिन्न उपयोगों के लिए एम्बेडिड प्रणाली के विकास को सक्षम बनाती है। वर्तमान में प्रयोगशाला में निम्नलिखित सेट अप हैं:

1. एन.आई. एल्विस आधारित संचार प्रणाली और थ्योरी शिक्षण स्टैंड
2. स्पेकट्रल, चेनल सक्षमता अध्ययन के लिए बड़ा एमआईएमओ स्टैंड तथा नए मानक विकास
3. डब्ल्यू लेन, डब्ल्यू.आई.मैक्स, जी.पी.एस., आर.एफ.आई.डी., जिगबी, जी.एस.एम., सी.डी.एम.ए., डब्ल्यू.सी.डी.एम.ए., ब्लूटूथ हेतु प्रोटोकोल स्टैंड
4. कस्टम संचार योजना के विकास और शोध के लिए एफपीजीए–एनेबल्ड सॉफ्टवेयर डिफाइन्ड रेडियो स्टैंड
5. बेसिक एनालॉग और डिजिटल संचार तकनीक शिक्षण स्टैंड
6. वायरलैस सेंसर नेटवर्क स्टैंड
7. सिग्नल सतर्कता और वायरलैस स्प्रैक्ट्ररल मॉनिटरिंग स्टैंड
8. वायरलैस प्रोटोटाइप वर्गीकरण तथा टेस्टिंग स्टैंड
9. बेस–बैंड अध्ययन और सिग्नल प्रसंस्करण के लिए एफपीजीए आधारित प्रोटोकोल विकास
10. वीएनए आधारित एंटीना वर्गीकरण स्टैंड
11. फाइबर आप्टिक संचार स्टैंड
12. नेटवर्क आधारित निर्माण
13. वास्तविक सतह डिजाइन, रिकार्ड तथा प्लेबैक, सिग्नल सतर्कता, एलगोरिथम वैद्यीकरण तथा अधिक के लिए यूएसआरपी (यूनिवर्सल साफ्टवेयर रेडियो उपस्कर) आधारित वायरलैस संचार प्रणाली
14. नेटवर्क संचार और निर्माण नियंत्रण स्टैंड

अपनी स्थापना के तीन वर्ष के पश्चात, इस प्रयोगशाला ने आई.आई.टी., जोधपुर के अधिगम और शोध गतिविधियों में अत्यधिक योगदान दिया है। इस प्रयोगशाला के माध्यम से अवर स्नातक तथा स्नातक दोनों के लिए संचार एवं नेटवर्किंग लैब, सतर्क इंस्ट्रूमेंटेशन, सिस्टम विश्लेषण, तकनीक और बॉयो–सेन्सर पाठ्यक्रम प्रदान किए जा रहे हैं। प्रोगशाला ने डिजिटल रेडियो मानकों के लिए डीआरएम/डीआरएम+आईपी के विकास, लिंक बजट डिजाइन समुंद्री वातावरण, डीआरएफएम आधारित रेडार इको साईमुलेटर सहित कई औद्योगिक परामर्श परियोजनाओं के लिए सही हार्डवेयर और साफ्टवेयर उपकरण प्रदान किए हैं। प्रयोगशाला में की जा रही अन्य परियोजनाएं हैं वहनीय वायरलैस विडियो ट्रांसमिशन प्रणाली का विकास, कोइग्निटिव रेडिया और जिगबी प्रोटोकोल विकास।

5- ikoj byDVªkfuDl iz;ksx'kkyk

पावर इलैक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला का प्रयोग पावर इलैक्ट्रॉनिक्स आधारित पावर कन्वर्सन प्रणाली, नियंत्रण प्रणाली और ड्राइव्स के क्षेत्र में अवर–स्नातक और शोध के लिए किया जाता है। यह प्रयोगशाला संकाय और छात्रों के लिए पावर कनवर्टर और एसी/डीसी माइक्रो ग्रिड के क्षेत्रों में शोध को सुकर बनाती है। यह प्रयोगशाला आधुनिक परीक्षण और माप इंस्ट्रूमेंटस, कन्वर्टस, पावर स्पालाई और प्रोग्रामिंग बोर्डों से सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला में उपलब्ध मुख्य उपकरण हैः

1. हाई प्रीसिसन पावर एनालाइजर–योकोगवा डब्ल्यूटी 3000
2. डीएसओ–टेकट्रोनिक्स 200 एमएचजेड (डीपीओ 2024) तथा आईजीएचजेड (डीपीओ 4104बी)
3. फंक्शन जेनरेटर–टेकट्रोनिक्स एएफजी 3021बी
4. पावर स्पलाई : 0–30 वोल्ट, 1ए; 0–32 वोल्ट, 3ए; 0–32, 10ए
5. तीन फेज इनवर्टर ड्राइव
6. तीन फेज इनवर्टर स्टेकस
7. डीसी–डीसी कन्वर्टस
8. विभेदी करंट प्रोब्स
9. करंट क्लेम्प
10. आइसोलेशन ट्रांसफोर्मर्स
11. एफपीजीए प्रशिक्षण किट और प्रोग्रामिंग बोर्ड

6- jkcksfVDl iz;ksx'kkyk

आई.आई.टी., जोधपुर की स्नातकोत्तर/अवर स्नातक शिक्षा और शोध हेतु एक अत्याधुनिक रोबोटिक प्रयोगशाला है। इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित अवसंरचना हैं।

1. विकोन मोशन ट्रैकिंग प्रणाली
2. एक पावर बोट मोबाइल रोबट प्लेटफार्म पर बैरेट डब्ल्यूएएम आर्म का चल मेनिपुलेटर
3. पायोनियर पी3–डीएक्स चल रोबोट्स – 10 इकाईयां
4. टरटलबोट
5. व्हील चेयर
6. फोर्स प्लेट
7. इन्फ्रास्ट्रक्चर फॉर मोबाइल रोबोटिक्स– नेविगेशन, पाथ प्लानिंग, एसएलएएम
8. डायनामिक एंड काईनामैटिक कण्ट्रोल प्रॉब्लम रेडनडेन्सी रेसोल्यूशन इनवर्स काईनामैटिक ऑफ मैनिपूलेटर्स एंड मोबाइल मैनिपूलेटर्स, विजुअल सेर्वोइंग, और
9. GAIT एनालिसिस और रोबोट असिस्टेड रिहैबिलिटेशन

मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग

शिक्षण और भाषा के अभ्यास के लिए मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग भाषा के द्वारा लैब का उपयोग किया जाता है।

1- fMftVy Hkk"kk iz;ksx'kkyk

डिजिटल भाषा प्रयोगशाला भा.प्रौ.सं. जोधपुर के संपूर्ण छात्र समुदाय हेतु विदेशी भाषाओं में पढ़ाने और पढ़ने के लिए संसाधन सुविधाएं और सहायता उपलब्ध कराती है। यह प्रयोगशाला संस्थान की बहुभाषायी कंप्यूटिंग तथा मूल्यांकन केन्द्र है। प्रयोगशाला दल द्वारा ऐसी नई पद्धतियां खोजी जा रही हैं और उन्नत मल्टीमीडिया प्रौद्योगिकी की सहायता से क्रियान्वित की जा रही हैं जो किसी विदेशी भाषा को सीखने में अपेक्षाकृत अधिक अनुभव प्रामाणिक अनुभव हो सकती है। यह इंटरनेट तथा इंटरएक्टिव वीडियो, श्रव्य–दृश्य तकनीक, मल्टी–मॉडल आईकॉनिक एप्रोच और स्पीच की पहचान करने जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को लागू करने में सहायता करती है। पठन अभ्यास में श्रवण और निबंध, व्यापकरण पर आधारित अभ्यास, स्थानन समाधान और शिक्षण परीक्षण शामिल है। प्रयोगशाला रोबोटेल में स्मार्ट क्लस सिम्पोजियम और डाइनेट इंटरनेशनल से नए डायनेमिक इंगलिश लर्निंग कार्यक्रम आयोजित करती है। डिजिटल भाषा प्रयोगशाला में सभी सुविधाएं सक्षमता उन्मुखी और मानक–आधारित।

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1- ikUur fofuek.k i;kx'kkyk

प्रौन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला में प्रोई, सॉलिडवर्क, केटिया जैसे 3डी मॉडलिंग सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए वस्तुओं का सीएडी मॉडल तैयार किया जाता है। एनसिस, नास्ट्रॉन/पैटर्न जैसे विश्लेषण सॉफ्टवेयर का प्रयोग करते हुए एफई विश्लेषण किया जाता है तथा सीएनसी प्रोग्रामिक/सीएनसी मशीनों तथा रैपिड प्रोटोटाइपिंग मशीन/3डी प्रिंटर का प्रयोग करते हुए सटीक निर्माण किया जाता है। यूटीएम, हार्डनेस टेस्टर, इम्पैक्ट टेस्टर इत्यादि का प्रयोग करते हुए मैकेनिकल बिहेवियर के लिए विनिर्माम घटकों को वर्गीकृत किया जाता है। निर्मित किए जाने वाले उत्पाद की लोचशीलता तथा सटीकता में वृद्धि, उत्पादकता में वृद्धि के लिए सीएनसी मशीनों की भूमिका दर्शाई जाती है। संस्थान की प्रोन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला निम्नलिखित सुविधाओं से सुसज्जित है:

1. सीएडी खंड
2. सटीकता मशीनिंग खंड
3. रेपिड प्रोटोटाइपिंग खंड
4. मैकेनिकल बिहेवियर खंड

2- dæh; dk;'kkyk

केंद्रीय कार्यशाला संस्थान की केंद्रीय सुविधा है जिसमें वेल्डिंग शॉप, कारपेंटरी शॉप, फिटिंग शॉप, सीट मैटल शॉप, फाउंड्री तथा हीट ट्रीटमेंट शॉप और मशीन शॉप जैसी विभिन्न कार्यशालाएं शामिल हैं। अवर स्नातक छात्र अपने पाठ्यक्रम के भाग के रूप में कार्य करके तथा परियोजनाओं में कार्य करके उपर्युक्त खंडों में अनुभव प्राप्त करते हैं और छात्र अपनी शैक्षिक परियोजनाओं के फेब्रीकेशन उद्देश्य के लिए भी इन सुविधाओं का उपयोग करते हैं। यह संकाय सदस्यों तथा पीएच.डी. और एम.टेक. शोध विद्वानों के थीसिस कार्य में उनके शोध फेब्रीकेशन में सहायता प्रदान करके संस्थान की शोध एवं विकास परियोजनाओं में भी सहायता प्रदान करती हैं।

केंद्रीय कार्यशाला में निम्नलिखित मशीनें और उपकरण उपलब्ध हैः

1. वैल्डिंग फ्यूम एक्सट्रेकशन डॉउन ड्राफ्ट टेबल
2. बहु–प्रक्रिया वैल्डिंग उपकरण
3. पोर्टेबल सिंगल फेज एमआईजी/एमएजी
4. एसी/डीसी वेल्डिंग उपकरण
5. एमआईजी/एमएजी वेल्डिंग उपकरण
6. ट्रीडल संचालित शयरिंग मशीन
7. हस्त संचालित फोल्डिंग मशीन
8. कैजन मफल फर्नेस
9. हस्तचालित जीनी अथवा बेरिंग मशीन
10. मोटरचालित सर्कल कटिंग मशीन
11. हस्तचालित सर्कल कटिंग मशीन
12. हाइड्रोलिक शेयरिंग मशीन
13. पोर्टेबल हीटिंग प्लांट
14. पोर्टेबल हार्डनिंग प्लांट
15. फोर्जिंग हीटिंग प्लांट
16. एल्यूमीनियम मेल्टिंग प्लांट
17. फिटिंग टेबल
18. मोल्ड बनाने की सुविधा
19. पोर्टेबल उपकरण ग्राइंडर

3- Mk;ukfeDl ,o okbcz'ku ç;ksx'kkyk

डायनामिक एवं वाइब्रेशन प्रयोगशाला विभिन्न प्रणालियों जैसे कि मोटराइज्ड गैरोस्कोप एपरेट्स स्टेटिक और डायनामिक बैलेंसिंग एपरेट्स, यूनीवर्सल गवर्नर एपरेट्स, कोरियोइल्स कम्पोनेंट ऑफ एक्सीलेरेशन एपरेट्स, एपीसाइक्लिक गियर ट्रेन एपरेट्स, कैम एनालीसिस मशीन एपरेट्स, यूनीवर्सल वाइब्रेशन एपरेट्स, स्ट्रोबोस्कोप और टेकमीटर 10 से सुसज्जित है जो छात्रों की विभिन्न प्रणालियों के व्यवहार को समझने में सहायता करते है और उन पर कार्य करते है।

इसके अतिरिक्त, यह प्रयोगशाला विभिन्न पर्यावरण परिस्थितियों में इसके रेजोनेन्श विशेषता का पता लगाने के लिए मशीन अथवा स्ट्रक्चर की गति हेतु मशीन अथवा स्ट्रक्चर और उपकरण के वाइब्रेशन लक्षणों की गणना के लिए विभिन्न वाइब्रेशन माप उपकरणों के साथ भी सुसज्जित हैं। घटक से लेकर स्ट्रक्चर तक के माप और/अथवा वाइब्रेशन लक्षण परीक्षण के लिए निम्न उपकरण उपलब्ध हैं।

4- byDVªks eSdsfudy (EM) ÅtkZ laj{k.k ç;ksx'kkyk

छात्रों को इलेक्ट्रिकल मशीन विशेषताओं और लक्षणों के प्रति परिचित कराने के लिए भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने 'इलेक्ट्रो मैकेनिकल ऊर्जा संरक्षण प्रयोगशाला' की स्थापना की है और यह अपनी प्रयोगशाला सुविधाओं की क्षमता का सतत् रूप से विकास करता रहा है। इस प्रयोगशाला में अत्याधुनिक "इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग" सुविधाएं छात्रों को वास्तविक प्रयोग वातावरण में मशीनों के कई प्रयोगात्मक और औद्योगिकी प्रयोगों सहित इलेक्ट्रो–मैकेनिकल ऊर्जा संरक्षण प्रक्रिया के मूल के साथ स्वयं को परिचित कराते हुए उनकी क्षमताओं को सशक्त बनाती है। यह प्रयोगशाला सतत् विकास प्रयासों के साथ मूल तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पारंपरिक और आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है।

5- ¶ybM e|dfuDl ,M ghV Vk lQj y|ckjVjh

फ्लूइड मैकेनिक्स प्रयोगशाला में छात्र निम्नलिखित के बारे में सीखते हैः

1. प्रयोगात्मक आंकड़ों का विश्लेषण और मूल्यांकन
2. थ्योरीटिक्ल मॉडल और प्रयोगात्मक आंकड़ों के बीच तुलना
3. एक फ्लूइड मैकेनिकल तथा हीट ट्रांसफर प्रणाली कैसे तैयार करें उदाहरण के लिए एक पाइप प्रणाली जिसमें विभिन्न तकनीकी पहलुओं, हीट एक्सचेंजर, थर्मल ऊर्जा भंडार, रिसीवर, विंड कैचर, वॉल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर पर विचार किया गया हो।

उपर्युक्त के अलावा इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों में प्रयोगों तथा लघु स्तर की परियोजनाओं के डिजाइन का संवर्धन करके नवाचारी विचारों का सृजन करना है। वर्तमान में फ्लूइड मैकेनिक प्रयोगशाला में पाइप (साफ/खुरदरे) और फिटिंग (उदाहरण वाल्व, बेंड) में हानि संबंधी प्रयोग, विभिन्न फ्लो–मीटर, पार्टिकल इमेज वेलोसीमीट्री तकनीक, हॉट–वॉयर एनीमोमीटर, लैब स्केल सब सोनिक विंड टनल एक सैलेंडर/एयर–फायल के दाब वितरण, लिफ्ट तथा ड्रेग संतुलन, बाउंड्री लेयर विकास, मौसम निगरानी के बीच तुलना संचालित किए जाते हैं। इसके अलावा, यह प्रयोगशाला अग्नि सिमुलेशन के लिए सीएफएएसटी जैसे मानक सॉफ्टवेयर के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान करती है।

वर्तमान में हीट ट्रांसफर प्रयोगशाला विभिन्न थर्मोमीटरी तकनीक, हीट एक्सचेंज प्रणाली, वेंटीलेशन प्रणाली, प्राकृतिक एवं फोर्स्ड कन्वेंशन प्रणाली, विभिन्न सामग्रियों के लिए हीट कंडक्शन ईकाई, लैब तथा औद्योगिक–स्तर सौर जल हीटर प्रणाली और थर्मल रेडीएशन ईकाई से सुसज्जित है। ये सभी उपकरण संबंधित सॉफ्टवेयर के साथ स्थापित किए गए हैं।

इन प्रयोगशालाओं में परीक्षण, केलीब्रेशन और शोध उद्देश्य के लिए पार्टीकल एनालाइजर के साथ लेजर डॉप्लर वेलोसीमीटर, दाव तथा ताप केलीब्रेशन, बेरीएबल फ्लो के साथ ब्लोअर, प्रेसर ट्रांसडूसर, डिफरेंशियल प्रेसर ट्रांसडूसर, टर्बाइन टेस्ट रिग, टर्बो–मशीन टेस्टरिग, आईसी इंजन, टेस्टरिग इत्यादि जैसे विभिन्न उपकरणों का प्रापण किया गया है।

इसके अतिरिक्त, बहु–उद्देश्य टेस्ट सेटअप को स्वदेशी रूप से तैयार किया जा रहा है और उनमें शामिल वस्तुओं/उप–प्रणालियों को स्थानीय रूप से तैयार किया जा रहा है। इस प्रणाली का उद्देश्य वॉल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल एनर्जी स्टोरेज, एयर–वाटर हीट एक्सचेंज सिस्टम जैसी सौर थर्मल उप–प्रणालियों तथा उनके सतत् संचालन का निरीक्षण और मूल्यांकन करना है। अर्थ एयर हीट एक्सचेंज सिस्टम, विंड कैचर और एयर–कूल्ड एक्सचेंज प्रणाली जैसे उपकरणों को कुछ प्रयोगों के लिए तैयार और परीक्षित किया जा रहा है।

6- mPp rki lkj Fkely i;kx‘kkyk

''भा.प्रौ.सं. जोधपुर में सौर थर्मल शोध एवं शिक्षा में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना'' नामक एम.एन.आर.ई. वित्तपोषित परियोजना के तहत छः प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं। उच्च ताप सौर थर्मल प्रयोगशाला इन विशिष्ट प्रयोगशालाओं में से एक है। इस प्रयोगशाला के उद्देश्य हैं :–

1. फ़्लूइड फ़्लो और ताप हस्तांतरण संबंधी समस्याओं के मूल पहलू जैसे कि धूल संचयन
2. सघन सौर थर्मल प्रणालियों के लिए उप–प्रणाली का डिजाइन और विश्लेषण

इस प्रयोगशाला में तैयार तथा विश्लेषित कुछ उप–प्रणालियां हैं :–

क. प्रक्रिया ताप प्रयोग हेतु खुला वोल्यूमीट्रिक एयर रिसीवर,

ख. कम्पेक्ट हीट एक्सचेंजर, व

ग. सोलर कन्वेक्टिव फरनेस।

इस प्रयोगशाला में सौर वायु टावर साइमुलेटर ;एस.एटी.एस.द्ध, लेजर डोपलर वीलोसिमीट्री जैसे प्रौनन्त शोध ग्रेड उपकरण जैसी परीक्षण सुविधा शामिल है। एसएटीएस सुविधा में खुला वोल्युमीट्रिक एयर रिसीवर, थर्मल उर्जा स्टोरेज, वायु–जल ताप आदान–प्रदान शामिल है और इसका सौर कनवेक्टिव फर्नेस के साथ विस्तार किया जा रहा है।

7- lkexh ijh{k.k vkj Bkl ;kf=dh i;kx‘kkyk

संस्थान की सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के परीक्षण नमूनों की सुविधा प्रदान करती है जिससे उनकी यांत्रिकी विशेषताओं जैसे कि इलास्टिसिटी का मॉड्यूल, टेनसाइल और व्यापक क्षमता, तनाव मोड़, बेंडिंग लक्षण, हार्डनेस इत्यादि जैसे यांत्रिकी लक्षणों का पता लगाया जा सके। प्रयोगशाला निम्नलिखित परीक्षण उपकरणों से सुसज्जित हैः

1. सार्वभौमिक परीक्षण मशीन 5–50 केएन
2. रॉकवेल टेस्टर
3. ब्रिनेस टेस्टर
4. विकर्स टेस्टर
5. पोलडी हार्डनेस टेस्टर
6. पोर्टेबल हार्डनेस टेस्टर
7. सामग्री परीक्षण और ठोस यांत्रिकी।

8- uohdj.kh; Åtk i;kx‘kkyk

आधुनिक विश्व की ऊर्जा आवश्यकताओं की बड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए और हमारे राष्ट्र द्वारा पुराने ईंधन पर अत्यधिक भरोसा करने से आई.आई.टी., जोधपुर को नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला (आरईएल) का संवर्धन करने के महत्वपूर्ण उद्देश्य से ऊर्जा तथा पर्यावरण से संबंधित मसलों पर शोध करने पर प्रोत्साहन मिला है। आर.ई.एल. नवीकरणीय ऊर्जा को डिजाइन करने, परीक्षण करने और उसका प्रसार करने तथा सक्षम ऊर्जा प्रणाली पर ध्यान देता है। आरईएल का उद्देश्य है उन प्रौद्योगिकियों की सहायता करना जिससे ये उद्योग और विकासशील देशों में सतत पर्यावरणीय विकास में योगदान करें। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में इस प्रयोगशाला के संकाय और छात्र एक ऐसी नवाचारी प्रणाली का सृजन करने का प्रयास कर रहे हैं जिससे सूर्य से और वायु से ऊर्जा का सक्षम रूप से उत्पादन हो सके। हाल ही में घरेलू विकास के लिए सौर और वायु ऊर्जा पर शुरू की गई परियोजना में ऊर्जा इंजीनियरी और पर्यावरणीय जोखिम विश्लेषण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में शोध की योजना का प्रारूप तैयार किया गया है। आरईएल में कम्प्यूटर इंटरफेस सिस्टम है जिसमें लगभग 30 छात्र एक समय में काम कर सकते हैं। छात्र आरईएल के सर्वोच्च संसाधन हैं और आई.आई.टी., जोधपुर ने नवीकरण ीय ऊर्जा के क्षेत्र में काफी प्रगति हासिल की है और वह आरईएल में एक व्यवहार्य है और वह आरईएल में एक व्यवहार्य योजना बनाने तथा नवाचार

शोध करने के लिए सभी अपेक्षित संसाधन प्रदान करता रहा है। आरईएल के विकास का एक पहलू अन्य शैक्षिक और औद्योगिक समूहों की भागीदारी का विकास करना है। भविष्य में यह प्रशिक्षण और सार्वजनिक निजी क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक हब होगा। हाल ही में, प्रयोगशाला ने माइक्रोबिअल फ्यूल सेल के प्रोटोटाइपिंग पर पेनासोनिक आरएंडडी इंडिया प्रा. लि. के साथ एक परामर्शदात्री परियोजना आरंभ की है। इसके अतिरिक्त, लैब ने राजस्थान और गुजरात में 5 एम.डब्ल्यू. से कम पी.वी. पावर संयत्रों का आंकड़ा संग्रह, व्याख्या और विश्लेषण का आरंभ किया है।

नवीकरणीय उर्जा प्रयोगशाला निम्नलिखित उपकरणों का उपयोग करती है:

1. 2 किलोवाट चार्ज के नियंत्रक्12 वोल्ट विंड पावर के साथ, स्थायी मेगनेंट के साथ सिन्क्रोनाइजर जनरेटर 12~ वोल्ट, लैम्प बोर्ड्12 वोल्ट, ऑफ ग्रिड इनवर्टर इत्यादि।
2. डीसी कनवर्टर, इलैक्ट्रानिक लोड, मेटल हाइडराइड स्टोरेज सेल, इलैक्ट्रोलाइजर, 200 वाट/20 वोल्ट/10 ए के साथ पीईएम फ्यूल सेल।
3. प्रौन्नत फोटोवोल्टिक्स सोलर मॉडयूल साइमुलेशन मॉडल 23 वोल्ट/2 ए, सोलर आल्टीटयूट इमुलेटर के साथ सोलर मॉडयूल, सोलर चार्ज नियंत्रक 12/24 वोल्ट, 6ए सोलर एकुमुलेटर 12 वोल्ट, 7 एएच, ऑफ ग्रिड इनवर्टन 230 वोल्ट, 275 वीए इत्यादि।
4. कोटिंग प्रयोग के लिए समेकित आरएफ/डीसी स्पुटरिंग।

9- lkyj jfM,'ku ç;kx'kkyk

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर के परिसर को उनके एक सौलर रेडिएशन केंद्र के रूप में चुना है। सोलर रेडिएशन माप (वैश्विक और प्रत्यक्ष), आद्रता, एमबीएन्ट ताप, रैनगोज और विंड स्पीड माप कार्य इस केंद्र किए जाते है और आंकड़ों को एक सेटेलाइट लिंक के जरिए एमएनआरई के चेन्नई में नोडल केंद्र सी–वेट को प्रेषित किया जाता है। इस प्रयोगशाला में उपकरण कई सौलर पैनलों से युक्त हैं। इस केंद्र में एकत्रित आंकड़ें सोलर थर्मल और सोलर फोटोवोल्टिक संयंत्रों की स्थापना के लिए अपेक्षित सोलर संसाधन मूल्यांकन समर्थ बनाता है जैसा कि जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सोलर मिशन (जेएनएनएसएम) में दर्शाया गया है।

भौतिकी विभाग

शिक्षण और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए भौतिकी विभाग में निम्नलिखित प्रयोगशालाएँ हैं।

1- ck;keksyhD;qyj lapuk izlaLdj.k iz;ksx'kkyk

यह प्रयोगशाला विभिन्न प्रकार के बायोमॉलीक्यूलस तथा संबद्व सिंथेटिक मॉलीक्यूल्स द्वारा सूचना प्रसंस्करण को समझने में रत है। प्रक्रिया में पहले एकल मॉलीक्यूल का प्रयोग करना और तत्पश्चात् दी गई सतह पर मॉलीक्यूल के समूह का प्रयोग करना शामिल है। किसी बाह्य उत्तक में मॉलीक्यूलस के बीच परस्पर संबंध हमें उनके बीच संचार को समझने में सहायता करेगा।

2- eSxufVd laink eki ç.kkyh ¼,eih,e,l@,lD;wvkbZMh½

भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने पदार्थ वर्गीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट सुविधा सृजित की है। हाल ही में मैगनेटिक संपदा माप प्रणाली (एमपीएमएस) का प्रापण करके इसमें एक अतिरिक्त आयाम जोड़ा गया है। एमपीएमएस (एसक्यूयूआईडी) की स्थापना आने वाले कुछ माह में की जा रही है। यह क्षेत्र निर्भर मैगनेटिक माप के सहयोजन से डीसी तथा एसी दोनों मैगनेटिक माप हेतु बृहत ताप 2 के–1000के की श्रेणी प्रदान करेगा। ऐसे माप मैगनेटिक विशेषताओं को समझने तथा मैगनेटिक सामग्रियों से संबद्ध स्पिन डायनामिक्स में सहायता करेगा।

3- lkexh fo'ys"k.k iz;ksx'kkyk

शोध में उर्जा सृजन तथा भंडारण हेतु सामग्रियों सहित विभिन्न प्रयोगों के लिए अभिनव सामग्रियों के विकास पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। वर्तमान कार्य में सौर सेल प्रयोग हेतु सॉल्यूशन योग्य सीआईजीएस कंपाउंड सेमीकंडक्टर का विकास तथा लिथियम आयन बैट्री और सुपरकेपेसीटर प्रयोग के लिए ट्रांजीशन मेटल ऑक्साईड आधारित सामग्री का विकास शामिल है। यह प्रयोगशाला स्पुटरिंग, सोल–जेल प्रक्रिया एसेम्बली इत्यादि जैसी बड़ी तथा पतली फिल्म तकनीकों के सिंथेसिस आसैर एक्स–रे डिफरेक्शन, स्केनिंग इलैक्ट्रान माइक्रोस्कोप, ऑप्टीकल स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक एलसीआर मीटर, बड़े नमूने हेतु फेरोइक माप प्रणाली इत्यादि जैसी कई वृगीकरण तकनीक से सुसज्जित है।

इसके अतिरिक्त, समूह सौर चुनिंदा कोटिंग, उच्च बारंबारता अवशोषक प्रणाली के लिए फेरोइक सामग्री और विभिन्न प्रयोग के लिए मेनेटिक पार्टिकल जैसे विभिन्न प्रयोगों के लिए बहु संचालन सामग्रियों के विकास पर भी ध्यान केन्द्रित करता है। यह प्रयोगशाला थर्मल विश्लेषण, इलैक्ट्रोकैमिकल विश्लेषण, सर्फेस मोर्फोलोजी अध्ययन, रसायनों के पृथक्करण तकनीक, विद्युत संचालन माप उपकरणों, ग्लाव बॉक्स इत्यादि के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

4- Hkkfrdh i;kx‘kkyk

भा.प्रौ.सं. जोधपुर की भौतिकी प्रयोगशाला का मिशन विद्यार्थियों को मूलभूत भौतिकी का प्रायोगिक ज्ञान उपलब्ध कराना है। इस प्रयोगशाला में विशिष्ट उपकरणों सहित अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं जहां मेकैनिक्स, वेब्स, इलेक्ट्रीसिटी, मैग्नेटिज्म और ऑप्टिक्स में विभिन्न प्रयोग किए जाते हैं। अब प्रयोगशाला में प्रकाश की गति, जीमेन प्रभाव और माइकल्सन इंटरफेरोमीटर के साथ प्रयोग के लिए सुविधा मौजूद है।

स्वास्थ्य केन्द्र

भा.प्रौ.सं. जोधपुर अपने आवासीय परिसरों में संस्थान के छात्रों, संकाय और कर्मचारी सदस्यों को चौबीस घंटे स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करता है। स्वास्थ्य केन्द्र में 5 डॉक्टर और 5 सहायक कर्मचारी सदस्य हैं। दोनों आवासीय परिसरों में सामान्य स्वास्थ्य सेवाओं के लिए स्वास्थ्य केंद्र मौजूद हैं। दोनों परिसरों के स्थान और निवासियों के पृथक प्रकार के कारण जी.पी.आर.ए. कैम्पस में स्वास्थ्य केंद्र 24 घंटे सेवाएं प्रदान करता है, जबकि बी.एस.एन.एल. परिसर में शाम को 5 बजे से 10 बजे तक, सीमित अवधि के लिए चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हैं। आवासीय परिसरों में चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता के अतिरिक्त शैक्षिक परिसर में भी चिकित्सा सहायता उपलब्ध है। सामान्यतः यह सहायता चालू प्रयागशाला सत्र के दौरान जब चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता की संभावना होती है, उस समय सांय 3 बजे से सांय 4:30 बजे तक प्रदान की जाती है। संस्थान में 24 घंटे एम्बूलेंस सेवा उपलब्ध है।

स्वास्थ्य केंद्रों के अतिरिक्त संस्थान ने जोधपुर शहर के 5 अस्पतालों को पैनलबद्ध किया है। इनमें से दो अस्पतालों में ओपथालमोलॉजी में विशेषज्ञता है और एक की अर्थोपेडिक में विशेषज्ञता है तथा बाकी दो अस्पताल शहर में सुज्ञात सामान्य उद्देश्य अस्पताल है। विशिष्ट चिकित्सा के लिए हमारे स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर रोगियों को इन अस्पतालों में से किसी एक में भेजते हैं। इन पांच अस्पतालों के अतिरिक्त शहर में एक चिकित्सा कॉलेज और राजस्थान सरकार द्वारा संचालित तीन अस्पताल है। साथ ही, शहर का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जीपीआरए कैम्पस से लगभग 12 किलोमीटर और बीएसएनएल कैम्पस से लगभग 5 किलोमीटर दूर है। साथ ही, संस्थान ने चिकित्सा कॉलेजों तथा एम्स के वरिष्ठ डॉक्टरों को शामिल करते हुए एक चिकित्सा बोर्ड का गठन किया है तथा स्वास्थ्य केंद्र तथा आकस्मिक चिकित्सा मामलों में चिकित्सा सेवाओं की वृद्धि के लिए सलाह ली जाती है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने जयपुर में दो अस्पतालों को पैनलबद्ध किया है। ये दोनों अस्पताल राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रत्यायन बोर्ड द्वारा प्रत्यायित हैं तथा रोगियों को उपचार की आवश्यकता के अनुसार इन अस्पतालों में भेजा जा सकता है

यह स्वास्थ्य केन्द्र छात्रों, कर्मचारियों और उनके आश्रितों को ऐसे अन्य अस्पतालों, जो आंतरिक रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए संस्थान द्वारा प्रत्यायित हैं, में भर्ती के दौरान उनके उपचार का समन्वय और पर्यवेक्षण करता है। स्वास्थ्य केन्द्र में किसी चिकित्सा आकस्मिकता के दौरान बुलाए जाने के लिए अपनी स्वयं की एक एम्बुलेंस है।

स्वास्थ्य केन्द्र संस्थान के विजिटरों को आवासीय क्षेत्र में उनके आवास के दौरान अनुरोध प्राप्त होने पर अपनी स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करता है। आपात परिस्थितियों में चिकित्सा सेवाएं परिसर के उन नागरिकों को भी प्रदान की जाती हैं जो भा.प्रौ.सं. समुदाय से संबद्ध नहीं हैं। रोगियों के रिकार्ड, खरीदी गई/वितरित दवाईयों के ब्यौरे, परिसम्पतियां, उपकरण आदि सभी के रिकार्ड कम्प्यूटर द्वारा रखे जाते हैं।

खेल सुविधाएं

खेलों के लिए सुविधाएं चार स्थानों नामतः छात्रावास परिसर, शैक्षिक परिसर, विद्याश्रम अंतर्राष्ट्रीय स्कूल के खेल मैदान तथा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के नये परिसर में प्रदान की जाती हैं। संस्थान में संभार तंत्रीय कार्यालय द्वारा परिवहन की व्यवस्था की जाती है। आवासीय परिसर में छात्रों के प्रयोग के लिए एक जिम्नेजियम भी उपलब्ध है।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

भा.प्रौ.सं. जोधपुर ने भारत सरकार द्वारा जारी आरक्षण नीतियों और दिशा–निर्देशों का समुचित उपयोग और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की स्थापना की है। यह प्रकोष्ठ संस्थान में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों एवं कर्मचारियों से प्राप्त शिकायतों से संबंधित मामलों पर कार्रवाई करता है। यह प्रकोष्ठ संस्थान में एससी/एसटी तथा ओबीसी छात्रों और कर्मचारियों से संबद्ध मामलों में मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा संस्थान के बीच एक संचारकर्ता के रूप में कार्य करता है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर एमसीएम छात्रवृत्ति के लिए छात्रों का चयन करते हुए आरक्षण नीति का पालन करता है। इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति के छात्र जिनकी पारिवारिक आय 6 लाख रूपए प्रति वर्ष तक है, संस्थान द्वारा की गई पहल से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा तैयार सर्वोच्च श्रेणी शिक्षा के केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति का लाभ उठा रहे हैं।

महिला प्रकोष्ठ

भा.प्रौ.सं. जोधपुर का महिला प्रकोष्ठ कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 में निहित प्रावधानों के अनुसार कार्य करता है । वित्तीय वर्ष 2016–17 में महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कुछ गतिविधियां निम्नलिखित हैं

2017 vrjk"Vh; efgyk fnol dk mRlo

वर्ष 2017 का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 7 मार्च 2017 को शाम 4:30 बजे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में समय से पूर्व मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन भा.प्रौ.सं जोधपुर की महिला प्रकोष्ठ द्वारा किया गया था। इस से पहले भा.प्रौ.सं जोधपुर की महिला सेल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने छात्रों और कर्मचारियों के लिए लघु–पुस्तक लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम के दौरान विजेताओं और उप विजेताओं को पुरस्कार और प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। इस कार्यक्रम में चेन्नई में स्थित विख्यात विज्ञापन फिल्म और वृत्तचित्र निर्माता सुश्री लता मेनन द्वारा एक आमंत्रित संभाषण हुआ।

महिला प्रकोष्ठ की संयोजक क्षेमा प्रकाश, कार्यक्रम आरम्भ करते हुए

लता मेनन – दर्शकों को संबोधित करते हुए

कार्यक्रम का आनंद लेते दर्शक

Nk= xfrfof/k;k

छात्र जिमखाना

"छात्र जिमखाना" छः विंग में बांटा गया है जिन्हें "परिषद" कहा जाता है। प्रत्येक परिषद् विभिन्न प्रकोष्ठों में बांटी गई है। ये परिषद एवं उनके प्रकोष्ठ छात्रों की विभिन्न रुचियों को पूरा करते हैं और उनके समग्र विकास में योगदान देते है। ये छः परिषद निम्न हैं–

(1) शैक्षिक, शोध एवं प्रबंधन (ए.आर.एम.) परिषद,

(2) मीडिया, आर्ट्स और डिज़ाइन (एम.ए.डी.) परिषद,

(3) प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान को पोषण–समझना (एन.यू.टी.एस.) परिषद,

(4) खेल, साहसिक कार्य, क्रीड़ा और अवेषण (एस.ए.जी.ई.) परिषद और

(5) लेखन, जागरूकता, वोकल, मनोरंजन (डब्ल्यू.ए.वी.ई.एस.) परिषद

'kf{kd] 'kks/k ,oa çca/ku ¼,-vkj-,e-½ ifj"kn

शैक्षिक, शोध एवं प्रबंधन (ए.आर.एम.) परिषद शैक्षिक एवं शोध से संबंधित सभी गतिविधियों और पहलों के लिए एक मंच है। यह संस्थान में छात्रों में शैक्षिक एवं शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करती है। साथ ही, यह सोसाइटी निर्णय निर्धारण में छात्रों की प्रभावी भागीदारी के लिए भी कार्य करती है। एआरएम सोसाइटी का लक्ष्य निम्न है।

(क) छात्र–संकाय मेल–मिलाप को मजबूत बनाना और उन्हें केवल औपचारिक संबद्धन से आगे ले जाना;

(ख) छात्रों के लिए संकाय सदस्यों के तहत शोध परियोजनाएं संचालित करने हेतु एक मंच के रूप में कार्य करना और वास्वतिक समस्याओं के संबंध में छात्र समुदाय ने पहचान का वातावरण तैयार करना; और

(ग) छात्रों को हाल की खोज और प्रौद्योगिकीय उपलब्धियों तथा अनुसरण किए जाने वाले अनेक अवसरों तक प्रदर्शन प्रदान करने के लिए विभिन्न तकनीकी बैठकों और सेमीनारों का आयोजन करना।

,-vkj-,e- ifj"kn d dk;dyki vkj ftEenkfj;k fuEu gA

(क) वैयक्तिक छात्रों को उनकी विशिष्ट शैक्षिक चिंताएं हल करने में सहायता प्रदान करना;

(ख) केंद्रीकृत शैक्षिक सुविधाओं जैसे कि कंप्यूटर केंद्र, पुस्तकालय और पठन–कक्ष के साथ समन्वय करना;

(ग) संस्थान की सीनेट की शैक्षिक पाठ्यचर्या में संशोधन जैसे मुद्दों पर सहायता करना; और

(घ) शैक्षिक तथा शोध मुद्दों पर छात्रों की चिंताओं को साझा करना।

यह सोसाइटी छात्र जिमखाना की सभी सोसाइटियों की विभिन्न गतिविधियों के प्रबंधन और जनसंपर्क से संबंधित सभी मामलों का कार्य देखती है जो कि संस्थान में घटित होते हैं। यह व्यक्तित्व, प्रबंधन कौशल, सार्वजनिक वक्तव्य, लेखन और छात्र सहपाठियों के साथ समन्वय में वृद्धि करने में छात्रों के समग्र विकास के लिए सहायता करती है। इस सोसाइटी के तहत निम्नलिखित प्रकोष्ठ कार्य करते है।

¼d½ lo/ku çdk"B

यह प्रकोष्ठ विभिन्न अंतरा और अंतरकॉलेज उत्सवों, वर्ष भर में आयोजित किए जाने वाले विशेष इवेंटों तथा सेमीनारों के लिए विषय–वस्तु लिखता है और रिपोर्ट करता है। यह स्थानीय मीडिया में प्रकाशित किए जाने वाली विषय–वस्तु का भी समन्वय करता है।

¼[k½ lkoZtfud oä0; ,oa 0;fäRo fodkl çdk"B

सार्वजनिक वक्तव्य एक अति महत्वपूर्ण पहलू है जो किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है। यह प्रकोष्ठ सार्वजनिक वक्तव्य कौशल में सुधार लाने, आत्म–विश्वास के स्तर को बढ़ाने और सार्वजनिक वक्तव्य में छात्रों को दक्ष बनाने के लिए सत्रों का आयोजन करता है।

¼x½ m|e'khyrk çdk"B

यह प्रकोष्ठ अन्य संस्थानों के ई–प्रकोष्ठों के साथ समन्वय करता है और उद्यमशीलता से संबंधित विभिन्न सेमीनारों और उपयोगी गतिविधियों का संचालन करता है।

¼?k½ lalk/ku çca/ku çdk"B

इस प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य विभिन्न अंतर और अंतरा स्तरीय गतिविधियों के दौरान कुशलता से संसाधनों का प्रबंधन करना है।

¼³½ foÙk ,oa ekeyk v/;;u çdk"B

कई व्यक्ति अपने जीवन में कई बार निवेश और वित्तीय निर्णयों में कठिनाई का सामना करते हैं। वित्तीय सहायता के बारे में स्पष्ट सूचना उन्हें ऐसे निर्णय लेने में सहायता प्रदान करती हैं। यह प्रकोष्ठ छात्रों को ऐसे मामला अध्ययन लेने में सहायता करता है जो यह देखने में सहायक होते हैं कि जीवन की वास्तविक परिस्थितियों में निर्णय लेने में जटिलताओं का सामना कैसे किया जा सकता है।

¼p½ urRo of) vkSj lexz fodkl ¼,ybZ,Mh½

यह पी.आर.ओ.एम. का एक कदम है जिसका उद्देश्य छात्रों के समग्र व्यक्तित्व तथा सॉफ्ट स्किल का संवर्धन करना तथा उन्हें व्यावसायिक जगत के लिए तैयार करना है। व्यावसायिकों द्वारा व्यक्तित्व निखार, जीवन–वृत्ति लेखन, व्यक्तिगत साक्षातकार इत्यादि में कुशलताओं हेतु कार्यशालाओ का आयोजन किया जाता है। छात्रों को साक्षात्कार के लिए प्रशिक्षित करने के लिए तथा उनके व्यक्तित्व का विकास करने में सहायता प्रदान करने के लिए ग्रुप डिस्कशन, कृत्रिम इंटरव्यू तथा पब्लिक स्पीकिंग सत्रों का आयोजन किया जाता है। छात्र न केवल व्यावसायिकों परंतु वरिष्ठ परामर्शदाताओं से ही विषेशज्ञ दिशा–निर्देश प्राप्त करते हुए वास्तविक जगत का परिचय प्राप्त करते है।

ehfM;k] vkVZl vkSj fMtkbu ¼,e-,-Mh-½ ifj"kn

सृजनात्मकता पृथक होने से कहीं अधिक है। कोई भी विलक्षण होने की योजना बना सकता हैय यह आसान है। साधारण होना ही कठिन है। साध्ाारण होना, अत्यंत साधारण होना ही सृजनात्मकता है। यह परिषद् लोगों को उनकी कल्पना, उनकी प्रतिभा का विकास करने में सहायता प्रदान करती हैय उनकी रूचि के क्षेत्र में उनके ज्ञान में वृद्धि करने के लिए प्रौद्योगिकी में उन्नति की शिक्षा प्रदान करती है। इस परिषद् में अभिरूचि के निम्नलिखित क्षेत्रों में अपनी स्वतंत्र गतिविधियां, कार्यशालाएं और प्रतिस्पर्धाएं हैं।

¼d½ ,uheVl ¼,uhes'ku idk"B½

यह प्रकोष्ठ छात्रों को व्यावासियकों तथा अपनी स्वयं की टीम द्वारा कार्यशालाओं के माध्यम से एनीमेशन सीखाता है। स्टॉक मोशन एनीमेशन तथा सॉफ्टवेयर एनीमेशन के प्रति झुकाव के साथ प्रकोष्ठ पेपर एनीमेशन, 2डी तथा 3डी ग्राफिक्स एनीमेशन, पिक्सीलेशन, फ्लेश लाइट एनीमेशन की ओर बढ़ा है।

¼[k½ fp=dkj ¼Qkbu vkVl idk"B½

रंगों से खेलना इस प्रकोष्ठ का शौक है। छात्रों को फाइन अथवा संरचनात्मक कला में कार्यशालाओं और प्रतिस्पर्धाओं के जरिए प्रशिक्षण दिया जाता है। हम पेंटिंग, स्कैचिंग, ग्लास ईचिंग, फेस और टी–शर्ट पेंटिंग, वैक्स कार्बिंग, ग्रेफिटी कार्यशालाओं इत्यादि जैसे अभिरूचि की कई गतिविधियों का आयोजन करते हैं। यह प्रकोष्ठ भा.प्रौ.सं. जोधपुर के विभिन्न उत्सवों को आकार प्रदान करता है।

¼x½ fMtkbuMl ¼fMtkbfux idk"B½

यह प्रकोष्ठ लोगों, पोस्टर, समाचार–पत्र, टी–शर्ट इत्यादि का डिजाइन तैयार करता है। इस प्रकोष्ठ ने कुछ सर्वोत्तम डिजाइन तैयार किए है जो एडव फोटोशॉप, इनडिजाइन तथा इलेस्ट्रेटर जैसे सॉफ्टवेयर के साथ प्रशिक्षण प्रदान कर सकते है। प्रकोष्ठ के सदस्यों को ग्राफिक डिजाइनिंग में उत्कृष्टता प्राप्त है जो विचारों और कल्पनाओं का संवर्धन करती है। इस प्रकोष्ठ ने मूड इन्डिगो– भा.प्रौ.सं. मुम्बई में प्रतिस्पर्धाएं भी जीती है।

¼?k½ Ýse&,Dl ¼fQYe fuekZ.k rFkk ohfM;ks laiknu idk"B½

यह प्रकोष्ठ वीडियो बनाता है, उन्हें रिकॉर्ड तथा संपादित करता है। यह प्रकोष्ठ सतत् और सक्रिय रूप से लघु और लघु फिल्मों अथवा डाक्युमेंट्रियों जिन्होंने लोकप्रियता हासिल की है, को प्रस्तुत करते हुए विभिन्न अंतर कॉलेज उत्सवों में भाग लेता है। प्रकोष्ठ के सदस्य आधुनिक हेंडीकेम, गो–प्रो कैमरों का प्रयोग करते है जिनमें विंडोज मूवीमेकर, सोनीवेगाज तथा एडोब आफ्टर इफेक्ट पर कार्य किया जाता है।

¼³½ ikVk Vkdht ¼eohLØhfux idk"B½

यह प्रकोष्ठ चलचित्रों, मैच और आधारित वार्ताओं के चलचित्रण के लिए उत्तरदायी है।

¼p½ 'kVjcXl ¼QksVksxzkQh vkSj QksVks&,fMfVax idk"B½

यह प्रकोष्ठ रूप से अच्छे सेमीप्रो डीएसएलआर कैमरों पर फोटोशॉप कार्यशालाएं आयोजित करता है तथा अनुभव प्रदान करता है। यह प्रकोष्ठ आई.आई.टी.जे. की सभी मीडिया कवरेज के लिए उत्तरदायी है।

çkS|ksfxdh vkSj foKku dh le> dk iks"k.k ¼,u-;w-Vh-,l-½ ifj"kn

"कल्पना ज्ञान से अधिक आवश्यक है" के विचार के साथ भा.प्रौ.सं. जोधपुर की विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् (एन.यू.टी.एस.) छात्रों को विज्ञान की पारंपरिक सीमाओं से आगे सोचने, उनके सपनों को साकार करने और अगली पीढ़ी के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करने का अवसर प्रदान करता है। इस सोसाइटी के तहत निम्नलिखित प्रकोष्ठ कार्य करते हैः

¼d½ ,;jkse,Mfyx idk"B

एयरोमॉडलिंग संस्थान में विमानन तथा एयरोमॉडलिंग के उत्साही व्यक्तियों के लिए एक समूह है। यह प्रकोष्ठ छात्रों को रॉकेट, ग्लाइडर, प्लेन, हॉवरक्राफ्ट बनाने और उन्हें हवा में उड़ाने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रकोष्ठ की गतिविधियों में विभिन्न एयरोमॉडलिंग तथा विमानन विषयों पर लेक्चर और कार्यशालाएं तथा छोटी परियोजनाओं पर कार्य करना शामिल है।

¼[k½ v,Vkekckby idk"B

यह प्रकोष्ठ छात्रों का अपनी स्वयं की कार डिजाइन करने और बनाने के लिए संवर्धन करता है। प्रकोष्ठ ने एक पर्यावरण सुकर मैनुअल सह–इलेक्ट्रिक संचालित वाहन तैयार किया है। यह प्रकोष्ठ एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय, ऑटोमोटिब इंजीनियर्स परिषद (एसएई) से जुड़ा है और बाजा तथा ईफी साइकल जैसी उनकी राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेता रहता है।

¼x½ ,LVªku,eh idk"B

यह प्रकोष्ठ छात्रों को प्रकृति में एस्ट्रोनॉमी को बेहतर तरीके से समझने में नियमित रूप से व्याख्यान और विचार–विमर्श आयोजित करता है। प्रकोष्ठ ने ओवरनाइट ऑबजर्वेट्री प्रतिस्पर्धा "मेसियर मैराथन" में 72 वस्तुओं की खोज करके अंतर–आई.आई.टी टेक मीट 2014 में रिकॉर्ड बनाया।

¼?k½ byDVª,fuDl idk"B

यह प्रकोष्ठ छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक्स सर्किट से परिचित कराता है और उन्हें बीगल बोन, रेस्पबेरी पाई इत्यादि जैसे मिनी कंप्यूटर पर कार्य करके उन्हें कौशल में शिक्षण प्रदान करता है। यह प्रकोष्ठ वर्ष भर में आयोजित विभिन्न लेक्चरों और प्रतिस्पर्धाओं के माध्यम से छात्रों को एनालॉग तथा डिजीटल इलेक्ट्रॉनिक्स से भी परिचित करता है।

¼³½ jkckfVDl i|dks"B

यह प्रकोष्ठ डीटीएमएफ, इमेज प्रोसेसिंग, मोशन सेंसिंग इत्यादि जैसी प्रौद्योगिकियों पर छात्रों को अनुभव प्रदान करने के लिए नियमित रूप से लेक्चरों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। आज यह प्रकोष्ठ छात्रों के लिए उनके प्रयोगात्मक मशीन निर्माण कौशल तथा ज्ञान को प्रदर्शित तथा विकसित करने के लिए एक सक्रिय मंच है।

¼p½ çkxkfex rFkk oc fMtkbfux i|dks"B

नियमित लेक्चरों, प्रतिस्पर्धाओं और शरद कोडिंग कैम्प के साथ यह प्रकोष्ठ छात्रों को उनके आसपास के लोगों से सीखने और अपनी कोडिंग दक्षता में सुधार करने का अवसर प्रदान करता है। छात्र समान विचारधारा वाले लोगों के समूह के साथ बैठते हैं और विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कोडिंग प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयारी करते हैं।

¼N½ foKku i|dks"B

यह प्रकोष्ठ छात्रों को रूबिक क्यूब हल करने, अपने स्वयं के एंग्री बर्ड स्टेशन तैयार करने और एयरगन से खेलने, रूब गोल्डबर्ग इत्यादि का अवसर प्रदान करता है। इस प्रकोष्ठ की गतिविधियां छात्रों की कल्पना दक्षता का परीक्षण करती है और उनमें सुधार हेतु उनकी सहायता करती है।

[kydn] lkgfld dk;Z] ØhMk rFkk vUo'k.k ¼,l-,-t h-b½

खेलों को अत्यंत प्रभावशाली एथलीटों, रंगीन विशेषताओं, प्रभावशाली नेतृत्व तथा यादगार हीरों तैयार करने के लिए जाना जाता है। आई.आई.टी जोधपुर की खेलकूद परिषद् कैम्पस के समुदाय में खेलकूद गतिविधियों को शामिल करने की इसी भावना को प्रदर्शित करती है। इस परिषद् का उद्देश्य खेलों का संवर्धन करना और खेल की सच्ची भावना को प्रदर्शित करना तथा छात्रों को टीम भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। यह परिषद् प्रत्येक छात्र के जीवन में दैनिक अभ्यास के भाग के रूप में इस आवश्यक गतिविधि को समाहित करने के लिए प्रयासरत है। व्यावसायिक कोचों के दिशा–निर्देश तथा सर्वोत्तम खेल सुविधाओं के हर व्यक्ति में खिलाड़ी को उजागर करने तथा प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जाते है।

व्यक्ति स्वयं में मजबूत हो सकते हैं किन्तु वे एक टीम में अधिक मज़बूत होते हैं। केवल विजेता ही अच्छा हो सकता है परंतु इस क्षण को अन्य सदस्यो के साथ बांटने से अच्छा कुछ भी नहीं है। किसी के जीवन में दुर्लभ समय में से एक अपने मित्रों और कुछ शत्रुओं के साथ खेलना और फिर भी खेल के संबंध में एक दूसरे का सम्मान करना है। यह किसी छात्र के जीवन में उत्साह, बलिदान और समग्र खेल भावना की गुणवत्ता को समाहित करने के लिए खेल आरंभ करना आवश्यक है। यह परिषद् संस्थान की उस टीम को तैयार करती है जो किसी भी आई.आई.टी में वार्षिक रूप से आयोजित किए जाने वाले अंतर भा.प्रौ.सं. खेल आयोजनों में भाग लेती है। अंतर– भा.प्रौ.सं. प्रतिस्पर्धा शीर्षक पूरे भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिवार में अत्यधिक लोकप्रिय है। यह वह स्थान है जहां प्रत्येक खिलाड़ी को खेल के संबंध में उसकी प्रतिभा प्रदर्शित करने और लिगेजी को जारी रखने की जिम्मेदारी के साथ संबंधित भा.प्रौ.सं. के उत्कृष्ट इतिहास का प्रतिनिधित्व करते हुए जर्सी पहनकर मैदान में भागने का अवसर प्रदान करती है। प्रत्येक अंतर भा.प्रौ.सं. खिलाड़ी की संस्थान के सम्मान के लिए, खेल को जीतने, टीम के लिए रक्त, आंसू और पसीना बहाने तथा खेल जीतने की अन्नय इच्छा होती है। संस्थान ने एक्वेटिक्स, एथलेटिक्स, बैंडमिंटन, बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, लॉन टेनिस, स्कवैश, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन जैसे खेलों में जैसे कि अंतर भा.प्रौ.सं. खेल प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व किया है।

संस्थान में वर्ष भर में कई खेल इवेंट आयोजित किए जाते हैं जो आपकी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और उत्साह को बनाए रखने का मंच प्रदान करते हैं। प्रत्येक वर्ष यह परिसर अंतरा संस्थान खेल उत्सव "क्रीड़ांश" का आयोजन करती है। यह खेल उत्सव बड़ी भागीदारी को आकर्षित करने के लिए तैयार किया गया है। इसमें संस्थान में अपने संगत ब्रांचों के सम्मान के लिए एक–दूसरे से लड़ने की खेल प्रतिभाओं को देखा जा सकता है। इसमें टग ऑफ वार, खो–खो तथा अन्य खेलों के साथ कबड्डी जैसे खेल आयोजित किए जाते हैं।

खेलों के अतिरिक्त यह परिषद् विभिन्न साहसी यात्राओं का भी आयोजन करती है और कैरम प्रकोष्ठ, शतरंज प्रकोष्ठ, स्कैचिंग प्रकोष्ठ तथा योग प्रकोष्ठ और जॉगर्स प्रकोष्ठ का समन्वय करती है।

Yk[ku] tkx:drk] Loj] eukjatu] lekt ¼MCY;w-,-oh-b-,l-½

वेव्स संस्थान में सभी सांस्कृतिक गतिविधियों का मुख्य केंद्र है। यह छात्रों को उनकी कला का प्रदर्शन करने तथा उनकी कलात्मक योग्यताओं को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। वेव्स के अंतर्गत पांच प्रकोष्ठ है जो वर्ष भर कार्य करते हैं।

(d½ uR; i|dks"B

नृत्य प्रकोष्ठ विभिन्न नृत्य रूपों के संबंध में कार्यशालाओं पर विशेष जोर देते हुए अंतरा संस्थान से अंतर कॉलेज इवेंट की श्रेणी में गतिविधियों का आयोजन करता है। 'डिफीटदबीट' नाम की टीम ने देश भर में केओस (आई.आई.एम. अह्मदाबाद) तथा मूड इंडिगो (भा.प्रौ.सं. बांबे, मुम्बई) सहित विभिन्न कॉलेज उत्सवों में भाग लिया है और उसे इंडियन हिप हॉप डांस प्रतिस्पर्धा के ऑडिशन के लिए भी चुना गया है।

¼[k½ laxhr izdks"B

संगीत प्रकोष्ठ प्रदर्शित किए जाने वाली आवश्यकता के प्रति लगाव और मंच प्रदान करता है। नए छात्रों के लिए छात्र बैंड प्रदर्शनों से लेकर कॉलेज उत्सवों के स्तर तक संगीत प्रकोष्ठ सभी इच्छुक छात्रों के लिए अवसर प्रदान करता है। मुख्य झलकियों में अनप्लग्ड नाइट्स और म्यूजिकल एक्सट्रावेगेन्जा शामिल हैं। इनके अलावा, आरंभकर्ताओं के लिए संगीत शिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं।

¼x½ fDot izdks"B

इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य एक मनोरंजक गतिविधि के रूप में क्विजिंग के प्रति रूचि तैयार करना है जिसमें हर कोई भाग ले सकता है और उसी दौरान ज्ञान भी प्राप्त करत सकता है। यह प्रकोष्ठ छात्रों को क्विजिंग के कलात्मक जगत के बारे में अवसर प्रदान करके तथा कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय कोलीजिएट क्विजों में प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए मंच प्रदान करने हेतु रोचक क्विज प्रतिस्पर्धाओं/सत्रों का आयोजन करता है।

¼?k½ ukVd izdks"B

भा.प्रौ.सं. जोधपुर का नाटक प्रकोष्ठ "ड्रामेबाज" कई नाटकों का आयोजन करता है जो शिक्षाप्रद तथा मनोरंजक दोनों होते हैं। संस्थान में गणतंत्र तथा स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियां नुक्कड़ नाटक होते हैं और श्रोताओं द्वारा इनकी काफी प्रशंसा की जाती है जिससे हर बार दर्शक अवाक् रह जाते हैं। यह स्टेज नाटक भी प्रस्तुत करता है।

¼³½ lkfgR; izdks"B

यह प्रकोष्ठ पुस्तकों, बैले, लेटरों तथा शब्दों के जादू के समग्र नए जगत की खोज के दृष्टिकोण पर कार्य करता है। यह प्रकोष्ठ न केवल लेखन के बारे में है परंतु इसमें जाम, शोर मचाना, बाधाएं, वाद–विवाद इत्यादि जैसे मनोरंजक इवेंट भी शामिल है और इसमें भाषा कोई बाधा नहीं होती है, हमारे यहां हिंदी और अंग्रेजी दोनों के साहित्य प्रकोष्ठ है।

¼p½ fLid eSdS

युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति संवर्धन सोसायटी (स्पिक मेके) एक ऐसी सोसायटी है जो हमारी गहरी भारतीय विरासत की सुरक्षा और उसे लोकप्रिय बनाने में सहायक है। स्पिक मेके भा.प्रौ.सं. जोधपुर अध्याय को वर्ष 2012 में औपचारिक रूप प्रदान किया गया था।

छात्र उत्सव एवं वृत्तांत

संस्थान का छात्र जिमखाना दोहरे उद्देश्य के साथ कार्यक्रमों का आयोजन करता है। एक ओर ये कार्यक्रम छात्रों को उनके खाली समय में सृजनात्मक कार्य में शामिल होने में सहायता करते है और इससे उनमें कौशल तथा अभिरूचि का निर्माण करते हैं। दूसरी ओर ये कार्यक्रम छात्रों को स्वयं को सुव्यवस्थित करने तथा उत्कृष्टता हेतु मंच प्रदान करते हैं।

छात्र जिमखाना द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को दो विषयों में देखा जा सकता है, नामतः

1. अंतर–संस्थान उत्सव और खेलकूद प्रतियोगिताएं और
2. अंतरा–संस्थान उत्सव और प्रतिस्पर्धाएं

छात्र ऊर्जा और अगुआईयों से भरे संस्कृति के पोषण में सफल रहे। उन्होंने ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जिससे उनके बीच संचार और लगाव का माध्यम बने। गणेष चतुर्थी, दीवाली, संक्रांति, ईद और होली जैसे प्रमुख उत्सावों का अत्यधिक उत्साह के साथ आयोजन किया गया। खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित रूप से खेल गतिविधियां भी आयोजित की गई जिनका संकाय सदस्यों द्वारा भी समर्थन किया गया। वर्ष 2016–17 में कैम्पस में आयोजित की गई कुछ प्रमुख छात्र गतिविधियां निम्मानुसार हैः

varj&laLFkku mRlo

opZl

वर्चस भा.प्रौ.सं. जोधपुर का अंतर– महाविद्यालय खेल उत्सव है। यह उत्सव खेल की भावना का अनुपालन करता है और विभिन्न कालेजो द्वारा अपना उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। वर्चस खेल भावना का आयोजन करता है और खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए कॉलेज की टीमों द्वारा किए गए अथक प्रयासों को प्रदर्शित करने के एक मंच के रूप में कार्य करता है। वर्चस का पहली बार आयोजन भारत, विशेषकर राजस्थान के कॉलेजों में खेलों का संवर्धन करने और भारत में एथलीटों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करने के दृष्टिकोण से वर्ष 2011 में किया गया था। फुटबॉल, क्रिकेट, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, स्कवैश, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल तथा एथलेटिक्स

के क्षेत्रों में जोधपुर के राष्ट्र स्तरीय स्टेडियमों में प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। वर्चस स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संवर्धन करता है और यह टीमों के लिए अपने संगत खेलों में अपनी प्रतिभा को सिद्ध करने का शानदार अवसर है।

इसके अतिरिक्त, देश की प्रमुख शैक्षिक संस्था होने के नाते भा.प्रौ.सं. जोधपुर के छात्र "सोच–वर्चस का सामाजिक पहलू" के माध्यम से अपने सामाजिक दायित्व को पूरा करने का प्रयास करते है। सोच एक ऐसा मंच है जहां हम सामाजिक मुद्दों को उठाते है और विचार–विमर्शों तथा वाद–विवादों के माध्यम से संभावित हल निकालने का प्रयास करते हैंय विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोगों को शामिल करने के लिए जागरूकता का प्रसार करते है और अभियान चलाते है। हम समाज के उत्थान के लिए गहन सामाजिक प्रभाव तैयार करने का प्रयास करते है।

वर्ष 2015 में, इस खेल उत्सव का आयोजन 29 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। वर्चस 2016 में मुख्य अतिथि कृष्णा पूनिया थीं जो कि डिस्कस थ्रो में उनके प्रदर्शन के लिए पद्म श्री और अर्जुन पुरस्कार विजेता हैं। वरचस 2016 लगभग 1000 से अधिक प्रतिभागियों का गवाह बना और इस उत्सव में विभिन्न प्रतियोगिताएँ जैसे एथलेटिक्स, वालीबाल, क्रिकेट, फुटबाल, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, तैराकी, शतरंज और बैडमिंटन आदि आयोजित की गई।

वर्चस 2016 के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि

वर्चस 2016 में पथ प्रदर्शक भा.प्रौ.सं. जोधपुर छात्रा

वर्चस 2016 के दौरान महिला वॉलीबॉल मैच

सम्मानित किया जा रहे विजेता

भा.प्रौ.सं. कानपुर के प्रोफेसर एच.सी. वर्मा की अध्यक्षता में "Awaz": A SOCH समारोह

1 अक्टूबर, 2016 को शाम 9 बजे एक 'नाइट रन' जो कि वर्चस 2016 का हिस्सा था, का आयोजन किया गया । इस दौड़ का लाभ दृष्टिहीन छात्रों के कल्याण के लिए दिया गया । जिसकी भूरि भूरि सराहना सम्पूर्ण राजस्थान के लोगों ने और एथलीटों ने की। यह उत्सव 2 अक्टूबर 2016 को संपन्न हुआ।

bxu l

इगनस, भा.प्रौ.सं. जोधपुर के तकनीकी–सांस्कृतिक उत्सव को 23 से 26 फरवरी 2017 तक मनाया गया। इस उत्सव के दौरान आयोजित किए जाने वाले प्रमुख आयोजनों में रोबोसोकर, नृत्यांश, क्लैश ऑफ बैंड्स, रोबोवार और अंतरंग थे। इन्टरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), सिक्स्थ सेंस रोबोटिक्स, एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट जैसे उपयोगी और रोचक

इग्नस 2017 के दौरान तकनीकी और सांस्कृतिक कार्यक्रम

अंतरा–संस्थान उत्सव

भा.प्रौ.सं. जोधपुर छात्र जिमखाना अपने छात्र समुदाय के लिए अंतरा–संस्थान उत्सव का आयोजन करता है। ये है।

¼d½ Linu

स्पंदन भा.प्रौ.सं. जोधपुर का अंतरा–संस्थान सांस्कृतिक उत्सव है। सामान्यतः यह सत्र का पहला उत्सव होता है, जिसमें उत्साही लोगों, जो कि सांस्कृतिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के अत्यधिक इच्छुक होते है, द्वारा भागीदारी की जाती है। विभिन्न श्रेणियों में नाटक, नृत्य, गायन, साहियत्य, फोटोग्राफी कार्यक्रम, अनौपचारिक और अन्यों में फैशन–शो जैसे क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा के साथ विभिन्न श्रेणियों में विविधता गहन होती है। स्पंदन के तीन दिनों ने पूरे कैम्पस को रातभर तैयारी करने के लिए जगाये रखा। स्पंदन वर्ष में होने वाला पहला सार्वजनिक आयोजन है और इसलिए यह छात्रों को पूरे वर्ष एक–दूसरे के साथ मेल–मिलाप करने का अवसर प्रदान करता है। किसी व्यक्ति के भीतर छुपी हुई सृजनात्मकता को प्रदर्शित करते हुए तथा उत्साह के साथ भागीदारी इस उत्सव का लक्ष्य है।

¼[k½ fuEcy

निम्बल, अंतरा–कॉलेज तकनीकी उत्सव, कॉलेज के तकनीकी छात्रों को उनकी छुपी हुई प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। निम्बल में ;रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रोग्रामिंग जैसे गहन दिमागी तकनीकी और वैज्ञानिक इवेंटों से लेकर ;एंग्री बर्ड, क्विज, क्रिप्टो इत्यादिद्धद्ध जैसे इवेंटों तक की श्रेणी से ओत–प्रोत चार कार्य परिपूर्ण दिन शामिल होते है। इन इवेंटों के अतिरिक्त छात्रों को अत्यधिक श्रम करने के लिए प्रेरित करने हेतु विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रबुद्ध व्यक्तियों द्वारा वार्ताओं का आयोजन किया जाता है चूंकि खोज और अविष्कार का कोई अंत नहीं है।

¼x½ dyk—fr

'कलाकृति' मनोरंजक प्रतिस्पर्धाओं, रोचक कार्यशालाओं और बैक–टू–बैक फिल्म प्रदर्शनियों का समूह है। "चूंकि आप जो भी कल्पना कर सकते है वह वास्तविक होता है" – ये पंक्तियां छात्रों के बीच प्रतिभा को जगाये रखती है और इसका परिणाम काफी रंगारंग होता है। फाइन आर्ट्स तथा क्ले मॉडलिंग से लेकर फोटोग्राफी और वीडियो एडीटिंग तक की श्रेणी में कई इवेंटों के साथ 'कलाकृति' में डिजाइनरों और गैर–डिजाइनरों की एक साथ भागीदारी देखी गई। 'स्क्रिबल दिवस' जैसे इवेंट जो पूरे अंतिम वर्ष के बैच को इकट्ठा करते है जिसमें सभी अन्य छात्र विदाई और विदाई संदेश देते है अथवा उन्हें दिए गए वस्त्र सम्मान भाग पर छाप छोड़ते है। प्रत्येक के मुख पर मुस्कान लाने का एक मार्ग 'कलाकृति' हमारे घनिष्ठ समुदाय में हर्ष, एकता और एकत्रत्व को फैलाने में सफल रहा हैं।

¼?k½ ØhMka'k

क्रीडांश का आयोजन खेल परिषद् द्वारा खेल उत्साहियों को खेलों के लिए उनकी इच्छा को पूरा करने का अवसर प्रदान करने के लिए किया जाता है। गली क्रिकेट, स्ट्रीट फुलबॉल तथा सिंगल कोर्ट, बास्केटबॉल, शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और कई अन्य आउटोडर तथा इनडोर मैचों का आयोजन किया जाता है। भागीदारों तथा आयोजकों का पूर्ण समर्पण क्रीडांश को वर्ष का एक प्रफुल्लित इवेंट बनाए रखता है।

परामर्श सेवाएं

इस टीम का मुख्य उद्देश्य अभिमुखी कार्यक्रम आयोजित करना है। यह नए आने वाले छात्रों को घरेलू एहसास बनाए रखते हुए तथा धीरे–धीरे उन्हें संस्थान में परिवर्तित करते हुए संस्थान में जीवन के साथ गति में समाहित करने के लिए बनाया गया है। परामर्शी सेवा संस्थान की शुरूआत से ही इसका समेकित भाग है। प्रत्येक वर्ष यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ा प्रयत्न करती है कि प्रत्येक छात्र भा.प्रौ.सं. जोधपुर के अधिकांश स्तरों के बारे में जाने और उन सब बातों को समाहित करें जिन्हें संस्थान प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, परामर्श सेवा टीम इस दौरान कुछ छात्रों के समक्ष आने वाली विशिष्ट भाषा संबंधी आवश्यकताओं की देखभाल करती है। यह इस दिशा में हर संभव कदम उठाती है और उनके जीवन प्रयन्त यादगार इस परिवर्तन के लिए कार्य करती है।

परामर्श सेवा टीम में 30 छात्रों के साथ एक संकाय सलाहकार (जिसे छात्र गाइड कहा जाता है) होता है जो छात्रों के कल्याण के लिए कार्य करता है। एक छात्र मार्गदर्शक इस टीम का आधार होता है, जिसमें प्रत्येक मार्गदर्शक अपने दिशा–निर्देश में 8–10 फ्रेशर की समस्याओं को हल करता है। छात्र गाइड छात्रों को छात्रावास में तथा उनके शैक्षिक जीवन में समायोजित करने में सहायता करता है। छात्र गाइड छात्रों के साथ और उनके परिवार के साथ निरंतर संपर्क में रहता है। टीम इस बात को सुनिश्चित करती है कि न केवल छात्र बल्कि उनके अभिभावक भी एक स्वस्थ संबंध बनाए रखने के लिए छात्र गाइड के साथ संपर्क करने का अवसर प्राप्त करें। इस परामर्शी सेवा के भाग के रूप में कॉलेज के कार्यकाल के दौरान निम्नलिखित सभी तीन पहलुओं में छात्रों के विकास का संवर्धन करना इस टीम का कर्तव्य है :–

1. शैक्षिक
2. बाह्य गतिविधियां
3. व्यक्तिगत

इस उद्देश्य के लिए मुद्दों की बड़ी श्रेणी के लिए स्वैच्छिक, गोपनीय और निःशुल्क परामर्शी सेवाएं प्रदान की जाती है, जिनमें शामिल हैं:

1. शैक्षिक सहायताः संस्थान के विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में सूचना, सक्षम समय प्रबंधन कौशल, अध्ययन कौशल से संबंधित सूचना प्रदान करना;
2. व्यक्तिगतः होम–सिकनेस को दूर करना, नए वातावरण और संबंधित कठिनाइयों में समायोजित होना इत्यादि;
3. परामर्शी सलाहः मानसिक–शिक्षा और छात्रों को संदर्भीय सेवाएं;
4. संस्थान तथा छात्रों की मौजूदा बॉडी के साथ मेलजोल।
5. छात्रों को बाह्य अभिरूचि/आदतों की खोज के प्रति प्रोत्साहित करना।

परामर्शी सेवाओं द्वारा छात्रों के समक्ष संस्थान में उनके कॉलेज जीवन के दौरान आ रही कठिनाइयों का सामना करने के लिए व्यक्तिगत दिशा–निर्देश प्रदान करके उनकी चिंताओं और समस्याओं पर भी ध्यान दिया जाता है। परामर्श सेवा टीम द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां संचालित की जाती है

1. संस्थान को एक रैगिंग मुक्त परिसर के रूप में बनाए रखना
2. प्रत्येक वर्ष नए बैच के लिए "उन्मुखी कार्यक्रम" आयोजित करना ताकि उन्हें भा.प्रौ.सं. जोधपुर की संस्कृति परिचित कराया जा सके
3. निम्नलिखित के संबंध में कार्यशालाओं का आयोजन करनारू
   (क) कैरियर काउंसलिंग,
   (ख) तनाव प्रबंधन,
   (ग) समय प्रबंधन,
   (घ) स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता,
   (ड.) व्यावसायिक प्रशिक्षण,
   (च) रिलेशनशिप समस्याएं,
   (छ) होमसिकनेस का सामना करना, और
   (ज) एडिक्शन तथा अन्यय
4. प्रबुद्ध वक्ताओं द्वारा प्रेरणा वार्ताओं का आयोजन
5. निम्नलिखित का संचालन करके छात्रों की शैक्षिक समस्याओं का हल करनारू
   (a) देशी भाषा पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा के सत्र, और
   (b) मूल सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कौशल निर्माण सत्र इत्यादि
6. विभिन्न बैचों के छात्रों के बीच तथा संकाय सदस्यों इत्यादि के साथ संपर्क निर्माण इवेंट का आयोजन करनाय तथा
7. खराब शैक्षिक प्रदर्शन वाले छात्रों की समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से हल करना।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर की परामर्श सेवा द्वारा "परिसर प्रतिपालक प्रणाली" को 2014 में शुरू किया गया था और यह आज भी जारी है। इस प्रणाली में, छात्रों के एक समूह को एक संकाय सदस्य और एक कर्मचारी सदस्य के साथ समबद्ध किया जाता है, जो छात्रों के प्रतिपालक की तरह भूमिका निभाते हैं।

छात्र प्लेसमेंट सेल

छात्र प्लेसेमेंट कार्यालय (ओ.एस.पी.) का संचालन और प्रबंधन अधिकारियों के साथ छात्रों द्वारा किया जाता है जो प्लेसमेंट तथा इंटर्नशिप प्रक्रियाओं का कार्य करते हैं। छात्र विभिन्न कंपनियों से संपर्क करने के कार्य का समन्वय करते हैं, छात्रों के साथ उनके इंटरएक्शन, पूर्व–प्लेसमेंट वार्ता, परीक्षाओं और साक्षात्कारों का प्रबंध करते है।

2016–17 में, कोर इंजीनियरिंग, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, बैंकिंग क्षेत्र, सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों की कम्पनियों ने प्लेसमेंट हेतु भा.प्रौ.सं जोधपुर का दौरा किया।

हमारे कुल 69 छात्र – 67 बी.टेक. और 2 एम.टेक. के छात्रों का, वर्ष 2016–17 में विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट हुआ।

Branch-wise Placement of Undergraduate Students in 2016-17

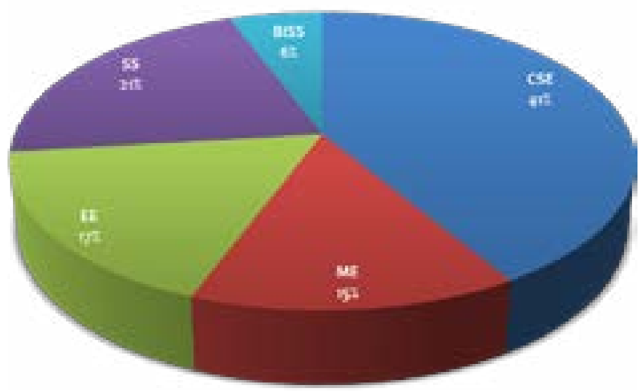

कम्पनीयों और प्लेसमेंट का ब्योरा निम्नानुसार है

lky 2016&2017 ei ch-Vd- d Nk=k dk Iyl eV

क्र.सं.	कंपनी	ब्रांच के अनुसार चुने गए छात्रों की संख्या					नियुक्ति हेतु चयनित छात्रों की कुल संख्या
		सीएसई	एमई	ईई	एसएस	बिस	
1.	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)		1	1			2
2.	बार्क्लेस				1		1
3.	मॉर्गन स्टेनली	2		1			3
4.	आर्सेसियम	1					1
5.	एमाजॉन	6			1		7
6.	न्युक्लिअस सॉफ्टवेर	1					1
7.	टाटा मोटर्स		4				4
8.	टाटा कन्सल्टेंसी सर्विसेज	2	1	4	1		8
9.	नेशनल इंजीनियरिंग सर्विसेज		2				2
10.	महिंद्रा एंड महिंद्रा		2				2
11.	क्रिसिल				1		1
12.	गो जेक	2			3		5
13.	ऑक्सीजन सर्विसेज	1					1
14.	एलएंडटी ईसीसी		2				2
15.	यूडल	1					1
16.	एक्सेंचर				2		2

क्र.सं.	कंपनी	ब्रांच के अनुसार चुने गए छात्रों की संख्या					नियुक्ति हेतु चयनित छात्रों की कुल संख्या
17.	डायरेक्टी	1					1
18.	वोयल्ला	1		1	1		3
19.	कॉग्निजेंट सोल्युशंस	1		2	3		6
20.	एप्टस			2		3	5
21.	इंफोसिस	5					5
22.	माइक्रोसॉफ्ट	3		1			4
	कुल	27	12	12	13	3	67

lky 2016&2017 ei ,e-Vid- di Nk=ki dk Iyi leV

क्र.सं.	कंपनी	ब्रांच के अनुसार चुने गए छात्रों की संख्या		नियुक्ति हेतु चयनित छात्रों की कुल संख्या
		एमई	ईई	
1.	हुंडई	1		1
2.	टाटा कन्सल्टेंसी सर्विसेज		1	1
	कुल	1	1	2

पूर्व छात्र संबंध

संस्थान का पूर्व छात्र संबंध कार्यालय संस्थान के पूर्व छात्रों के लिए कार्य करता है चाहे ये पूर्व छात्र कहीं भी रह रहा हो। यह कार्यालाय एकीकृत अनुभव और यादगारों का समूह है। हम पूर्व छात्रों से हमारे साथ उनके संघर्ष और सफलता की कहानी साझा करने का अनुरोध करते है। संस्थान के ब्रांड एम्बेसडर और परिवर्तन के कारक होने के नाते पूर्व छात्र और संस्थान के बीच यह विशेष संबंध संस्थान तथा विश्व के बीच मूल्यवान आदान–प्रदान का उत्प्रेरक बनना चाहिए।

पूर्व छात्र संबंध कार्यालय का प्रबंधन पूर्व छात्र संबंध समिति द्वारा किया जाता है जिसमें दो संकाय सदस्य और चार छात्र शामिल होते है।

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में कोई भी विशिष्ट डिग्री कार्यक्रम पूरा करने वाले सभी छात्र एल्युमिनी संबंध कार्यालय के आजीवन सदस्य बनते है तथा कोई सदस्यता शुल्क नहीं लिया जाता है।

GATE 2017 में भा.प्रौ.सं. जोधपुर के पूर्व छात्रों ने रैंक प्राप्त किये।

ch-Vd- 2012 dh d{kk d fuEufyf[kr Nk=k u xV 2017 ijh{kk e jd çkIr fd, g

1.	हिमांशु टाकवानी	बी.टेक. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)	AIR 7 (ईई)
2.	चेतन गुप्ता	बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)	AIR 22 (एमई)
3.	सुनील सारन	बी.टेक. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)	AIR 24 (ईई)

भा.प्रौ.सं. जोधपुर में पंजीकृत छात्र

31 मार्च 2016 की स्थिति के अनुसार भा.प्रौ.सं. जोधपुर में संस्थान द्वारा प्रदत्त विभिन्न कार्यक्रमों में कुल 760 पंजीकृत छात्र हैं। निम्नलिखित तालिका इन कार्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों के ब्यौरे को दर्शाती है।

dk;Øe	iathdj.k dk o"kZ	Nk=ksa dh la[;k
पीएच.डी.	2016	18
	2015	38
	2014	33
	2013	27
	2012	17
	2011	15
	2010	1
कुल		**149**
एम.टेक.	2016	20
	2015	24
कुल		**44**
एम.एससी.	2016	25
	2015	14
कुल		**39**
बी.टेक.	2016	121
	2015	112
	2014	129
	2013	166
कुल		**528**
सकल योग		**760**

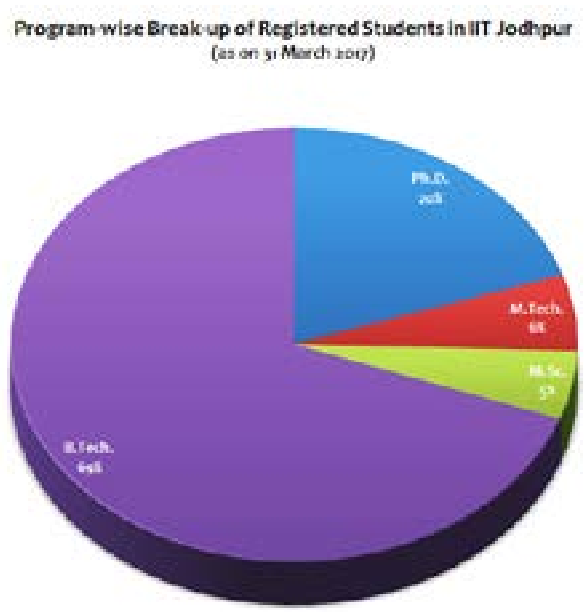

lLFkku }kjk inRr fofHkUu dk;Øeks esa iathd`r Nk=ksa dh dUnk vkj ‘kk[kkvk d vu lkj lph fuEukuqlkj gA

ih,p-Mh- Nk=

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
1.	PG201081502	धर्मेन्द्र सिंह राजपुरोहित	ऊर्जा
2.	PG201181001	दीपेश पाटीदार	ऊर्जा
3.	PG201181003	पुरा राम	ऊर्जा
4.	PG201181004	विकास प्रताप सिंह	ऊर्जा
5.	PG201181005	विकास चंद्र जानू	ऊर्जा
6.	PG201181501	लोकेश सैनी	ऊर्जा
7.	PG201181502	सुरेन्द्र सिंह बरला	ऊर्जा
8.	PG201182005	पुनीत कुमार जैन	आईसीटी
9.	PG201182006	राम निवास माहिया	आईसीटी
10.	PG201182007	रवि राज चौधरी	आईसीटी
11.	PG201182009	सपना रणवा	आईसीटी
12.	PG201182010	सौरभ माहेश्वरी	आईसीटी
13.	PG201182501	अमित भाटी	आईसीटी
14.	PG201183001	रोहन शर्मा	एसएस
15.	PG201183501	परमोद कुमार	एसएस
16.	PG201183502	प्रीति यादव	एसएस
17.	PG201281001	अजय जैन	ऊर्जा
18.	PG201281002	धर्मेश कुमार	ऊर्जा
19.	PG201281003	पूनम शर्मा	ऊर्जा
20.	PG201281004	शेज़ळे किरन प्रकाश	ऊर्जा
21.	PG201282002	दीपक भारती	आईसीटी
22.	PG201282003	गिरिराज व्यास	आईसीटी
23.	PG201282007	राकेश कांजी	आईसीटी
24.	PG201282009	सुरेश दहिया	आईसीटी
25.	PG201282010	वैभव सैनी	आईसीटी
26.	PG201282012	विभा सहलोत	आईसीटी
27.	PG201282501	शिल्पा पांडे	आईसीटी
28.	PG201283001	अनूपा जोशी	एसएस
29.	PG201283003	मानवेन्द्र शर्मा	एसएस
30.	PG201283005	परविंदर सिंह	एसएस
31.	PG201283006	प्रद्युम्न कुमार पांडे	एसएस
32.	PG201283007	राकेश कुमार	एसएस
33.	PG201283008	रणवीर सिंह	एसएस
34.	PG201381001	आदित्य राव गौतम	ऊर्जा
35.	PG201381002	गौतम कुमार गुप्ता	ऊर्जा
36.	PG201381003	ओम प्रकाश महेला	ऊर्जा
37.	PG201381005	रोहिताश कुमार	ऊर्जा
38.	PG201382005	विपिन जोशी	आईसीटी
39.	PG201382002	अनुराग साहू	एसएस
40.	PG201383002	दीप्ती त्रिवेदी	एसएस
41.	PG201383005	राज कुमार सतानकर	एसएस
42.	PG201383006	श्रद्धा चौधरी	एसएस

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
43.	PG201383501	दीपक कुमार	एसएस
44.	PG201383502	दिलीप कुमार	एसएस
45.	PG201383503	मनीष राघव	एसएस
46.	PG201383504	सतेंद्र पाल सिंह	एसएस
47.	PG201383506	विशाल शर्मा	एसएस
48.	PG201384002	अंकिशा विजय	बीआईएसएस
49.	PG201384003	अनुज कुमार भारती	बीआईएसएस
50.	PG201384004	अरुण कुमार उपाध्याय	बीआईएसएस
51.	PG201384005	आयमान अमानुल्ला	बीआईएसएस
52.	PG201384006	भुवनेश राठोड़	बीआईएसएस
53.	PG201384007	कीर्ती दुबे	बीआईएसएस
54.	PG201384008	मेघा सिंह	बीआईएसएस
55.	PG201384009	निधि शर्मा	बीआईएसएस
56.	PG201384010	राहुल बधवार	बीआईएसएस
57.	PG201384011	राखी एन. के.	बीआईएसएस
58.	PG201384012	रिद्धि अग्रवाल	बीआईएसएस
59.	PG201384013	शालिनी सिंह	बीआईएसएस
60.	PG201384014	विभूती जोशी	बीआईएसएस
61.	P14EE001	अजय कुमार महतो	ईई
62.	P14ME001	गुरवीर सिंह	एमई
63.	P14ME003	राकेश जोशी	एमई
64.	P14ME004	राम निवास वर्मा	एमई
65.	P14ME005	संदीप गुप्ता	एमई
66.	P14CS001	हितेष जैन	सीएसई
67.	P14CS002	रवि शर्मा	सीएसई
68.	P14PH001	राजेश कुमार	पीएच
69.	P14PH002	संजोय चटर्जी	पीएच
70.	P14MT001	सुप्रियो दत्ता	एमटी
71.	P14BL002	सचिन व्यास	बीएल
72.	P14BS001	अलंकार अग्रवाल	बीआईएसएस
73.	P14BS002	बिबिन जी आनंद	बीआईएसएस
74.	P14BS004	मंजू कुमारी	बीआईएसएस
75.	P14BS005	शिवांजलि सक्सेना	बीआईएसएस
76.	P14BS006	वंदना	बीआईएसएस
77.	P14BS007	रिभव मिश्रा	बीआईएसएस
78.	P14HS003	सना माईदुल्ला	एचएसएस
79.	P14SS001	ब्रजेश कुमार शुक्ला	एसएस
80.	P14EN001	प्रिया मालपानी	ऊर्जा
81.	P14BL003	अमिताप खंडेलवाल	बीएल
82.	P14CHM001	एरम गुल नाज	सीएचएम
83.	P14CHM002	अभिनव श्रीवास्तव	सीएचएम
84.	P14ME007	अमृता कौरवार	एमई
85.	P14ME008	फड़तरे हनमंत पांडुरंग	एमई
86.	P14PH003	जाविद अहमद नाइकू	पीएच

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
87.	P14PH004	विजेंद्र सिंह भाटी	पीएच
88.	P14VSS001	आदर्श निगम	ईई
89.	P14VSS002	अमरीक सिंह	ईई
90.	P14VSS003	इशान वरुण	ईई
91.	P14VSS004	राहुल कुमार	ईई
92.	P14VSS005	नुपूर राठौड़	ईई
93.	P14VSS006	परवीन	ईई
94.	P15ME001	देवेंद्र सिंह	एमई
95.	P15ME002	लोचन शर्मा	एमई
96.	P15ME003	प्रवेश कुमार	एमई
97.	P15ME004	सुमित महाजन	एमई
98.	P15CY001	देविका लाईशराम	सीएचएम
99.	P15CY002	हरगीत कौर	सीएचएम
100.	P15CY003	ज्योति फौजदार	सीएचएम
101.	P15CY004	आँचल गहलोत	सीएचएम
102.	P15CY005	भावना चौबे	सीएचएम
103.	P15CY006	अर्पिता श्रीवास्तव	सीएचएम
104.	P15CY007	सुमित्रा गोदारा	सीएचएम
105.	P15CS001	अर्क उज्जल डे	सीएसई
106.	P15BL001	ईशान अग्रवाल	बीएल
107.	P15PH001	चांदनी कुमारी	पीएच
108.	P15PH002	ज्योति सैनी	पीएच
109.	P15PH003	खुशबू दीक्षित	पीएच
110.	P15MA001	दिव्या गुप्ता	एमटी
111.	P15MA001	रोहित कुमार	एमटी
112.	P15EE001	अभिषेक साहू	ईई
113.	P15EE002	अर्पिता जैतवाट	ईई
114.	P15EE003	पूनम साहू	ईई
115.	P15EE004	शिवम चतुर्वेदी	ईई
116.	P15VSS001	दिव्या श्रीवास्तव	वीएसएस
117.	P15VSS002	दिव्या शर्मा	वीएसएस
118.	P15VSS003	तुषार शंकर शिंदे	वीएसएस
119.	P15VSS005	महमूद शैक	वीएसएस
120.	P15VSS006	गजेंद्र सिंह चावला	वीएसएस
121.	P15HS201	अभ्रा पॉल	एचएसएस
122.	P15HS202	वरुण	एचएसएस
123.	P15EE201	राजेश शुक्ला	ईई
124.	P15EE202	योगेश कुमार	ईई
125.	P15EE203	राहुल कुमार	ईई
126.	P15VSS201	आदित्य राज	वीएसएस
127.	P15VSS202	नीरज गोयल	वीएसएस
128.	P15VSS203	अभिषेक कुमार	वीएसएस
129.	P15ME201	अनिकेत दिलीप मोंडे	एमई
130.	P15ME202	विभूति भूषण पांडे	एमई

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
131.	P15ME203	अंकित अग्रवाल	एमई
132.	P16CY001	गौरव बहुगुणा	सीवाई
133.	P16CY002	उर्गुंडे अजय भीमाशंकर	सीवाई
134.	P16CS002	प्रतिभा चौधरी	सीएसई
135.	P16CS003	श्रेया गोयल	सीएसई
136.	P16EE001	अमित कुमार गंगवार	ईई
137.	P16EE002	गौरव जाजू	ईई
138.	P16HS002	प्रकाश प्रजापत	एचएसएस
139.	P16MA001	प्रशांत कुमार	एमए
140.	P16ME001	अमित श्रीवास्तव	एमई
141.	P16ME002	सचिन कालिया	एमई
142.	P16ME003	सतीश	एमई
143.	P16ME004	विश्व दीपक कुमार	एमई
144.	P16ME005	वारिस नवाज खान	एमई
145.	P16PH001	रजनीश चौरसिया	पीएच
146.	P16PH002	राम मिलन सहानी	पीएच
147.	P16VSS001	दीपक	वीएसएस
148.	P16VSS002	नवीन कुमार मंगल	वीएसएस
149.	P16VSS003	विवेक रघुवंशी	वीएसएस

Lukr dkÙkj Nk=

एम.टेक. छात्र, बैच 2015

Ø-l-	jksy u-	uke	dkæ@foHkkx
1.	M15ME002	अशोक वर्मा	एमई
2.	M15ME003	दीपक रैना	एमई
3.	M15ME004	हिमांशु गौर	एमई
4.	M15ME006	नारायण कुमार	एमई
5.	M15ME007	नवीन	एमई
6.	M15ME008	नेहा अरोड़ा	एमई
7.	M15ME009	संकल्प सिंह	एमई
8.	M15ME010	शिव राम सुथार	एमई
9.	M15ME011	श्रवण सिंह राव	एमई
10.	M15ME012	शुभेंदु प्रशांत सिंह	एमई
11.	M15ME013	तुषार लोहोरा	एमई
12.	M15ME014	विवेक त्रिपाठी	एमई
13.	M15EE004	चंद्रशेखर भारद्वाज	एमई
14.	M15EE005	दिनेश जांगिड़	एमई
15.	M15EE007	इतिशा चौहान	एमई
16.	M15EE008	लोबजांग नामगैल	एमई
17.	M15EE009	मोहित कच्छवाहा	एमई
18.	M15EE010	प्रकृति आर्य	एमई
19.	M15EE011	प्रियंका सिध्धा	एमई
20.	M15EE013	सौरभ रावल	एमई
21.	M15EE014	विनीत कुमार	एमई
22.	M15EE016	अनिल कुमार	एमई
23.	M15EE017	जितेंद्र कुमार	एमई
24.	M15EE018	जोशी सोनल सुनील	एमई

एम.टेक. छात्र, बैच 2016

Ø-l-	jksy u-	uke	dkæ@foHkkx
1.	M16EE001	अनिकेत चतुर्वेदी	ईई
2.	M16EE002	अरिमर्दन सिंह चौहान	ईई
3.	M16EE003	जितेंद्र राठौड़	ईई
4.	M16EE006	शिवम वर्मा	ईई
5.	M16EE008	विपुल कुमार	ईई
6.	M16EE010	अटल तिवारी	ईई
7.	M16EE011	श्याम सुंदर मौर्य	ईई
8.	M16ME001	कोविद गोयल	एमई
9.	M16ME002	जितेंद्र कुमार	एमई
10.	M16ME003	प्रतीक वी. पालिवाल	एमई
11.	M16ME004	विकास कुमार उपाध्याय	एमई
12.	M16ME005	मुहम्मद अशर तुफ़ैल	एमई
13.	M16ME006	सुनील	एमई
14.	M16ME007	ओज चावला	एमई
15.	M16ME008	लीलाधर शर्मा	एमई
16.	M16ME009	दिलीप कुमार	एमई

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
17.	M16ME010	उपेंद्र यादव	एमई
18.	M16ME011	मनीष कुमार जायसवाल	एमई
19.	M16ME012	सुमेर चंद सैनी	एमई
20.	M16ME013	रोहित वर्मा	एमई

एम.एससी. छात्र, बैच 2015

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
1.	M15CY003	पूजा	रसायन शास्त्र
2.	M15CY004	प्रणय राजबंग्शी	रसायन शास्त्र
3.	M15CY006	सुमन धारा	रसायन शास्त्र
4.	M15CY008	विकास कुमार	रसायन शास्त्र
5.	M15CY009	विनय उनियाल	रसायन शास्त्र
6.	M15PH001	आशीष कुमार	भौतिकी
7.	M15PH002	बर्नार्ड लालरोलियाना	भौतिकी
8.	M15PH005	निधिनाथ सथ्यन	भौतिकी
9.	M15PH007	रश्मि मेहला	भौतिकी
10.	M15PH008	संजीदा भारती दास	भौतिकी
11.	M15PH011	विक्रांत चौधरी	भौतिकी
12.	M15MA001	आरती बलाना	गणित
13.	M15MA004	भाग्य श्री मीणा	गणित
14.	M15MA007	धर्मेंद्र कुमार गुर्जर	गणित

एम.एससी. छात्र, बैच 2015

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
1.	M16CY001	आरती	रसायन शास्त्र
2.	M16CY002	अजीतेश कुमार	रसायन शास्त्र
3.	M16CY003	अक्षय कुमार आर	रसायन शास्त्र
4.	M16CY004	चेस्टा	रसायन शास्त्र
5.	M16CY005	मोहित सोलंकी	रसायन शास्त्र
6.	M16CY006	नीलम पाल	रसायन शास्त्र
7.	M16CY007	नेहा कुमारी	रसायन शास्त्र
8.	M16CY008	साक्षी भगत	रसायन शास्त्र
9.	M16CY009	विनोद सिंह अधिकारी	रसायन शास्त्र
10.	M16CY010	विपिन कम्बोज	रसायन शास्त्र
11.	M16CY011	रचना शर्मा	रसायन शास्त्र
12.	M16PH002	राधा रमन	भौतिकी
13.	M16PH003	रुचि शर्मा	भौतिकी
14.	M16PH004	सागर सतीश झा	भौतिकी
15.	M16PH005	शालु यादव	भौतिकी
16.	M16PH006	शिल्पी बोस	भौतिकी
17.	M16MA001	अमित पुनिया	गणित
18.	M16MA002	अंकुश	गणित
19.	M16MA003	चांदनी अरोरा	गणित
20.	M16MA004	कंचन	गणित
21.	M16MA005	क्षितिज कुमार पांडे	गणित
22.	M16MA006	नीरज	गणित
23.	M16MA007	श्रेष्ठ कुमार	गणित
24.	M16MA008	सुष्मिता चंदेल	गणित
25.	M16MA009	विद्या सागर	गणित

voj Lukrd Nk=

ch-Vd- Nk=] cSp 2013

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
1.	UG201310001	आकाश असीजा	सीएसई
2.	UG201310002	आयुश शारदा	सीएसई
3.	UG201310003	अभय कुमार सिंह	सीएसई
4.	UG201310004	अमन	सीएसई
5.	UG201310005	अमित जैन	सीएसई
6.	UG201310006	अंजली मालव	सीएसई
7.	UG201310007	अर्चित अग्रवाल	सीएसई
8.	UG201310008	अरनव चौपड़ा	सीएसई
9.	UG201310009	अरनव जिंदल	सीएसई
10.	UG201310010	अवन जयेन्द्र राठौड़	सीएसई
11.	UG201310011	भारती	सीएसई
12.	UG201310012	भारती आर्य	सीएसई
13.	UG201310013	दीशांत गोयल	सीएसई
14.	UG201310015	कार्तिक सिंह	सीएसई
15.	UG201310016	कोमांडूरि साई राघव	सीएसई
16.	UG201310017	कुशाग्र सुराणा	सीएसई
17.	UG201310019	मकरंद मिलिंद गोमशे	सीएसई
18.	UG201310020	मुट्टिनेनि नव्या	सीएसई
19.	UG201310021	निखिल जीवनसिंह ताजी	सीएसई
20.	UG201310022	नितिन वी.	सीएसई
21.	UG201310023	पीयूष यादव	सीएसई
22.	UG201310024	प्रियंका आर्या	सीएसई
23.	UG201310025	राजकुमार मीणा	सीएसई
24.	UG201310026	रमेश मीणा	सीएसई
25.	UG201310027	रवि प्रकाश गुप्ता	सीएसई
26.	UG201310028	रविन्द्र कुमार सैनी	सीएसई
27.	UG201310029	रितीक श्रीवास्तव	सीएसई
28.	UG201310030	शिव भगवान	सीएसई
29.	UG201310031	शिव कुमार सेन	सीएसई
30.	UG201310032	शिव मोहन	सीएसई
31.	UG201310033	शुभम सक्सेना	सीएसई
32.	UG201310035	सौरव खोसो	सीएसई
33.	UG201310036	सुरेश गहलोत	सीएसई
34.	UG201310037	तपन भटनागर	सीएसई
35.	UG201310038	उपेन्द्र सिंह चौहान	सीएसई
36.	UG201310039	वाघेला राजन अरविंदकुमार	सीएसई

Ø-l-	jky u-	uke	dæ@foHkkx
37.	UG201310040	वैभव पालीवाल	सीएसई
38.	UG201310041	विवेक लाटा	सीएसई
39.	UG201310042	कौस्तुभ कुमार	सीएसई
40.	UG201310043	क्षितिज संदीप मिनोचा	सीएसई
41.	UG201311001	अभिषेक अग्रवाल	ईई
42.	UG201311002	अभिषेक जाजू	ईई
43.	UG201311003	अभिषेक कुमार यादव	ईई
44.	UG201311004	अमित कुमार	ईई
45.	UG201311005	अनिरुद्व सिंह शेखावत	ईई
46.	UG201311006	अंकित गर्ग	ईई
47.	UG201311007	अंशुल अग्रवाल	ईई
48.	UG201311008	अंशुल यादव	ईई
49.	UG201311009	अशोक कुमार	ईई
50.	UG201311010	आशुतोष गुप्ता	ईई
51.	UG201311011	आशुतोष वैश्नव	ईई
52.	UG201311012	भभुता राम	ईई
53.	UG201311013	दिनेश कुमार दानव	ईई
54.	UG201311014	दीपेन्द्र सिंह रिद्मलोट	ईई
55.	UG201311015	एकांत कुमार	ईई
56.	UG201311016	गुरपिंदर सिंह	ईई
57.	UG201311017	हेडे तेजन रोहित	ईई
58.	UG201311018	हेमंत मीना	ईई
59.	UG201311019	कनिका महाजन	ईई
60.	UG201311020	खुशबू सक्सेना	ईई
61.	UG201311022	मोहित गुप्ता	ईई
62.	UG201311023	निरंजन सनोडिया	ईई
63.	UG201311024	पाडूरु कंदर्प साई	ईई
64.	UG201311025	प्रखर गुप्ता	ईई
65.	UG201311026	राहुल जैन	ईई
66.	UG201311027	राजेन्द्र कुमार यादव	ईई
67.	UG201311028	रामदेव भिचार	ईई
68.	UG201311029	रिशिकेश मीणा	ईई
69.	UG201311030	श्रद्धा गर्ग	ईई
70.	UG201311031	सिद्धांत जैन	ईई
71.	UG201311032	सिसौदिया वृशाली	ईई
72.	UG201311033	स्नेहा गुप्ता	ईई
73.	UG201311034	सुमित पेगवाल	ईई
74.	UG201311035	सुशांत गौतम	ईई

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
75.	UG201311036	सैय्यद अफ़शान अली	ईई
76.	UG201311037	तल्लोजु जवाहर	ईई
77.	UG201311038	तिलोका राम	ईई
78.	UG201311039	वी. अश्विन	ईई
79.	UG201311040	वैभव शर्मा	ईई
80.	UG201312001	आदित्य सक्सेना	एमई
81.	UG201312002	अखिल मेहता	एमई
82.	UG201312003	अमित कुमार	एमई
83.	UG201312004	अंकित रायपुरिया	एमई
84.	UG201312005	अर्पित कुमार गहलोत	एमई
85.	UG201312006	आयुष रैना	एमई
86.	UG201312007	बलवीर डागा	एमई
87.	UG201312008	भास्करज्योति बर्मन	एमई
88.	UG201312009	धीरज कुमार सिसौदिया	एमई
89.	UG201312010	ड्रॉन एरॉन	एमई
90.	UG201312011	हार्दिक जैन	एमई
91.	UG201312012	हर्ष वर्धन श्रीवास्तव	एमई
92.	UG201312013	हिमांशु अग्रवाल	एमई
93.	UG201312014	हिमांशु कुमार सिंह	एमई
94.	UG201312015	हिमांशु शर्मा	एमई
95.	UG201312016	के. लक्ष्मी फाल्गुनि	एमई
96.	UG201312017	कनुगंटि वमशी	एमई
97.	UG201312018	लक्ष्य भट्ट	एमई
98.	UG201312019	लक्ष्मण कुमार	एमई
99.	UG201312020	लोकेश स्वामी	एमई
100.	UG201312021	मनीष राजेन्द्र जाधव	एमई
101.	UG201312022	मयंक गुप्ता	एमई
102.	UG201312023	मोहम्मद फ़िरोज़	एमई
103.	UG201312024	मोहित अग्रवाल	एमई
104.	UG201312025	पटेल हर्ष भूपेन्द्रभाई	एमई
105.	UG201312026	प्रद्युम्न मीणा	एमई
106.	UG201312027	प्रखर श्रीवास्तव	एमई
107.	UG201312028	पुष्पेन्द्र ध्रुवे	एमई
108.	UG201312029	पुष्पेन्द्र मिश्रा	एमई
109.	UG201312030	रोहन कुमार	एमई
110.	UG201312031	रोहित सिंह	एमई
111.	UG201312032	सचिन	एमई

Ø-l-	jky u-	uke	dæ@foHkkx
112.	UG201312033	शुभम शौर्या	एमई
113.	UG201312034	शुभम तेजी	एमई
114.	UG201312035	वाघेला नीरव जितेन्द्रकुमार	एमई
115.	UG201312036	वैभव जैन	एमई
116.	UG201312037	विकास कुमार	एमई
117.	UG201312038	विक्रांत अरोड़ा	एमई
118.	UG201312039	विराट श्रीवास्तव	एमई
119.	UG201313002	अमन अजमेरा	एसएस
120.	UG201313003	अनिरुद्ध व्यास	एसएस
121.	UG201313004	अरविंद सैनी	एसएस
122.	UG201313005	आयुष भास्कर	एसएस
123.	UG201313006	दारपनेनि चंदना	एसएस
124.	UG201313007	दीपिका जल्लि	एसएस
125.	UG201313008	दीपेश गर्ग	एसएस
126.	UG201313010	गायकवाड़ संग्राम दशरथ	एसएस
127.	UG201313011	गौरव सिंह	एसएस
128.	UG201313013	जयंत कारपेन्टर	एसएस
129.	UG201313014	जयंत वी. खापड़े	एसएस
130.	UG201313015	जोशी अच्युत संजय लिंगा	एसएस
131.	UG201313016	लिंगाल प्रशांत कुमार	एसएस
132.	UG201313017	मन्दीप	एसएस
133.	UG201313018	नरेश कुमार प्रजापती	एसएस
134.	UG201313019	पी. मनीषा	एसएस
135.	UG201313020	पंकज पंवार	एसएस
136.	UG201313021	पंकज यादव	एसएस
137.	UG201313023	पेर्ला सुकेश	एसएस
138.	UG201313024	पिंकेश कुमार	एसएस
139.	UG201313025	प्रभाष जैन	एसएस
140.	UG201313026	प्रखर माथुर	एसएस
141.	UG201313027	प्रमोद कुमार	एसएस
142.	UG201313028	प्रशांत कुमार	एसएस
143.	UG201313029	पुलवर्ति अनिरुद्ध	एसएस
144.	UG201313030	रोहिल सुराणा	एसएस
145.	UG201313031	रोहित कुमार	एसएस
146.	UG201313032	सरोज प्रसाद छतोई	एसएस
147.	UG201313034	शीला मीणा	एसएस
148.	UG201313035	शिप्रा जैन	एसएस
149.	UG201313036	शुभम सिंह	एसएस

Ø-l-	jky u-	uke	dæ@foHkkx
150.	UG201313037	तरुण देविरेड्डी	एसएस
151.	UG201313038	विशाल कुमार	एसएस
152.	UG201314001	अभिषेक ठोम्बरे	बीआईएसएस
153.	UG201314002	आदित्य चौधरी	बीआईएसएस
154.	UG201314003	अजय कुमार कुमावत	बीआईएसएस
155.	UG201314004	अरनव मिश्रा	बीआईएसएस
156.	UG201314005	चंद्रेश कुमार	बीआईएसएस
157.	UG201314006	धनजीत ब्रह्मा	बीआईएसएस
158.	UG201314007	हिमांशु सिकारिया	बीआईएसएस
159.	UG201314008	जलज शर्मा	बीआईएसएस
160.	UG201314011	कुलदीप मीणा	बीआईएसएस
161.	UG201314012	निशा कुमारी	बीआईएसएस
162.	UG201314013	प्रांजल सिंह	बीआईएसएस
163.	UG201314014	राकेश यादव	बीआईएसएस
164.	UG201314015	शरथ चल्लपल्लि	बीआईएसएस
165.	UG201314017	श्रेया माहेश्वरी	बीआईएसएस
166.	UG201314018	उज्ज्वल आनंद	बीआईएसएस

ch-Vd- Nk=] cp 2014

Ø-l-	jky u-	uke	dæ@foHkkx
1.	B14CS001	अभिमन्यु सिंह गौर	सीएसई
2.	B14CS002	अभिनव राय	सीएसई
3.	B14CS003	अजीत गोयल	सीएसई
4.	B14CS004	अजीत उज्ज्वल	सीएसई
5.	B14CS005	अंकिता मुज़ाल्दा	सीएसई
6.	B14CS006	अन्नुये जेत्र	सीएसई
7.	B14CS007	अनुराग सन्याल	सीएसई
8.	B14CS008	अर्चिल कुमार श्रीवास्तव	सीएसई
9.	B14CS009	आशीष साहू	सीएसई
10.	B14CS010	आयुष अग्रवाल	सीएसई
11.	B14CS011	बी. श्री सिद्धार्थ	सीएसई
12.	B14CS012	भरत सिंह	सीएसई
13.	B14CS013	चौधरी अक्षय गजानन	सीएसई
14.	B14CS014	देवल पारगल	सीएसई
15.	B14CS015	ध्रुव शर्मा	सीएसई
16.	B14CS016	एद्दुल हरिहर रेड्डी	सीएसई
17.	B14CS017	गणेश भीमराव पाटिल	सीएसई
18.	B14CS018	गरिमेल्ळ श्रवण	सीएसई
19.	B14CS019	गौरव कमल	सीएसई
20.	B14CS020	गुटापु राज कुमार	सीएसई
21.	B14CS021	हितेश हिंगोरानी	सीएसई
22.	B14CS022	कोम्मूरु विनय कुमार	सीएसई

Ø-l-	jky u-	uke	dæ@foHkkx
23.	B14CS023	महेन्द्र मीणा	सीएसई
24.	B14CS024	मनीष गोयल	सीएसई
25.	B14CS025	प्रवीण अरोड़ा	सीएसई
26.	B14CS026	पुष्पेन्द्र	सीएसई
27.	B14CS027	रिंकू कुमार मीणा	सीएसई
28.	B14CS028	ऋषभ शुक्ला	सीएसई
29.	B14CS029	रोबिन गौर	सीएसई
30.	B14CS030	रोहित पालीवाल	सीएसई
31.	B14CS031	साहिल धीमान	सीएसई
32.	B14CS032	संदीप चरन	सीएसई
33.	B14CS033	रोहन गोविंद सर्राफ़	सीएसई
34.	B14CS034	सौरव सुमन	सीएसई
35.	B14CS035	शुभम जैन	सीएसई
36.	B14CS036	स्नेहल आज़ाद	सीएसई
37.	B14CS037	सुनील चौधरी	सीएसई
38.	B14CS039	वरुण कुमार	सीएसई
39.	B14CS040	विजय कुमार पालीवाल	सीएसई
40.	B14CS041	अंगद सिंह सभरवाल	सीएसई
41.	B14CS042	महक जैन	सीएसई
42.	B14CS043	मोहित मेहता	सीएसई
43.	B14EE001	अभिशेक मंड़वले	ईई
44.	B14EE002	अभिषेक मीणा	ईई
45.	B14EE003	अक्षत श्रीवास्तव	ईई
46.	B14EE004	आनंद कुमार	ईई
47.	B14EE005	अंकुश गर्ग	ईई
48.	B14EE006	अनुषा गुप्ता	ईई
49.	B14EE007	अर्चित शर्मा	ईई
50.	B14EE009	दारा शाण्मुख साई संजय गुप्ता	ईई
51.	B14EE010	दीपांशू भोजक	ईई
52.	B14EE011	गुन्टुकु दीपक	ईई
53.	B14EE012	हिमांशु वर्मा	ईई
54.	B14EE013	जायसवाल रौनक नीलेश	ईई
55.	B14EE014	जय भाविन सेठ़	ईई
56.	B14EE015	कनिका जाखड़	ईई
57.	B14EE016	कविति सरथ कल्याण	ईई
58.	B14EE017	कुमारी सौम्या	ईई
59.	B14EE021	नवीन कुमार चित्तौरिया	ईई
60.	B14EE022	परमार सन्नी मुकेशकुमार	ईई
61.	B14EE023	पीयूष शर्मा	ईई
62.	B14EE024	राहुल नेगी	ईई
63.	B14EE025	रमेश कुमार	ईई
64.	B14EE026	रवीन्द्र परिहार	ईई
65.	B14EE027	ऋषभ भारद्वाज	ईई
66.	B14EE028	रीतू सिंह	ईई
67.	B14EE029	सचिन मंडोवारा	ईई
68.	B14EE030	शाह नीलकुमार सुरेशकुमार	ईई
69.	B14EE031	शिवानी मीणा	ईई
70.	B14EE032	शौनक कुलकर्णी	ईई

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
71.	B14EE033	सुधीर प्रताप यादव	ईई
72.	B14EE034	थारा गिरिराज प्रसाद	ईई
73.	B14EE035	तृप्ति मीणा	ईई
74.	B14EE036	वंशी पृथ्वी चिंतागुंटाला	ईई
75.	B14EE037	वनम भानु साई सिम्हा	ईई
76.	B14EE038	विदित जैन	ईई
77.	B14EE039	विवेक	ईई
78.	B14EE040	यशार्थ साहू	ईई
79.	B14ME001	अभिषेक शर्मा	एमई
80.	B14ME003	अखिल बिंदल	एमई
81.	B14ME004	अक्षय विनय बापट	एमई
82.	B14ME005	अमन	एमई
83.	B14ME006	आनन्दु सुरेश	एमई
84.	B14ME007	बंडि साई मुकेश	एमई
85.	B14ME008	बोघारा पृथ्वी रमेशभाई	एमई
86.	B14ME010	जैरी मैथ्यू ऊम्मेन	एमई
87.	B14ME011	कार्तिक वेंकट रामचन्द्रुनी	एमई
88.	B14ME012	कटकम् हर्ष साई मनोहर	एमई
89.	B14ME013	कुलदीप मीणा	एमई
90.	B14ME014	माधवेन्द्र तिवारी	एमई
91.	B14ME015	मनोज मालवीय	एमई
92.	B14ME016	मोहम्मद शारे	एमई
93.	B14ME017	मोहित विजय	एमई
94.	B14ME019	पारेल्ळा रवितेजा	एमई
95.	B14ME021	पवन कुमार	एमई
96.	B14ME022	पोतुला कृष्णतेजा	एमई
97.	B14ME023	रचित	एमई
98.	B14ME024	राहुल छनानिया	एमई
99.	B14ME025	राजेंद्र मंदा	एमई
100.	B14ME026	ऋषभ बड़ोदिया	एमई
101.	B14ME027	संतोü शिवा	एमई
102.	B14ME028	संतोष एम.	एमई
103.	B14ME030	शिंदे शुभम भास्कर	एमई
104.	B14ME031	शिवम जायसवाल	एमई
105.	B14ME032	शिवम श्रीवास्तव	एमई
106.	B14ME034	शुभम कौशल	एमई
107.	B14ME035	सुथारिया मोनार्क	एमई
108.	B14ME036	सुयोग बोधानकर	एमई
109.	B14ME037	उदित सिंह परिहार	एमई
110.	B14ME038	उमा शंकर शर्मा	एमई
111.	B14ME039	वंदिती माथुर	एमई
112.	B14ME040	वेदांत भुयार	एमई
113.	B14SS003	बी. साई चैतन्या	एसएस
114.	B14SS006	देवांशू भाविन कथेर्चा	एसएस
115.	B14SS007	के. तेजस रेड्डी	एसएस
116.	B14SS008	कट्रगड्डा कार्तिक	एसएस
117.	B14SS009	मानसी मित्तल	एसएस
118.	B14SS011	प्रणाली पवार	एसएस

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
119.	B14SS013	राज प्रजापत	एसएस
120.	B14SS017	श्रेयांश छाजेड़	एसएस
121.	B14SS018	तेजस गट्टानी	एसएस
122.	B14SS019	वैभव बबन गनेर	एसएस
123.	B14BS005	दिनेश कुमार मौर्य	बीआईएसएस
124.	B14BS006	दिव्या नवल	बीआईएसएस
125.	B14BS009	कुमार वेंकटेश्वर	बीआईएसएस
126.	B14BS011	महेश	बीआईएसएस
127.	B14BS014	साहिल भाटिया	बीआईएसएस
128.	B14BS015	शुभम तलवार	बीआईएसएस
129.	B14BS016	विशाल वर्मा	बीआईएसएस

ch-Vsd- Nk=] cSp 2015

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
1.	B15CS001	अभिषेक साह	सीएसई
2.	B15CS002	आदित्य अग्रवाल	सीएसई
3.	B15CS003	आकाश गुप्ता	सीएसई
4.	B15CS004	अक्षय अग्रवाल	सीएसई
5.	B15CS005	अमितांश गंगवार	सीएसई
6.	B15CS006	अमोल ठाकुर	सीएसई
7.	B15CS007	अनंत कुमार सिंह	सीएसई
8.	B15CS008	अंकित कुमार	सीएसई
9.	B15CS009	अनमोल छाबड़ा	सीएसई
10.	B15CS010	आर्यमन सिंह	सीएसई
11.	B15CS011	आशीष मित्तल	सीएसई
12.	B15CS012	आशीष यादव	सीएसई
13.	B15CS013	बगन्नागरी विनय कुमार रेड्डी	सीएसई
14.	B15CS014	भामरे निखिल दरयावसिंग	सीएसई
15.	B15CS015	भूमा अयप्पा सुमंत	सीएसई
16.	B15CS016	दीवान सिंह	सीएसई
17.	B15CS017	दिव्यांश अग्रवाल	सीएसई
18.	B15CS018	हर्ष अक्षित	सीएसई
19.	B15CS019	हर्षित सिंह	सीएसई
20.	B15CS020	इंद्र कुमार मालव	सीएसई
21.	B15CS021	जौकानी विनीत प्रदीप	सीएसई
22.	B15CS022	कन्सागरा भार्गव दिनेशभाई	सीएसई
23.	B15CS023	किशन शर्मा	सीएसई
24.	B15CS024	कोन्गी अरुनश्रीवर्धन	सीएसई
25.	B15CS025	मरली जगदीश	सीएसई
26.	B15CS027	प्रवीण कुमार टी	सीएसई
27.	B15CS028	रजत कोलाहल	सीएसई
28.	B15CS029	रजत मंगला	सीएसई
29.	B15CS030	राजेश मीणा	सीएसई
30.	B15CS031	राशि साहू	सीएसई
31.	B15CS032	रश्मि साहू	सीएसई

Ø-l-	jksy u-	uke	dkæ@foHkkx
32.	B15CS033	रिषभ अरुण कनाबर	सीएसई
33.	B15CS034	शुभम कुमार	सीएसई
34.	B15CS035	शुक्ला अनुग्रह हरीश कुमार	सीएसई
35.	B15CS036	सिंगमसेट्टी संदीप	सीएसई
36.	B15CS037	सुशील कुमार	सीएसई
37.	B15CS038	स्वप्निल गणेश अठावले	सीएसई
38.	B15CS039	विनायक सिंगला	सीएसई
39.	B15CS040	विशेष मिस्त्री	सीएसई
40.	B15EE003	अक्षत अग्रवाल	ईई
41.	B15EE004	अमितेश कुमार जिज्ञासु	ईई
42.	B15EE005	अनुराग	ईई
43.	B15EE006	आशीष गंभीर	ईई
44.	B15EE007	बी विश्वेश्वरैया	ईई
45.	B15EE008	भंवर सिंह चौधरी	ईई
46.	B15EE009	ब्रज राज नगर	ईई
47.	B15EE010	चिरायु पाराशर	ईई
48.	B15EE011	धीरज धारीवाल	ईई
49.	B15EE012	दिव्यांशु अग्रवाल	ईई
50.	B15EE013	गडदे हर्षवर्धन	ईई
51.	B15EE014	ज्ञानदीप सिंह	ईई
52.	B15EE015	इन्दरप्रीत सिंह छाबड़ा	ईई
53.	B15EE016	जीत शाह	ईई
54.	B15EE017	करनवीर सिंह ठाकुर	ईई
55.	B15EE018	कृणाल संजय चिरमाड़े	ईई
56.	B15EE019	कुलदीप वर्मा	ईई
57.	B15EE020	ललित कुमार बमनावत	ईई
58.	B15EE021	मिलिंद सिंघल	ईई
59.	B15EE022	निखिल नेगी	ईई
60.	B15EE023	नीलेश कुमार तिवारी	ईई
61.	B15EE024	प्रदीप चौधरी	ईई
62.	B15EE025	प्रणब कुमार	ईई
63.	B15EE026	राहुल मीणा	ईई
64.	B15EE028	रामनारायण चौधरी	ईई
65.	B15EE029	रिया चौधरी	ईई
66.	B15EE030	समीर जलुठारिया	ईई
67.	B15EE031	सार्थक देसाई	ईई
68.	B15EE032	सौरभ जांगिड	ईई
69.	B15EE034	शितेंद्र कुमार त्यागी	ईई
70.	B15EE035	श्रेयस मलकार्जुन पाटिल	ईई
71.	B15EE036	शुभम भार्गव	ईई
72.	B15EE037	सोमेंदर सिंह	ईई
73.	B15EE038	सोनू कुमार	ईई
74.	B15EE039	वाडे कीर्ति ऐश्वर्या	ईई
75.	B15EE040	वैभव शर्मा	ईई
76.	B15ME001	आरुष गुप्ता	एमई
77.	B15ME002	अभिनय कुमार	एमई
78.	B15ME003	अभिषेक मीणा	एमई
79.	B15ME004	आदित्य राज मालवीय	एमई

Ø-l-	jksy u-	uke	dkslZ@foHkkx
80.	B15ME006	अलुकापल्ली ज्ञानदीप	एमई
81.	B15ME007	अनिकेत जनराव	एमई
82.	B15ME008	अंकित जांगिड	एमई
83.	B15ME009	अंकित मंगल	एमई
84.	B15ME010	आशुतोष पाठक	एमई
85.	B15ME012	आयुष उपाध्याय	एमई
86.	B15ME013	चंद्रप्रताप सिंह रघुवंशी	एमई
87.	B15ME014	धगाश देसाई	एमई
88.	B15ME015	दिव्यांशु गोयल	एमई
89.	B15ME016	गांदी राजेश	एमई
90.	B15ME017	गौरव मीणा	एमई
91.	B15ME018	गौरव जीनगर	एमई
92.	B15ME019	कार्तिक मोहन	एमई
93.	B15ME021	केशेट्टी साई सूर्या	एमई
94.	B15ME023	कृष्णा गोयल	एमई
95.	B15ME024	मेका ललित साई चंद्र रेड्डी	एमई
96.	B15ME025	मुकुल बंसल	एमई
97.	B15ME026	नक्का संकेत गंगाधर	एमई
98.	B15ME027	नीलांश कम्बोज	एमई
99.	B15ME028	नीतीश कुमार	एमई
100.	B15ME030	पेरीसेतला श्रीनिवास दीपक	एमई
101.	B15ME031	कादरी सैयद मुज्तबा सैयद मकसूद	एमई
102.	B15ME032	रमेश कुमार	एमई
103.	B15ME033	ऋत्विक कुलकर्णी	एमई
104.	B15ME034	सौरभ यादव	एमई
105.	B15ME035	शरण सारसर	एमई
106.	B15ME036	सोमेश शर्मा	एमई
107.	B15ME037	सुनील कुमार साखनिया	एमई
108.	B15ME038	वर्था दिव्येश यशवंत	एमई
109.	B15ME039	विनीत सिंह चौहान	एमई
110.	B15ME040	विवेक कुमार सिंह	एमई
111.	B15BS001	अंकुर कम्बोज	एमई
112.	B15ME005	आकाश गुप्ता	एमई

ch-Vsd- Nk=] cSp 2016

Ø-l-	jksy u-	uke	dkslZ@foHkkx
1.	B16CS001	अभिनव सुथार	सीएसई
2.	B16CS002	अजत प्रभा	सीएसई
3.	B16CS003	अक्षय मालव	सीएसई
4.	B16CS004	आशुतोष कुमार जाटव	सीएसई
5.	B16CS005	आशुतोष यादव	सीएसई
6.	B16CS006	चेतन प्रकाश मीणा	सीएसई
7.	B16CS007	चित्राक्ष सदायत	सीएसई
8.	B16CS008	हिमांशु धनखर	सीएसई
9.	B16CS009	कट्टा राजशेखर	सीएसई
10.	B16CS010	कवीश गंभीर	सीएसई

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
11.	B16CS011	कुलदीप सिंह जांगिड़	सीएसई
12.	B16CS012	लक्ष्य गर्ग	सीएसई
13.	B16CS013	लविश सिंगला	सीएसई
14.	B16CS014	माचबाथूनी विजय सिद्धार्थ	सीएसई
15.	B16CS015	मानवेंद्र सिंह कुशवाह	सीएसई
16.	B16CS016	मेहता मीत	सीएसई
17.	B16CS017	नागलगाँकर विनय रामकिशन	सीएसई
18.	B16CS018	नागेली बालमल्लेश	सीएसई
19.	B16CS019	नर्मला मोरया मिथरा	सीएसई
20.	B16CS020	निखिल श्रीवास्तव	सीएसई
21.	B16CS021	निकुंज कुमार लबाना	सीएसई
22.	B16CS022	निरने शिवम चंद्रकांत	सीएसई
23.	B16CS023	पराटे अनिकेत किशोर	सीएसई
24.	B16CS024	पारिधि गहलोत	सीएसई
25.	B16CS025	पटेल श्रेया हसमुख	सीएसई
26.	B16CS026	काजी साजिद आजम	सीएसई
27.	B16CS027	राहुल जिंदल	सीएसई
28.	B16CS028	साई किशोर केसाराम	सीएसई
29.	B16CS029	साईरीपल्ली साई सूर्या	सीएसई
30.	B16CS030	सक्षम गुप्ता	सीएसई
31.	B16CS031	संचित तलीयान	सीएसई
32.	B16CS032	सर्वेश कुमार	सीएसई
33.	B16CS033	सत्य भावसार	सीएसई
34.	B16CS034	शाह अनुराग	सीएसई
35.	B16CS035	शशांक मोहाबिया	सीएसई
36.	B16CS036	सोहैल खान	सीएसई
37.	B16CS037	उनीत मीना	सीएसई
38.	B16CS038	विशाख एस	सीएसई
39.	B16CS039	विवेक द्विवेदी	सीएसई
40.	B16CS040	जाइद खान	सीएसई
41.	B16CS041	चिन्मय गर्ग	सीएसई
42.	B16CS042	सक्षम संजय बंगा	सीएसई
43.	B16EE001	अभिनव जोशी	ईई
44.	B16EE002	अदीश जैन	ईई
45.	B16EE003	आदित राज गौतम	ईई
46.	B16EE004	अखिल गोयल	ईई
47.	B16EE005	अखिल कुमार सिंह	ईई
48.	B16EE006	आँचल सिंह	ईई
49.	B16EE007	आशुतोष पांडे	ईई
50.	B16EE008	आयुष मुकुंद गुप्ता	ईई
51.	B16EE010	धर्मेश गुप्ता	ईई
52.	B16EE011	हेमेंद्र कुमार सिंह	ईई
53.	B16EE012	हितेश कुमार	ईई
54.	B16EE013	जितेंद्र जैन	ईई
55.	B16EE014	जितेंद्र मीणा	ईई
56.	B16EE015	कनक जैन	ईई
57.	B16EE016	कपिल	ईई
58.	B16EE017	करन कुमार	ईई

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
59.	B16EE018	कासर रजत संजय	ईई
60.	B16EE019	कृतिका चंदन	ईई
61.	B16EE021	क्षितिज कुमार	ईई
62.	B16EE022	मनु श्योरन	ईई
63.	B16EE023	मुकेश कुमार दास	ईई
64.	B16EE024	नोमराज मीना	ईई
65.	B16EE025	पाटिल रुशभ हेमंत	ईई
66.	B16EE026	प्रवेन्द्र एस खिंची	ईई
67.	B16EE027	प्रेरिका शर्मा	ईई
68.	B16EE028	रक्षित रामकांत मालापल्ली	ईई
69.	B16EE029	रोहित केवट	ईई
70.	B16EE031	श्रेष्ठ सैनी	ईई
71.	B16EE032	श्रुति सचान	ईई
72.	B16EE033	शुभम लोढ़वाल	ईई
73.	B16EE034	शुचि जैन	ईई
74.	B16EE035	सौरभ कुमार मीना	ईई
75.	B16EE036	सृजन अग्रवाल	ईई
76.	B16EE037	सृष्टि चौहान	ईई
77.	B16EE038	सुमंथ यू	ईई
78.	B16EE039	उज्ज्वला अनंतेश्वरन	ईई
79.	B16EE040	यश कुमार चौहान	ईई
80.	B16EE041	अभय कुमार	ईई
81.	B16EE042	अभिनव ऋषिकेश	ईई
82.	B16EE043	दिविज गुप्ता	ईई
83.	B16ME001	आदित्य राज	एमई
84.	B16ME002	अभिषेक भास्कर	एमई
85.	B16ME003	अनुज	एमई
86.	B16ME004	बादल कुमार	एमई
87.	B16ME005	भास्कर विजय	एमई
88.	B16ME007	दीपेंद्र सिंह भाटी	एमई
89.	B16ME009	गौतम जैन	एमई
90.	B16ME010	गुलाब चंद मीना	एमई
91.	B16ME011	हर्षुल शर्मा	एमई
92.	B16ME012	हेमंत कुमार	एमई
93.	B16ME013	जितेंद्र कुमार मीणा	एमई
94.	B16ME014	जोशी पार्थ जयेशभाई	एमई
95.	B16ME015	मुकेश शर्मा	एमई
96.	B16ME016	नाले रुतुराज शिवाजी	एमई
97.	B16ME017	नितेश राय	एमई
98.	B16ME018	परवेश	एमई
99.	B16ME019	पूजन गज्जर	एमई
100.	B16ME020	प्रदीप पांचाल	एमई
101.	B16ME021	प्रद्युमन गुप्ता	एमई
102.	B16ME022	प्रणव माहेश्वरी	एमई
103.	B16ME023	प्रेषित अमेटा	एमई
104.	B16ME024	पुष्पेंद्र चौधरी	एमई
105.	B16ME025	राघवेंद्र मीणा	एमई
106.	B16ME026	राज देवांगन	एमई

Ø-l-	jksy u-	uke	dæ@foHkkx
107.	B16ME027	रवीन	एमई
108.	B16ME028	सचिन बीजावत	एमई
109.	B16ME029	सचिन बुंदेला	एमई
110.	B16ME030	साक्षी जीनगर	एमई
111.	B16ME031	शम्भु सिंह	एमई
112.	B16ME032	शिवकुमार मुदगल	एमई
113.	B16ME033	श्रीनाथ नाथानी	एमई
114.	B16ME034	शुभम दोहारे	एमई
115.	B16ME035	सुभम कांत दास	एमई
116.	B16ME036	सुधीर कुमार कुशवाहा	एमई
117.	B16ME037	सुरेश	एमई
118.	B16ME038	उपेंद्र सेंगर	एमई
119.	B16ME039	विनोद कुमार सैनी	एमई
120.	B16ME040	विशाल जैन	एमई
121.	B16ME041	पीला सुभाश चंद्र बोस	एमई

foRrh; fLFkfr

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सामान्य योजना शीर्ष के तहत सहायता अनुदान के रूप में रू. 25000.10 लाख और 01–04–2016 को आरंभिक शेष के रूप में रू. 1938.07 लाख की राशि जारी की है। संस्थान की आंतरिक आय रू. 1021.08 लाख थी। वर्ष के दौरान कुल योजनागत व्यय रू. 25502.91 लाख (आवर्ती रू. 3500.68 लाख और अनावर्ती रू. 22002.23 लाख) था।

चित्र श्रेय : विद्या सर्वेश्वरन

Hkkjrh; iks|ksfxdh laLFkku tks/kiqj
राष्ट्रीय राजमार्ग 65, नागौर रोड, करवड़, जोधपुर 342037
http://www.iitj.ac.in

IR 12

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17

cygnusadvertising.in | +91 98301 61350